■ सरकार ने अदला-बदली नीलामी में वापस खरीदे 6,309 करोड़ बॉन्ड - 12

■ अमेरिका ने किया अनुरोध- रूसी तेल खरीद रिफाइनरियों में भेजे भारत - 12

■ नेपाल : सबसे युवा और पहले मधेसी पीएम होंगे बालेंद्र - 13

■ बारबाडोस से अहमदाबाद तक : क्रिकेट में भारत के दबदबे की अभूतपूर्व दास्तान - 14

आज का मौसम 28.0° अधिकतम तापमान 18.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.28 सूर्यास्त 06.17

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष सप्तमी 01:54 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2083

मंगलवार, 10 मार्च 2026, वर्ष 6, अंक 13, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

सदन में बजट पेश करने जाते मुख्यमंत्री धामी।

मुख्यमंत्री धामी ने पेश किया 1.11 लाख करोड़ का संतुलित बजट

बजट में 10.41% की वृद्धि, 2536.33 करोड़ का राजस्व अधिशेष

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

● बोले सीएम-समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़कर उत्तराखंड को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को भराड़ीसैंण विधानसभा में राज्यपाल गुरमीत सिंह के अभिभाषण के बाद वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए एक लाख 11 हजार 703 करोड़ रुपये से अधिक का बजट पेश किया।

उत्तराखंड में वित्तीय अनुशासन और विकास के संतुलन को मजबूत करते हुए मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट में जहां विकास की गति को बढ़ाने पर जोर है। वहीं, मजबूत राजकोषीय प्रबंधन की झलक भी स्पष्ट दिखाई देती है। वर्ष 2025-26 के सापेक्ष इस बजट में 10.41 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। साथ ही, 2536.33 करोड़ का राजस्व अधिशेष दिखाया गया है। राजकोषीय अनुशासन के तहत राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के तीन प्रतिशत की सीमा के भीतर रखा गया है। इसी प्रकार लोक ऋण भी जीएसडीपी के 32.50 प्रतिशत की निर्धारित सीमा के अंदर बनाए रखा गया है। धामी ने वित्त मंत्री की हैसियत से सदन में बजट पेश करते समय कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने के पुण्य विचार को चरितार्थ करने के लिए, सशक्त उत्तराखंड के निर्माण के लिए, विकसित उत्तराखंड बनाने के विकल्प रहित संकल्प के साथ देवभूमि की महान जनशक्ति की सामूहिक ऊर्जा से वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट अनुमान प्रस्तुत कर रहा हूं। वित्त वर्ष 2026-27 में कुल प्राप्तियां 1,10,143.13 करोड़ अनुमानित हैं, जिनमें 67,525.77 करोड़ की राजस्व प्राप्तियां तथा 42,617.35 करोड़ की पूंजीगत प्राप्तियां हैं। 2026-27 में राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व 43,327.43 करोड़ है, जिसमें केन्द्रीय करों में राज्यांश 17,414.57 करोड़ सम्मिलित है। राज्य के स्वयं के स्रोतों से कुल अनुमानित राजस्व प्राप्ति 31,620.03 करोड़ रुपए में कर राजस्व 25,912.86 करोड़ तथा करेत्तर राजस्व 5,707.17 करोड़ रुपए अनुमानित है।

सीएम ने कहा कि, व्यय के रूप में वर्ष 2026-27 में ऋणों के प्रतिदान (डब्ल्यूएमए/अर्थोपाय अग्रिम सहित) पर 28,160.63 करोड़, ब्याज की अदायगी के रूप में 7,929.40 करोड़, राज्य कर्मचारियों के वेतन-भत्तों आदि पर 19,174.97 करोड़ , सहायता प्राप्त शिक्षण एवं अन्य संस्थाओं एवं कर्मचारियों के वेतन भत्तों के रूप में 1,479.09 करोड़, पेंशन एवं अन्य सेवानिवृत्तिक लाभों के रूप में 11,137 करोड़ का व्यय अनुमानित है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 में कुल व्यय 1,11,703.21 करोड़ अनुमानित है जबकि कुल अनुमानित व्यय में से 64,989.44 करोड़ राजस्व लेखे का व्यय है तथा 46,713.77 करोड़ पूंजी लेखे का व्यय है। वर्ष 2026-27 के बजट में कोई राजस्व घाटा अनुमानित नहीं है, अपितु 2,536.33 करोड़ का राजस्व अधिशेष सम्भावित है। 12,579.70 करोड़ का राजकोषीय घाटा होने का अनुमान है, जो कि सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 2.94 % है।

बजट की विस्तृत कबरेज पेज-2

राज्यपाल ने अभिभाषण में दिया रोडमैप का ब्यौरा

गैरसैंण : राज्यपाल गुरमीत सिंह के अभिभाषण के साथ सोमवार सुबह बजट सत्र की शुरुआत हुई। विपक्ष ने सत्र की अवधि बढ़ाने और अन्य मांगों को लेकर सदन के बाहर धरना दिया तो अंदर हंगामा किया। राज्यपाल ने विपक्षी विधायकों की नारेबाजी के बीच राज्य के विकास को सरकार के भावी रोडमैप और अब तक प्राप्त उपलब्धियों का ब्यौरा दिया। सीएम के बजट पेश करने के बाद सत्र को मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। (विस्तृत पेज-3)

मुजतबा खामेनेई नए सुप्रीम लीडर अमेरिका-इजराइल के हमले तेज

सऊदी ने ईरान को चेताया, हमले बंद करो नहीं तो देंगे करारा जवाब

दुबई, एजेंसी

ईरान में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद उनके बेटे मुजतबा खामेनेई को सोमवार को देश का अगला शासक नामित किया गया। देश की असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने उनका चुनाव किया है। मुजतबा (56) के देश के अर्धसैनिक बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड से करीबी संबंध हैं। सुप्रीम लीडर चुने जाने से भड़के अमेरिका-इजराइल ने तेहरान पर हमले तेज कर दिए हैं।

रिवॉल्यूशनरी गार्ड युद्ध की शुरुआत के दौरान 28 फरवरी को अयातुल्ला अली खामनेई (86) की मौत के बाद से इजराइल और खाड़ी के अरब देशों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले कर रहा है। मुजतबा को उनके पिता से भी ज्यादा कट्टर विचारों वाला माना जा रहा है। वह युद्ध शुरू होने के बाद से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। ईरान के राजनीतिक जानकारों ने वंशानुगत तरीके से मुजतबा को सर्वोच्च नेता चुने जाने की आलोचना की है। इजराइल पहले ही कह चुका है कि मुजतबा उनके निशाने पर हैं जबकि ट्रंप ने उन्हें अस्वीकार्य बताया है। ईरान समर्थित लेबनानी उग्रवादी समूह हिजबुल्ला ने मुजतबा के समर्थन में बयान जारी किए।

वहीं, सऊदी अरब ने सोमवार को ईरान को आगाह किया कि अगर वह अरब देशों पर हमले करता रहा तो उसे अब तक का सबसे बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा। सऊदी का यह बयान उस ड्रोन हमले के बाद आया, जिसमें जाहिर तौर पर उसके बड़े शायबा तेल क्षेत्र को निशाना बनाया गया।

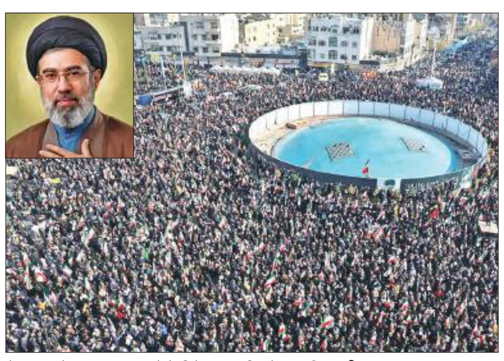

तेहरान में मुजतबा खामेनेई के समर्थन में एकत्रित भीड़।

भारत ने बहरीन में अपने नागरिकों से सतर्क रहने का किया आग्रह

दुबई। भारत ने बहरीन में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए सोमवार को एक परामर्श जारी कर क्षेत्र में मौजूदा स्थिति को देखते हुए सतर्क रहने, उचित सावधानी बरतने और स्थानीय अधिकारियों के सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह किया। बहरीन स्थित भारतीय दूतावास के परामर्श में कहा गया है कि बहरीन स्थित भारतीय दूतावास सामान्य रूप से कार्य कर रहा है। फंसे भारतीय नागरिकों, विशेषकर पर्यटक या अल्पकालिक वीजा धारकों को प्राथमिकता दी जा रही है।

युद्ध जीतने के लिए ब्रिटेन की मदद की जरूरत नहीं, ट्रंप ने की आलोचना

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने मौजूदा हालात पर राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत की। उधर, ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा, ब्रिटेन, जो कभी हमारा महान सहयोगी रहा है, अब पश्चिम एशिया में दो विमानवाहक पोत भेजने पर विचार कर रहा है। कोई बात नहीं, प्रधानमंत्री स्टॉर्मर, हमें अब उनकी जरूरत नहीं है हम इसे याद रखेंगे। हमें ऐसे लोगों की जरूरत नहीं है जो युद्ध जीतने के बाद उसमें शामिल हों।

पुतिन ने मुजतबा को दी बधाई अटूट समर्थन देने की बात कही

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने ईरान के नये सर्वोच्च नेता चुने गए अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई को सोमवार को बधाई दी और तेहरान को मॉस्को के अटूट समर्थन और एकजुटता की पुष्टि की। कहा कि मुझे विश्वास है कि आप अपने पिता के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।

ब्रीफ न्यूज

ईडी ने असम के पूर्व आईएएस अधिकारी की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। ईडी ने असम के पूर्व आबकारी सचिव और आईएएस अधिकारी इंद्रेश्वर कलिता के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों की तुलना में अधिक संपत्ति के मामले में धन शोधन की जांच के तहत पांच करोड़ रुपये से अधिक की अचल संपत्ति कुर्क की है। मामला मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ (सीएमएसवीसी) द्वारा कलिता के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है। ईडी ने एक बयान में कहा कि सीएमएसवीसी के आरोप पत्र में कहा गया है कि एक मार्च 2000 से 31 दिसंबर 2018 की जांच अवधि के दौरान, कलिता के पास कुल मिलाकर 5 .64 करोड़ रुपये की संपत्ति थी, जो उनकी आय के ज्ञात स्रोतों की तुलना में 131.12 प्रतिशत अधिक थी।

मथुरा में नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म, मामला दर्ज

मथुरा। मथुरा में नौहझील थाना क्षेत्र के एक गांव में दो युवकों द्वारा नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म करने की घटना सामने आई है। पुलिस ने पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दायर कर जांच शुरू कर दी है। मांट क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक संदीप कुमार सिंह ने बताया कि यह घटना शुक्रवार शाम की है, जिसके बारे में पीड़िता ने परिजनों को शनिवार को जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने रविवार को पुलिस में शिकायत दर्ज की।

कच्चे तेल में तेजी से शेयर बाजार में कोहराम, प्रमुख सूचकांक 3% तक टूटे

मुंबई, एजेंसी

● 2494.35 अंक तक फिसलने के बाद सेंसेक्स 1,353 अंक की गिरावट पर बंद

● निफ्टी 752.65 तक टूटने के बाद 422 अंक की गिरावट पर हुआ बंद

पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच कच्चे तेल के भाव में तेजी से सोमवार को भारतीय बाजार में कोहराम मच गया और शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक तीन प्रतिशत तक टूट गए। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई और यह 1,352.74 अंक यानी 1.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,566.16 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान, यह 2,494.35 अंक यानी 3.16 प्रतिशत का गोता लगाकर 76,424.55 अंक पर आ गया था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 422.40 अंक यानी 1.73 प्रतिशत टूटकर 24,028.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 752.65 अंक यानी 3.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,697.80 अंक पर आ गया था। सेंसेक्स की सभी कंपनियां लाल निशान में हैं।

सबसे ज्यादा गिरावट वाली 10 कंपनियां क्रमशः इंडिगो, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, मारुति सुजुकी, लार्सन एंड टुब्रो, एक्सिस बैंक, इटरनल, महिंद्रा एंड महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक रहे। वहीं, इस अवधि में निवेशकों की कुल संपत्ति में लगभग 22.40 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। इस दौरान बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 22,40,408.82 करोड़ रुपये की भारी गिरावट के साथ 4,41,10,262.45 करोड़ रुपये (4,780 अरब डॉलर) रह गया।

एमसीएक्स में क्रूड के भाव 26% ऊपर खुलकर 10,549 रुपये प्रति बैरल पहुंचे, देर शाम तक फिसले

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बीच सोमवार को वायदा कारोबार में कच्चे तेल की कीमतें 26 प्रतिशत से अधिक के उछाल के साथ 10,549 रुपये प्रति बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में मार्च डिलिवरी वाला कच्चा तेल 2,186 रुपये यानी 26 .13% बढ़कर 10,549 रुपये प्रति बैरल के अपने अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में इसका बंद भाव 8,363 रुपये प्रति बैरल था। कच्चे तेल का अप्रैल डिलिवरी वाला अनुबंध भी 2,158 रुपये यानी 26.91 % बढ़कर 10,177 रुपये प्रति बैरल के नए शिखर पर पहुंच गया। इससे पिछले सत्र में इसका भाव 8,019 रुपये प्रति बैरल था। वायदा कारोबार के दौरान दोनों आपूर्ति अनुबंध अपने-अपने ऊपरी सर्किट स्तर तक पहुंच गए। चॉइस ब्रोकिंग के जिंस एवं मुद्रा विश्लेषक आमिर मकडा ने कहा कि एमसीएक्स पर कच्चे तेल का मार्च अनुबंध पहले ही ऊपरी सर्किट स्तर को छू चुका है और आने वाले सत्रों में इसकी कीमतें 11,300 रुपये प्रति बैरल तक भी जा सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कच्चे तेल की कीमतें वर्ष 2022 के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गईं। डब्ल्यूटीआई कच्चा तेल अप्रैल डिलिवरी के लिए 28 .58 डॉलर यानी 31.44 % बढ़कर 119 .48 डॉलर प्रति बैरल हो गया। देरशाम भाव फिसल कर नीचे आ गए।

यौन हिंसा पीड़ितों के मामलों में संवेदनशीलता के नए दिशा-निर्देश जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में प्रदेश सरकार ने जारी किया शासनादेश

अमृत विचारः यौन हिंसा और दुष्कर्म के मामलों में गर्भवती लड़कियों व महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने और मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए प्रदेश सरकार ने सोमवार को सभी चिकित्सा संस्थानों व प्रशासनिक अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब गर्भसमापन, मेडिकल जांच और पीड़ित सहायता के लिए मानक प्रक्रिया का पालन अनिवार्य होगा। यह आदेश हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका संख्या-2751/2025 में 6 फरवरी 2026 को पारित आदेश के अनुपालन में जारी किया गया है।

अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित कुमार घोष की ओर से जारी शासनादेश में कहा गया है कि यौन हिंसा से पीड़ित महिलाओं और लड़कियों के मामलों में गर्भसमापन, चिकित्सा सहायता, जांच और परामर्श से संबंधित सभी प्रक्रियाओं में संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके लिए पहले से जारी एसओपी और नए दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा गया है। शासनादेश सभी चिकित्सा अधीक्षकों, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को भेजा गया है। साथ ही पुलिस महानिदेशक, मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने स्तर से इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराएं। पीड़िता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

24 सप्ताह तक गर्भ समापन की व्यवस्था

दिशा-निर्देशों के अनुसार यौन हिंसा से गर्भवती हुई महिला या लड़की का गर्भसमापन एमटीपी अधिनियम के तहत 24 सप्ताह तक कराया जा सकता है। 20 सप्ताह तक के मामलों में जिला अस्पताल या मेडिकल कॉलेज के स्त्री रोग विशेषज्ञ की निगरानी में प्रक्रिया पूरी की जाएगी और एफआईआर या पुलिस रिपोर्ट का इंतजार किए बिना उपचार में देरी नहीं की जाएगी। जांच से पहले लिखित सहमति अनिवार्य होगी। नाबालिग या मानसिक रूप से अक्षम पीड़िता के मामलों में अभिभावक की सहमति ली जाएगी। जांच के दौरान डीएनए साक्ष्य, नमूने और अन्य फॉरेंसिक साक्ष्य सुरक्षित तरीके से एकत्र कर 96 घंटे के भीतर जांच एजेंसी को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

शराब नीतिः केजरीवाल, सिसोदिया को नोटिस

● 21 अन्य से भी सीबीआई की याचिका पर मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शराब नीति मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 21 अन्य लोगों को अधीनस्थ अदालत द्वारा आरोप मुक्त किये जाने के विरूद्ध सीबीआई की याचिका पर आरोपियों से उनका पक्ष बताने को कहा।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने सीबीआई की याचिका पर सुनवाई के लिए अगली तारीख 16 मार्च तय की। हाईकोर्ट ने कहा कि वह निचली कोर्ट को ईडी द्वारा धनशोधन मामले की जांच पर कार्यवाही को बाद की तारीख तक स्थगित करने का आदेश देगी। सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा किए गए अनुरोध पर, उच्च न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि वह सीबीआई अधिकारियों पर अधीनस्थ अदालत द्वारा की गई 'पूर्वग्रहपूर्ण टिप्पणियों' के अमल पर रोक लगाएगी।

इटावा सफारी में शेरनी ने 4 शावकों को दिया जन्म

कार्यालय संवाददाता, इटावा

● तीसरी बार मां बनी शेरनी नीरजा, पहले के पांच शावक भी पूरी तरह स्वस्थ

अमृत विचारः एशियाई शेरों के संरक्षण और संवर्धन के लिए स्थापित लॉयन सफारी पार्क में उस समय खुशी की लहर दौड़ गई, जब यहां शेरनी नीरजा ने चार शावकों को जन्म दिया। चारों शावक पूरी तरह स्वस्थ हैं, और उनकी लगातार निगरानी की जा रही है।

तीसरी बार मां बनी शेरनी नीरजा ने पहले प्रसव में दो, दूसरी बार में तीन और अब चार शावकों को जन्म दिया है, इस तरह सफारी में अब उसके कुल नौ शावक पल रहे हैं। लॉयन सफारी पार्क के निदेशक डॉ. अनिल कुमार पटेल ने बताया कि शेरनी नीरजा ने रविवार रात पहला शावक 8.25 बजे, दूसरा 9.07 बजे, तीसरा 9.43 बजे और चौथा शावक 9.59 बजे पर जन्मा। नीरजा अपने नवजात बच्चों की अच्छी तरह देखभाल कर रही है। ब्रीडिंग सेंटर में लगे सीसीटीवी से उन पर नजर रखी जा रही है। सफारी प्रशासन के अनुसार शेर कान्हा और शेरनी नीरजा के बीच 18 नवंबर से 21 नवंबर 2025 के बीच मीटिंग हुई थी। इसके बाद आईवीआरआई बरेली में हुई जांच में नीरजा के गर्भवती होने की पुष्टि होने पर उसे ब्रीडिंग सेंटर में रखा गया था, जहां डॉक्टरों व कीपरों की टीम विशेष देखभाल कर रही थी। नीरजा के पहले के पांच शावक सफारी में स्वस्थ रूप से पल रहे हैं। शेरनी नीरजा का जन्म भी छह साल पहले इसी सफारी में हुआ था।

संसद बजट सत्र | सरकार बोली- स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर बहस के लिए तैयार

ईरान जंग पर सदन में हंगामा, लोस अध्यक्ष के खिलाफ नहीं हो पाई चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

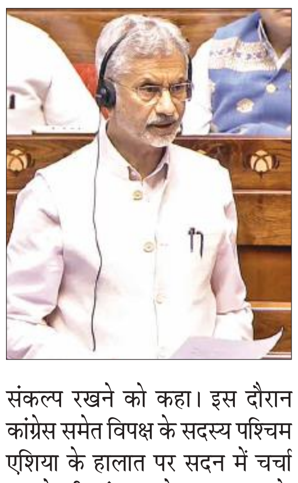

लोकसभा में सोमवार को विपक्षी दलों के सदस्यों ने पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा कराने की मांग को लेकर हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष के इस रुख पर अड़े रहने के कारण लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के विपक्ष के नोटिस पर चर्चा और मतदान की प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी।

सदन की बैठक दो बार स्थगित होने के बाद अपराह्न तीन बजे शुरू हुई तो पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद को लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अपना संकल्प रखने को कहा। इस दौरान कांग्रेस समेत विपक्ष के सदस्य पश्चिम एशिया के हालात पर सदन में चर्चा कराने की मांग करते हुए आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। कांग्रेस के सदस्य नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने की इजाजत भी आसन से मांग रहे थे। पीठासीन सभापति पाल ने मोहम्मद जावेद से कहा, आप केवल अपना संकल्प रख सकते हैं। आपको और कोई प्रस्ताव रखने का अधिकार नहीं है। आप आसन से यह नहीं कह सकते कि राहुल (गांधी) को बोलने दें, केसी वेणुगोपाल को बोलने दें। यह कौन सा नियम है। उन्होंने कहा, संसद की कार्यवाही में प्रति मिनट ढाई लाख रुपये खर्च होते हैं। एक दिन में नौ करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। जनता के पैसे का इस तरह आप नुकसान कर रहे हैं। आप संसद को बंधक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष ने इतने दिन पहले से लोस अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है, लेकिन इस विषय पर चर्चा कराने की जगह अब दूसरा विषय उठाया जा रहा है। विपक्षी द्वारा लोकसभा अध्यक्ष बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को जवाब दे सकते हैं।

अपने नागरिकों की सुरक्षा और राष्ट्रीय हित प्राथमिकता : जयशंकर

● कहा- संघर्ष क्षेत्र में फंसे 67,000 भारतीयों को वापस लाया जा चुका

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया संकट के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति की जरूरत पर जोर देते हुए सोमवार को लोकसभा में कहा कि उस क्षेत्र में रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा तथा अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। संसद के दोनों सदनों में पश्चिम एशिया संघर्ष पर दिए अपने वक्तव्य में जयशंकर ने कहा कि भारत सरकार पश्चिम एशियाई क्षेत्र के सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने के पक्ष में है। उन्होंने एक ईरानी जहाज को भारतीय बंदरगाह पर खड़ा करने की अनुमति देने को मानवीय आधार पर लिया गया सही निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार इस क्षेत्र के हालात पर नजर रख रही है और संघर्ष क्षेत्र में फंसे 67,000 भारतीय नागरिकों को पहले ही वापस लाया जा चुका है। जयशंकर ने कहा कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा तथा व्यापार जैसे राष्ट्रीय हित सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने लोकसभा और राज्यसभा में दिए वक्तव्य में कहा, भारत शांति के पक्ष में है और बातचीत और कूटनीति का मार्ग अपनाने का आग्रह करता है। दोनों सदनों में, जब जयशंकर वक्तव्य देने के लिए उठे तो विपक्ष ने जोरदार नारेबाजी की और मांग की कि पश्चिम एशिया की स्थिति पर उनके वक्तव्य से पहले चर्चा होनी चाहिए।

आठ मूल मंत्रों से धामी सरकार ने साधा संतुलन

बजट में 'संतुलन' के एक-एक अक्षर के गहरे अर्थ, सीएम ने विकास व प्रगति की सोच को अनूठे अंदाज में सामने रखा

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: वित्त मंत्री के रूप में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को जो बजट पेश किया, उसमें आठ मूल मंत्रों को केंद्र में रखकर संतुलन साधा गया है। ये मूल मंत्र अंग्रेजी में संतुलन शब्द को सामने रखकर बने हैं, जिसके एक-एक अक्षर में गहरे अर्थ समाहित हैं। सरकार ने इसी हिसाब से विभिन्न क्षेत्रों के लिए बजट का प्रावधान किया है। अनूठे अंदाज में सरकार ने राज्य के विकास और उसकी प्रगति से जुड़ी मजबूत परिकल्पना को भी सामने रखा है।

दरअसल, राज्य सरकार ने बजट में हर वर्ग का ख्याल रखते हुए संतुलित बजट पेश किया है। विकास और प्रगति की सोच को जिस अंदाज में सामने रखा गया है, वह अनूठा है। सरकार ने संतुलन शब्द को अंग्रेजी के हिसाब से सामने रखते हुए एक-एक अक्षर पर विकास और प्रगति की तस्वीर खींची है। मसलन, संतुलन के पहले अक्षर एस से समावेशी विकास, ए से आत्मनिर्भरता, एन से नई सोच और टी से तीव्र विकास की परिकल्पना को न सिर्फ पेश किया है, बल्कि उसके अंतर्गत विभिन्न योजनाओं और मदों में अच्छे खासे बजट का प्रावधान भी किया है। इसी तरह, यू अक्षर की जब बात की गई है, तो उसमें उत्तराखंड के उन्नत गांव एवं शहरों को ध्यान में रखा गया है। एल से लोकसहभागिता, ए से आर्थिक विकास और एन से न्यायपूर्ण व्यवस्था की परिकल्पना प्रकट की गई है और विभिन्न मदों में बजट का प्रावधान किया गया है।

तीव्र विकास (T)

- पीएमजीएसवाई योजना के अन्तर्गत पूंजीगत मद में 1050 करोड़
- गड्ढा मुक्त सड़क अभियान हेतु 400 करोड़
- नागरिक उड्डयन विभाग के अन्तर्गत समग्र रूप से पूंजीगत मद में 52.50 करोड़
- नंदा देवी राजजात यात्रा के लिए 25 करोड़

संतुलन का अनूठा मॉडल

संतुलन (SANTULAN) समावेशी विकास (S)

- सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में समग्र रूप से 1327.73 करोड़
- अटल आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना हेतु 600 करोड़
- सक्षम आंगनबाड़ी एंड पोषण 2.0 योजना हेतु समग्र रूप से 598.33 करोड़
- ईडब्ल्यूएस आवासों हेतु अनुदान के अन्तर्गत 25.00 करोड़
- राज्य खाद्यान्न योजना के अन्तर्गत 25 करोड़
- प्रधानमंत्री पोषण मिशन हेतु समग्र रूप से 149.45 करोड़
- मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट योजना हेतु 30.00 करोड़
- मुख्यमंत्री आंचल अमृत योजना हेतु 15.00 करोड़
- राज्य में प्रसूता के लिए ईजा-बोई शगुन योजना हेतु 14.13 करोड़
- मुख्यमंत्री महिला पोषण योजना हेतु 13.44 करोड़
- मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना हेतु 15.00 करोड़
- मुख्यमंत्री बाल एवं महिला बहुमुखी विकास निधि 8.00 करोड़

उन्नत शहर एवं गांव का विकास (U)

- विकसित भारत - जी राम जी हेतु 705.25 करोड़
- ग्रामीण विकास विभाग के अन्तर्गत पूंजीगत मद में 1642.20 करोड़
- वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम हेतु 40 करोड़
- शहरी निकायों हेतु 1814 करोड़ एवं पंचायती राज संस्थाओं हेतु 1491 करोड़
- आवास विकास विभाग में अवस्थापना सुविधाओं के विकास को 130 करोड़
- नगरीय अवस्थापना के सुदृढ़ीकरण को 60 करोड़

लोक सहभागिता (L)

- सूचना प्रौद्योगिकी का सुदृढ़ीकरण/आईटीडीए को अनुदान–25 करोड़
- राज्य डाटा सेंटर सुदृढ़ीकरण– 40 करोड़
- एआई मिशन के क्रियान्वयन हेतु एसपीवी का गठन– 25 करोड़
- विज्ञान केंद्र चंपावत–10 करोड़

<bha>--</bha>

आर्थिक शक्ति (A)

- रिस्पना बिंदाल की एलिवेटेड यूटिलिटी शिफ्टिंग– 350 करोड़
- टिहरी रिंग रोड परियोजना– 10 करोड़
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना– 1050.00 करोड़
- स्टार्ट अप वेंचर फंड हेतु– 25.00 करोड़
- एमएसएमई को सहायता योजना के लिए– 75 करोड़
- मेगा इंडस्ट्रियल एवं मेगा टेक्सटाइल नीति के तहत अनुदान 25 करोड़
- इको टूरिज्म गतिविधियों के लिए 18.50 करोड़
- प्रमोशन ऑफ इंवेस्टमेंट, स्टार्टअप और इंटरप्रीनियोरशिप के लिए– 30 करोड़
- मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के लिए–60 करोड़

आय–व्ययक अनुमान 2026–2027

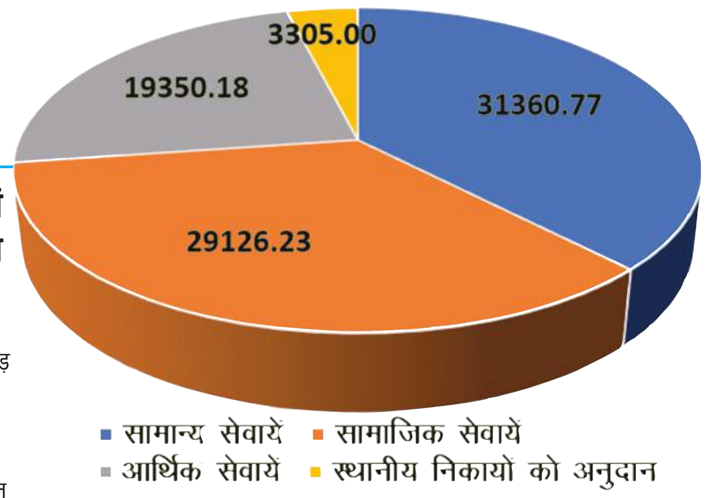

आत्मनिर्भर उत्तराखंड (A)

- पशुपालन विभाग के अन्तर्गत स्वरोजगार परक व लाभार्थीपरक योजना हेतु 42.02 करोड़
- समग्र रूप से मिशन एप्पल के लिए 42.00 करोड़
- ट्राउट प्रोत्साहन योजना हेतु 39.90 करोड़
- उच्च मूल्य वाले फलों (कीवी, ड्रेगन फ्रूट आदि) के उत्पादन बढ़ाने को 30.70 करोड़
- राज्य में चाय विकास योजना के लिए 25.93 करोड़
- सगन्ध पौधा केन्द्र को अनुदान एवं सगन्ध पौधों के कलस्टर विकास को 24.75 करोड़
- फसलों की सुरक्षा के लिए घेरबाड़ को 20 करोड़
- सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों को सहायता योजना को 75.00 करोड़
- मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के लिए 60.00 करोड़
- प्रमोशन ऑफ इंवेस्टमेंट, स्टार्टअप और इंटरप्रीनियोरशिप को 30.00 करोड़
- स्टार्ट अप वेंचर फंड हेतु 25.00 करोड़
- मेगा इंडस्ट्रियल एवं मेगा टेक्सटाईल नीति के तहत अनुदान को 25 करोड़
- इको टूरिज्म गतिविधियों के लिए 18.50 करोड़
- हरिद्वार गंगा कॉरिडोर परियोजना 10 करोड़
- ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर परियोजना 10 करोड़
- सरयू एवं अन्य रिवर फ्रंट योजनाओं हेतु 10 करोड़

बजट की विशेषताएं

नया परिवेश

केदार (KEDAR)	मानस (MANAS)
K - कौशल विकास	M - मंगलकारी
E इकालॉजी संवर्धन	A अवसरयुक्त
D धरोहर संरक्षण	N नवोन्मेषी
A अवसंरचना निर्माण	A आध्यात्मिक
R- रिवर्स माइग्रेशन	S - सांस्कृतिक गतिविधियां

न्यायपूर्ण व्यवस्था (N)

- पुलिस आवास को 100 करोड़
- इंडिया रिजर्व वाहिनी की स्थापना– 10 करोड़
- स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स–10 करोड़
- आन्तरिक सुरक्षा हेतु केन्द्रीय पुलिस बल आदि को भुगतान– 2.50 करोड़
- जेलों का निर्माण/भूमि क्रय– 25 करोड़
- कारागार हेतु आवासीय भवनों का निर्माण - 10 करोड़
- उत्तराखंड न्यायिक एवं विधिक अकादमी- 6.96 करोड़
- रेप एंड पॉक्सो एक्ट के लंबित प्रकरणों हेतु फास्ट ट्रैक विशेष कोर्ट 3.42 करोड़

ज्ञान मॉडल से समग्र विकास का रोडमैप

देहरादून: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्ष 2026–27 का बजट प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प ज्ञान (GYAN) मॉडल के माध्यम से राज्य के समग्र विकास को आगे बढ़ाना है। इस मॉडल में गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान) और नारी सशक्तिकरण को विकास के चार प्रमुख स्तंभ के रूप में रखा गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उत्तराखंड को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। इसी दृष्टि से बजट में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। बजट में गरीब कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है। युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास पर फोकस किया गया है। किसानों की आय बढ़ाने पर जोर देने के साथ ही महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्ञान मॉडल के माध्यम से गरीबों के उत्थान, युवाओं के सशक्तिकरण, किसानों की समृद्धि और महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी तथा उत्तराखंड विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

आर्थिक शक्ति (A)

- रिस्पना बिंदाल की एलिवेटेड यूटिलिटी शिफ्टिंग– रु.350.00 करोड़
- टिहरी रिंग रोड परियोजना– रु.10.00 करोड़
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना– रु.1050.00 करोड़
- स्टार्ट अप वेंचर फंड हेतु– रु.25.00 करोड़
- प्रदेश के सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों को सहायता योजना के लिए– रु.75.00 करोड़
- मेगा इंडस्ट्रियल एवं मेगा टेक्सटाईल नीति के तहत अनुदान के लिए– रु.25.00 करोड़
- इको टूरिज्म गतिविधियों के लिए समग्र रूप से– रु.18.50 करोड़
- प्रमोशन ऑफ इंवेस्टमेंट, स्टार्टअप और इंटरप्रीनियोरशिप के लिए– रु.30.00 करोड़
- मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के लिए– रु.60.00 करोड़

नई सोच (N)

- संस्कृत पाठशालाओं को अनुदान हेतु 28 करोड़
- खनन सर्विलांस योजना के अन्तर्गत 24.50 करोड़
- विद्यालयी शिक्षा विभाग के अन्तर्गत छात्रवृत्ति हेतु 15 करोड़
- उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत छात्रवृत्ति हेतु 15.00 करोड़
- खेल विभाग के अंतर्गत छात्रवृत्ति हेतु 13.50 करोड़
- उद्यमिता, कौशल एवं नवाचार योजना के अन्तर्गत 7.11 करोड़
- राजकीय महाविद्यालयों में ई-ग्रंथालय की स्थापना को 7 करोड़
- लैब ऑन व्हील्स योजना के लिए 4 करोड़
- राज्य डॉटा सेंटर सुदृढ़ीकरण के लिए समग्र रूप से 65 करोड़
- सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना के अन्तर्गत 47.50 करोड़
- पहाड़ी शहर में नगर निकायों को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने हेतु 30 करोड़
- साइबर सिक्योरिटी के क्रियान्वयन को 15.00 करोड़
- इमरजिंग टेक्नोलॉजी एवं एआई के क्रियान्वयन हेतु 11.50 करोड़
- शहरी क्षेत्रों में पैदल मार्ग अवसंरचना के अन्तर्गत 10 करोड़
- एफएसएल के अन्तर्गत 6.71 करोड़
- पैक्स कम्प्यूटरीकरण हेतु 5.67 करोड़
- जनपदों में केंद्रीकृत रिकॉर्ड रूम के अन्तर्गत 10 करोड़
- यूनीफार्म सिविल कोड के अन्तर्गत 5 करोड़

"यह उत्तराखंड के भविष्य का बजट है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का युवाओं के लिए, महिलाओं के लिए, गरीब–कमजोर वर्गों के लिए मध्यम वर्गीय के लिए एक विकास अनुमुख बजट है जो उत्तराखंड की भविष्य में विकसित प्रदेश की कल्पना को पूरा करेगा और उत्तराखंड को अग्रणी प्रदेशों में शामिल करेगा।
– **प्रदीप बिष्ट**, पूर्व जिलाध्यक्ष, भाजपा नैनीताल

"बुनियादी ढांचे, सड़क और कनेक्टिविटी में सुधार एक अच्छा निर्णय है लेकिन सड़क सुरक्षा को लेकर सरकार को गंभीर होना चाहिए निरंतर दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही है लोग अपनी जान गवाते जा रहे है इसको लेकर सरकार को विशेष योजना लानी चाहिए। **–हरजीत सिंह चड्ढा, प्रवक्ता**, देवभूमि ट्रांसपोर्ट महासंघ

सीएम से प्रश्न पूछने को सोमवार आता ही नहीं

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश बजट सत्र में हिस्सा लेने के लिए गैरसैण पहुंच गए हैं। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि विधानसभा सत्र को जानबूझकर छोटा रखा जाता है जिससे जनता के सवालों पर सरकार को जवाब न देना पड़े।

कहा कि मेरी विधानसभा में ही कम से कम 25 समस्याएं हैं और स्वयं सीएम पुष्कर सिंह धामी के पास 47 से ज्यादा विभाग हैं। उनसे सवाल पूछने का दिन सोमवार का होता है और इस सरकार में सीएम से सवाल पूछने के लिए किसी भी विधानसभा सत्र में सोमवार आता ही नहीं है। कहा कि जनता इतनी समस्याओं से पीड़ित है कि समय कम होने की वजह से सभी समस्याओं पर चर्चा करना संभव ही नहीं है। यह केवल पोस्टर और बैनर वाली सरकार है। कहा कि गृहमंत्री अमित शाह हरिद्वार आए और बोले कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक घुसपैठियों को हटाएंगे जबकि 12 साल से केंद्र में भाजपा की सरकार है। ऐसे में

यूजीसी बिल हिंदू समाज को बांटने वाला: सुमित

हल्द्वानी: विधायक सुमित हृदयेश ने स्पष्ट तौर पर कहा कि यूजीसी बिल जिसको भाजपा लाई थी यह केवल हिंदू समाज को बांटने वाला है। चुनाव के समय भाजपा बोलती है कि बंटोगे तो कटोगे और यूजीसी बिल लाकर समाज को बांटने का काम करती है। कहा कि अफसरशाही इतनी बेलगाम हो गई कि भाजपा के नेता भी इससे परेशान हैं।

भाजपा बताए कि घुसपैठिए देश में क्या कर रहे हैं। कहा कि जहां तक डेमोग्राफी वाली बात है तो पहाड़ तो पहाड़ खाली हो रहे हैं और हाल ये हैं कि उनकी शादी नहीं हो रही है।

3 'ग्रोथ डाइवर्स' करेंगे 3 बड़े लक्ष्यों की पूर्ति

बजट डेस्क, देहरादून

अमृत विचार: आत्मनिर्भर उत्तराखंड की जिस यात्रा पर राज्य सरकार आगे बढ़ रही है, उसमें तीन क्षेत्रों से उसे सर्वाधिक आस है। यह क्षेत्र हैं-कृषि, उद्योग और पर्यटन। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इन तीन क्षेत्रों को आत्मनिर्भरता की यात्रा के 'डाइवर्स' की संज्ञा दे दी है। मुख्यमंत्री ने बजट में इसी अनुरूप इन क्षेत्रों का विशेष ध्यान रखा है। सरकार की मंशा ये ही है कि इन तीनों क्षेत्रों को एक साथ आगे बढ़ाते हुए ऐसा परिवेश बनाए, जो एक साथ तीन उद्देश्यों की पूर्ति कर सके। ये उद्देश्य हैं-उत्पादकता बढ़े, निवेश आकर्षित हो और सम्मानजनक आजीविका के अवसर मिले।

तीन क्षेत्रों को बजट की डोज

01–कृषि व संबंधित क्षेत्र

उद्यान बीमा योजना–40 करोड़
मुख्यमंत्री राज्य कृषि विकास योजना–20 करोड़
कीवि, ड्रेटन फ्रूट प्रोत्साहन–30.70 करोड़
मिशन एप्पल–42 करोड़
फसलों की सुरक्षा, घेर बाड़–20 करोड़
चाय विकास योजना–25.93 करोड़
सगंध पौधा विकास व अन्य–24.75 लाख
महक क्रांति हेतु–10 करोड़

02–उद्योग

सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यमों को सहायता योजना–75 करोड़
मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना–60 करोड़
मेगा इंडस्ट्रियल एवं मेगा टेक्सटाइल नीति अनुदान–25 करोड़
प्रमोशन ऑफ इंवेस्टमेंट, स्टार्टअप, एंटरप्रीनियोरशिप–30 करोड़
स्टार्ट अप वेंचर फंड–25 करोड़

03–पर्यटन

पर्यटन विभाग के अंतर्गत राजस्व मद में बजट–210 .59 करोड़
पर्यटन विभाग के अंतर्गत पूंजीगत मद में बजट–296 .45 करोड़
वैश्विक पर्यटक स्थलों का विकास–दस करोड़
इको टूरिज्म गतिविधियों के लिए–18 .50 करोड़
योग दिवस आयोजन–दो करोड़

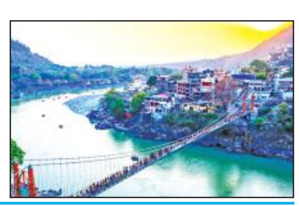

बजट से इन योजनाओं को मिलेगी गति

- ट्राउट प्रोत्साहन योजना के लिए 39.90 करोड़ रु.
- आईटीबीपी बटालियन को जीवित भेड़. बकरी और कुक्कुट आपूर्ति योजना के लिए 3.50 करोड़ रु.
- दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजनांतर्गत 42.50 करोड़ रु.
- हाउस ऑफ हिमालयाज के अन्तर्गत– 05.00 करोड़ रु.
- मिशन एप्पल योजना अन्तर्गत समग्र रूप से 42.00 करोड़ रु.
- दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन योजना – 32.00 करोड़ रु.
- मुख्यमंत्री राज्य कृषि विकास योजनांतर्गत - 20.00 करोड़ रु.
- मुख्यमंत्री मत्स्य सपदा योजना के लिए 12.43 करोड़ रु.
- मिलेट मिशन योजना के प्रोत्साहन के लिए - 12.00 करोड़ रु.
- स्थानीय फसलों को प्रोत्साहन कार्यक्रम के लिए- 5.75 करोड़ रु.
- मुख्यमंत्री राज्य कृषि विकास योजना- 20.00 करोड़ रु.
- किसान पेंशन योजना- 12.06 करोड़ रु.
- प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना 160.13 करोड़ रु.
- गंगा कार्यकारी योजना के अन्तर्गत रखरखाव के लिए जल संस्थान को अनुदान- 25.00 करोड़ रु.

अच्छी खबर जेंडर बजट का आकार बढ़ाने से लेकर कई योजनाओं में बजट का प्रावधान

मातृशक्ति की बेहतरी को संजीदा दिखी सरकार

बजट डेस्क, देहरादून

अमृत विचार: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के एक दिन बाद और बजट सत्र के पहले ही दिन राज्य सरकार ने मातृ शक्ति को भरोसा दिला दिया कि उनकी बेहतरी के लिए वह संजीदा है। महिला समानता के लिहाज से महत्वपूर्ण जेंडर बजट का आकार बढ़ाने की बात हो या फिर विभिन्न ऐसी योजनाएं, जो महिलाओं से सीधे जुड़ी हैं, उनके लिए बजट का प्रावधान किया गया है।

राज्य सरकार ने पिछले वर्ष सोलह हजार नौ सौ इकसठ करोड़ बत्तीस लाख रुपये का जेंडर बजट प्रस्तुत किया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बजट पेश करते हुए बताया है कि इस बार जेंडर बजटिंग में उन्नीस हजार छह सौ बयानवे करोड़ दो लाख के बजट का प्रावधान किया जा रहा है। यानी यह साफ है कि महिलाओं के कल्याण से किए जा रहे प्रयास इस बजट के बाद और तेजी पकड़ेंगे।

● महिला दिवस के एक दिन बाद पेश बजट में महिलाओं का खास ख्याल

राज्य सरकार ने प्रसूता को सीधे एड्रेस करने वाली ईजा-बोई शगुन योजना हो या बेटियों को सुरक्षा देने वाला निर्भया फंड, सभी के लिए बजट प्रावधान कर यह भरोसा दिलाया है कि नारी शक्ति का हित उसकी प्राथमिकता में है। मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट योजना, वात्सल्य योजना, मुख्यमंत्री महिला पोषण योजना, निराश्रित विधवाओं की पुत्रियों के विवाह हेतु अनुदान से जुड़ी जैसी योजनाओं की एक लंबी फेहरिस्त है, जिसमें बजट का प्रावधान कर सरकार ने महिलाओं की बेहतरी के लिए अपने संजीदा प्रयासों की झलक पेश की है।

मां-बच्चे के पोषण के प्रति भी गंभीरता : सक्षम आंगनबाड़ी एंड पोषण 2.0 योजना के अंतर्गत राज्य सरकार ने 598.33 करोड़ का बजट प्रावधान किया है। इस योजना के तहत छह माह से लेकर छह वर्ष तक के लगभग सात लाख तैंतीस हजार लाभार्थियों को अनुपूरक पोषाहार आंगनवाड़ी केंद्रों से दिया जा रहा है। बच्चे के साथ ही मां के पोषण का ख्याल रखते हुए चलाई जा रही प्रधानमंत्री पोषण मिशन हेतु समग्र रूप से लगभग 149.45 करोड़ का बजट प्रावधान किया गया है।

योजनाएं और उसमें बजट प्रावधान

निर्भया फंड–112.02 करोड़
मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट योजना–30 करोड़
मुख्यमंत्री बाल पोषण योजना–25 करोड़
वात्सल्य योजना–15 करोड़
मुख्यमंत्री महिला पोषण योजना–13 .44 करोड़
ईजा–बोई शगुन योजना–14 .13 करोड़
निराश्रित विधवाओं की पुत्रियों के विवाह हेतु अनुदान–पांच करोड़
मुख्यमंत्री बाल एवं महिला बहुमुखी विकास निधि–आठ करोड़
आपदा सखी–दो करोड़

निधि का प्रवाह

रुपया आता है

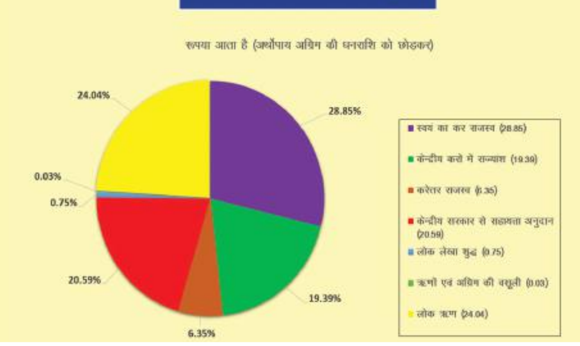

रुपया जाता है

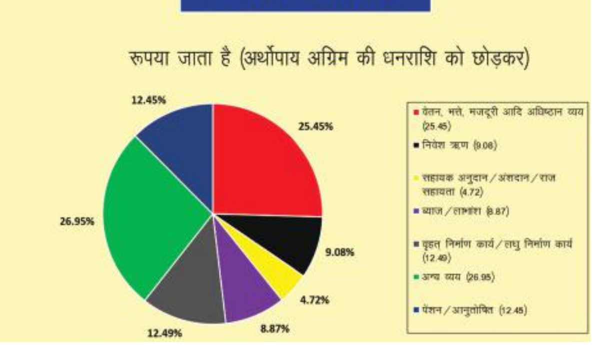

सरप्लस बजट, विकास की दिशा और दशा का मजबूत संकेत

बजट डेस्क देहरादून: भाजपा ने प्रदेश सरकार के बजट को सबके सर्वागीण विकास का प्रामाणिक दस्तावेज बताया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि, घाटे का बजट अब बीते दिनों की कहानी बन गया है। लिहाजा राजस्व सरप्लस की कड़ी में आया ये बजट नए, व्यावहारिक और साहसिक निर्णयों से विकसित राज्य निर्माण की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाने वाला है। उनके द्वारा प्रतिक्रिया में कहा गया कि ये बजट विकास को लेकर आम लोगों की बढ़ती आकांक्षाओं की पूर्ति करने वाला है। विगत विपक्षी सरकारों में स्थापित खर्चे और घाटे के लेखा जोखा की प्रवृति को हमने समाप्त किया है। यही वजह है कि हम विकास और जवाबदेही के बजटीय परंपरा पर आगे बढ़ते हुए 10 फीसदी वृद्धि के साथ 1,11,703 करोड़ के बजट लेकर आए हैं। इस बजट से हम सबके लिए बेहद संतोष और खुशी की बात है कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में हम ज्ञान मॉडल यानी गरीब, युवा, किसान, महिलाओं के सशक्तिकरण पर फोकस होकर कार्य कर रहे हैं। प्रदेश को विकसित बनाने का हमारा मूलमंत्र आत्मनिर्भता में निहित है, ये बजट हमे इस दिशा में आगे ले जाने वाला है। कहा, उत्तराखंड को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के जिस मकसद के साथ सरकार काम कर रही है, ये बजट उसका प्रामाणिक दस्तावेज है। जिसमें आधारभूत ढांचे और व्यावसायिकता जरूरतों की पूर्ति के साथ गरीब कल्याण की योजनाओं, युवाओं के रोजगार एवं कौशल, किसानों की आय वृद्धि, महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान रखा गया है। ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी के लिए पीएमजीएसवाई, ग्रामीण रोजगार की वीबी जीरामजी के लिए आवश्यक प्रावधान के साथ सामाजिक सुरक्षा को लेकर भी बजट में बड़ी व्यवस्था की गई है।

सिटी ब्रीफ

बिना प्रमाण पत्र नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

चम्पावत : जिले में वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र (पीयूसी) दिखाए बिना वाहनों को पेट्रोल अथवा डीजल नहीं मिलेगा। उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पीसीबी के निर्देशों के अनुपालन में यह कदम उठाया गया है। जिला पूर्ति अधिकारी प्रियंका भट्ट के अनुसार, जिले के सभी पेट्रोल और डीजल पंप संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वैध पीयूसी प्रमाणपत्र के बिना किसी भी वाहन को ईंधन उपलब्ध न कराया जाए। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित पंप संचालकों के खिलाफ कार्रवाई भी की जा सकती है। उन्होंने वाहन स्वामियों से अपील की कि अपने वाहनों का समय-समय पर प्रदूषण जांच कराना सुनिश्चित करें।

हाईकोर्ट ने दिए ट्रांसफर पर आदेश

नैनीताल : याचिकाकर्ता का स्थानांतरण दुर्गम क्षेत्र से सुगम क्षेत्र में नहीं करने को लेकर याचिका पर मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने सुनवाई की। याचिका निरस्तरित करते हुए सरकार को निर्देश दिए हैं कि आगामी स्थानांतरण सत्र के समय याचिकाकर्ता का स्थानांतरण एमबी पीजी कालेज हल्द्वानी, स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्दूचौड़, कपकोट और पीजी कालेज काशीपुर में रिक्त पड़े पदों में से एक पर स्थानांतरण नियमावली के तहत किया जाए। डॉ. मंजू यादव ने याचिका दायर की थी।

उत्तराखंड के समग्र विकास की दिशा तय करेगा यह बजट: मुख्यमंत्री धामी

गरीब, युवा, किसान, महिलाओं पर फोकस, विकास-विरासत के संतुलन का रोडमैप

- मुख्यमंत्री ने बजट पेश करने के बाद की प्रेस वार्ता
- विकसित उत्तराखंड की दिशा में यह बजट एक महत्वपूर्ण कदम

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को उत्तराखंड के भविष्य का रोडमैप बताते हुए कहा कि यह केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं बल्कि राज्य के समग्र विकास की दिशा तय करने वाला बजट है। उन्होंने प्रेस वार्ता में कहा कि लगभग 1.11 लाख करोड़ रुपये का यह बजट विकास, विरासत, संस्कृति और आधुनिकता के संतुलन को दर्शाता है और 'विकसित भारत के लिए विकसित उत्तराखंड' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य गठन के समय उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था का आकार लगभग 14,500 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर लगभग 3.81 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है यानी राज्य की आर्थिकी में 26 गुना से अधिक वृद्धि हुई है। इसी प्रकार प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2000-01 में 15,285 रुपये थी, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 2,73,921 रुपये होने का अनुमान है।

पिछले वर्ष की तुलना में राज्य की वास्तविक विकास दर 7.23 प्रतिशत अनुमानित है, जो राष्ट्रीय औसत के आसपास है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने एफआरबीएम अधिनियम के सभी मानकों का पालन करते हुए बेहतर वित्तीय अनुशासन बनाए रखा है। सरकार ने राजस्व अधिशेष बनाए रखा है और राजकोषीय घाटे को जीएसडीपी के 3 प्रतिशत के भीतर रखा है। यह उत्तराखंड राज्य के कुशल वित्तीय प्रबंधन को दर्शाता है। यह बजट गरीब, किसान, युवा और मातृशक्ति को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है।

कई नई योजनाओं की शुरुआत

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बजट में कई नई योजनाओं की शुरुआत भी की जा रही है। इनमें कुंभ मेला तैयारियों के लिए लगभग 1,027 करोड़ रुपये, साइबर सुरक्षा के लिए 15 करोड़ रुपये, इको-टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 18 .5 करोड़ रुपये, स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोन के विकास के लिए 10 करोड़ रुपये और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व उभरती तकनीकों के लिए 13 करोड़ रुपये शामिल हैं। सरकार नवाचार को भी बढ़ावा दे रही है। इसके तहत कीवी और ड्रैगन फ्रूट उत्पादन, ट्राउट मछली पालन, सेब नर्सरी विकास, मुख्यमंत्री युवा भविष्य निर्माण योजना और महक क्रांति जैसी योजनाएं शुरू की जा रही हैं।

बजट का मूल मंत्र संतुलन (SANTULAN) है

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट का मूल मंत्र संतुलन (SANTULAN) है, जिसका अर्थ है-समावेशी, आत्मनिर्भर, नई सोच, तीव्र विकास, उन्नत गांव और शहर, लोक सहभागिता, आर्थिक शक्ति और न्यायपूर्ण व्यवस्था। सरकार का लक्ष्य विकास और पर्यावरण के संतुलन के साथ उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करना है। यह बजट वास्तव में 'विकल्प रहित संकल्प से विकसित उत्तराखंड तक की यात्रा का दस्तावेज' है।

पारदर्शिता के साथ प्रगति पथ पर निरंतर बढ़ रही है सरकार

- राज्यपाल के अभिभाषण में राज्य के विकास का भावी रोडमैप

प्रमुख संवाददाता, भराड़ीसैंण

भराड़ीसैंण विधानसभा में अभिभाषण देते राज्यपाल गुरमीत सिंह।

अमृत विचारः भराड़ीसैंण विधानसभा में वार्षिक आर्थिक बजट 2026-27 पारित करने के लिए सोमवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह के अभिभाषण के साथ बजट सत्र की शुरूआत हुई।

राज्यपाल ने विपक्षी विधायकों की नारेबाजी के बीच राज्य के विकास को सरकार के भावी रोडमैप और अब तक प्राप्त उपलब्धियों का ब्यौरा दिया। अभिभाषण के बाद उन्होंने विधान भवन की गैलरी में प्रदर्शित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। राज्यपाल ने सर्वप्रथम राज्य निर्माण के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने प्रदेश की अप्रतिम विकास यात्रा में सम्मिलित सभी राज्य आन्दोलनकारियों तथा देवभूमि वासियों का आभार व्यक्त किया। कहा कि देवभूमि उत्तराखंड को एक आदर्श राज्य के रूप में विकसित करने में दिए जा रहे सहयोग के लिए प्रदेश की मातृशक्ति, युवा शक्ति, अन्नदाता, उद्यमी और पूर्व सैनिकों की महत्वपूर्ण भागीदारी से देवभूमि समृद्धि और सशक्तिकरण के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने इसे सौभाग्य का विषय बताया कि एक से 11 नवम्बर, 2025 तक राज्य स्थापना रजत जयंती उत्सव मनाया गया और नौ नवम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में राज्य गठन के 25 वर्ष की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया।

उन्होंने रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में राष्ट्रपति के सम्बोधन के साथ विधानसभा का 'विशेष सत्र' आहूत करने और उसमें राज्य की प्रगति एवं भविष्य के रोड मैप के संबंध में विशेष चर्चा का भी जिक्र किया। कहा कि देवभूमि उत्तराखंड ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हम आगामी वर्ष में विकास की नई ऊंचाईयों को प्राप्त करेंगे। कहा कि हमारी सरकार विकसित और आत्मनिर्भर उत्तराखंड के निर्माण के लिये दृढ़ संकल्प से कार्य कर रही है। यह कालखंड आर्थिक समृद्धि, सामाजिक न्याय, महिला कल्याण एवं सशक्तिकरण तथा अवस्थापना संरचना की दृष्टि से स्वर्णिम काल है। हमारी सरकार प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में सरलीकरण, समाधान एवं निस्तारीकरण के मार्ग पर पारदर्शिता के साथ निरन्तर आगे बढ़ रही है।

बजट में राज्य की चुनौतियों से निपटने का उल्लेख नहीं: आर्य

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने दी अभिभाषण व बजट पर प्रतिक्रिया

अमृत विचारः राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने इसे निराशाजनक, दिशाहीन, संकल्पविहीन, प्रतिगामी और विकास अवरोधी बताया। कहा कि अपने लंबे सार्वजनिक और संसदीय जीवन में उन्होंने इतना कमजोर और वास्तविकता से कटा हुआ अभिभाषण पहले कभी नहीं सुना।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस अभिभाषण को यदि विजन डॉक्यूमेंट के बजाय कन्फ्यूजन डॉक्यूमेंट कहा जाए तो यह कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। अभिभाषण में प्रदेश की वास्तविक समस्याओं, जनता की पीड़ा और राज्य के सामने खड़ी चुनौतियों का कहीं भी उल्लेख दिखाई नहीं देता। आर्य ने कहा कि किसी भी वर्ष का राज्यपाल अभिभाषण उस वर्ष के लिए सरकार की प्राथमिकताओं, नीतियों और लक्ष्यों का दस्तावेज होता है। इसके साथ ही यह पिछले वर्ष की उपलब्धियों और किए गए कार्यों का भी लेखा-जोखा प्रस्तुत करता है किंतु इस वर्ष के अभिभाषण में सरकार ने यह बताने की भी आवश्यकता नहीं समझी कि पिछले चार वर्षों में राज्यपाल के अभिभाषणों में जो लक्ष्य निर्धारित किए गए थे, उनमें से कितने पूरे हुए और कितने अधूरे रह गए।

वहीं, नेता प्रतिपक्ष आर्य ने बजट को पूरी तरह निराशाजनक, दिशाहीन और जमीनी सच्चाइयों से कटा हुआ बताते कहा कि, यह बजट केवल आंकड़ों की बाजीगरी और पुराने वादों की पुनरावृत्ति भर है। केंद्रीय सहायतित योजनाओं पर आश्रित इस खोखले बजट में नई सोच, ठोस योजनाओं और दूरदर्शिता का पूर्ण अभाव दिखाई देता है। यह बजट जनता के साथ एक और छलावा है। युवाओं, किसानों, व्यापारियों, मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग-सभी को इस बजट से निराशा ही हाथ लगी है। बजट में कुछ भी नया नहीं है। सरकार ने पुरानी बोतल में नया शरबत परोसने का प्रयास किया है।

यह बजट मात्र आंकड़ों का भ्रम

देहरादूनः कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बजट को दिशाहीन, प्रतिगामी, विकास विरोधी तथा मंहगाई एवं बेरोजगारी बढ़ाने वाला चुनावी बजट बताया है। गोदियाल ने बजट पर प्रतिक्रिया दी कि यह बजट केवल चुनावी वर्ष में घोषणाओं का पुलिंदा है, जिसमें प्रदेश की जनता की मूल समस्याओं के समाधान की कोई स्पष्ट झलक दिखाई नहीं देती।

प्रदेश में लगातार बढ़ती बेरोजगारी आज सबसे बड़ी चुनौती है लेकिन बजट में युवाओं को स्थायी रोजगार देने के लिए कोई ठोस और प्रभावी योजना नहीं दिखाई देती। उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में पलायन एक गंभीर समस्या बन चुका है, परंतु बजट में पलायन रोकने के लिए भी कोई प्रभावी रणनीति नजर नहीं आती।

विपक्ष का सदन के अंदर-बाहर हंगामा

- सत्र शुरू होने से पहले विधान भवन परिसर में किया प्रदर्शन
- सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग पर धरने पर बैठे विपक्षी विधायक

संवाददाता, भराड़ीसैंण

बजट सत्र के शुरू होने के दौरान भराड़ीसैंण विधानसभा परिसर के बाहर प्रदर्शन करते विपक्ष के विधायक। ● अमृत विचार

अमृत विचारः उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में सोमवार से बजट सत्र शुरू हुआ। विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विधान भवन परिसर में प्रदर्शन किया।

बजट सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग को लेकर कांग्रेस विधायक परिसर में धरने पर बैठ गए। इसके बाद सत्र शुरू होते ही विपक्षी नेता नारेबाजी करते हुए सदन के बीचोंबीच पहुंचे। शोरगुल के बीच ही राज्यपाल गुरमीत सिंह का संबोधन जैसे ही शुरू हुआ तो कांग्रेस विधायकों ने वहां हंगामा शुरू कर दिया। कांग्रेस विधायक सदन से बाहर चले गए। इससे पहले विपक्षी विधायकों ने सदन के बाहर सत्र की अवधि बढ़ाने तथा कई अन्य मांगों के समर्थन में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के नेतृत्व में धरना दिया। वे अपने हाथों में मांग संबंधित पट्टिकाएं थामे हुए थे।

विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि, मेरे गृह क्षेत्र हल्द्वानी के इतने विषय हैं, 25-30 ऐसे विषय हैं, जिन पर मैं प्रश्न पूछना चाहता हूं और उनके जवाब चाहता हूं लेकिन सरकार ने सत्रावधि इतनी न्यूनतम की है कि सारे प्रश्न तारांकित हों। ऐसे हालात में बिल्कुल नहीं लगता कि सरकार यहां जनता के सवालों का जवाब देने को खड़ी है। इतने सारे विषय हैं इतने सारे कार्य हैं, जिन पर प्रश्न उठाना है, नहीं लगता कि सरकार कहीं से कहीं जवाब देने की परिस्थिति में है।

दूसरी ओर, उत्तराखंड क्रांति दल के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न मांगों के समर्थन में विधान भवन घेराव का प्रयास किया। एक दर्जन से ज्यादा कार्यकर्ता विधान भवन तक पहुंच भी गए, जिन्हें पुलिस ने किसी तरह खदेड़ा। इस दरम्यान भराड़ीसैंण से पहले देवाल खाल में उक्रांद कार्यकर्ताओं ने पुलिस द्वारा लगाए बैरियर तोड़ दिए जिन्हें पुलिस ने पानी की बौछार डालकर रोका। बाद में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर वाहन से ले जाते समय अन्य कार्यकर्ताओं ने बलपूर्वक उन्हें वाहन से उतार लिया।

स्वास्थ्य विभाग को मिले 168 बॉन्डधारी चिकित्सक

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- संविदा पर तैनात अधिकांश चिकित्सकों को चारधाम यात्रा मार्ग पर मिली तैनाती

अमृत विचारः स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को 168 बॉन्डधारी एमबीबीएस चिकित्सक मिल गए हैं। राजकीय मेडिकल कालेज श्रीनगर से पास आउट इन बॉन्डधारी चिकित्सकों को राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों व चारधाम यात्रा मार्गों पर स्थित चिकित्सा इकाइयों में तैनाती दी गई है ताकि आम लोगों को और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सके।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सोमवार को बताया कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लगातार काम कर रही है। इसी क्रम में बॉन्ड व्यवस्था के तहत श्रीनगर मेडिकल कालेज से पासआउट 168 बॉन्डधारी एमबीबीएस चिकित्सकों को राज्य के विभिन्न जनपदों में तैनाती दे दी गई है, जिसकी सूची स्वास्थ्य महानिदेशालय स्तर से सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को सौंप दी गई है। बॉन्ड व्यवस्था में पौड़ी व टिहरी में 21-21 चिकित्सकों को तैनाती दी गई है। इसी प्रकार चमोली व उत्तरकाशी में 20-20, रुद्रप्रयाग में 15, पिथौरागढ़ में 23, अल्मोड़ा में 24 तथा चम्पावत व बागेश्वर में जिलों में 12-12 चिकित्सक नियुक्त किए गए हैं।

प्रदेश में 13 तक महिला जनसुनवाई

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने बताया कि राज्य सरकार और महिला आयोग महिलाओं के अधिकारों की रक्षा तथा उन्हें न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। आयोग द्वारा सोशल मीडिया पर महिलाओं से संबंधित घटनाओं और समस्याओं का स्वतः संज्ञान लेते हुए तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सोमवार को सचिवालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने बताया कि पूर्व में सामने आए अधिकांश मामलों में संबंधित पक्ष एक-दूसरे के परिचित रहे हैं। वर्तमान समय में अभिभावकों के लिए बच्चों की गतिविधियों की निगरानी करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की घटना या समस्या की जानकारी निशुल्क दूरभाष नंबर 112 पर दें। साथ ही गौरा शक्ति ऐप डाउनलोड करने तथा आयोग के दूरभाष नंबर पर संपर्क करने की भी सलाह दी। उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में उत्तराखंड राज्य महिला आयोग द्वारा पारिवारिक विवादों के समाधान और महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी 13 जनपदों में 13 मार्च तक महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। निर्धारित कार्यक्रमों के तहत सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय देहरादून में जनसुनवाई कार्यक्रम में 25 मामले दर्ज किए गए, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही समाधान किया गया तथा शेष मामलों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया। इस मौके पर महिला आयोग की सदस्य विमला नैथानी भी मौजूद रहीं।

प्रेस वार्ता करतीं महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल। ● अमृत विचार

कामरेड मान सिंह पाल को श्रद्धांजलि दी

लालकुआं, अमृत विचारः भाकपा (माले) कार्यकर्ताओं ने कार रोड स्थित पार्टी कार्यालय में पार्टी के अग्रणी नेता कामरेड मान सिंह पाल को उनके 11वें स्मृति दिवस पर श्रद्धांजलि दी।

जिला सचिव डॉ. कैलाश पांडेय ने कहा कि मान सिंह पाल बिंदुखत्ता क्षेत्र में पार्टी और जनआंदोलनों की मजबूत आधारशिला रखने वाले नेताओं में थे। उन्होंने राशन कार्ड, स्कूल-अस्पताल, सड़क निर्माण, दूध आंदोलन और सेंचुरी में रोजगार की मांग जैसे आंदोलनों में अहम भूमिका निभाई। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने 19 वर्ष की उम्र से ही गरीबों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और 9 मार्च 2015 को उनका निधन हो गया। कार्यक्रम में कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रवासी नागरिकों की वापसी की कवायद

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः केंद्र सरकार प्रवासी भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के प्रयास कर रही है, जो पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में फंसे हुये हैं और सरकार उनकी सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिए तत्पर है।

उत्तराखंड शासन के सचिव राजेन्द्र कुमार ने सोमवार को सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी कर स्पष्ट किया है कि वर्तमान में ईरान एवं इजराइल के मध्य संघर्ष के दृष्टिगत पश्चिम एशिया के देशों में उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों, विशेषकर ईरान एवं इजराइल के बीच चल रहे संघर्ष को देखते हुए प्रदेश सरकार ने राज्य के सभी प्रवासी नागरिकों का विवरण एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू की है, जो वर्तमान में पश्चिम एशिया के देशों जैसे संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जॉर्डन, बहरीन, ईरान, इजराइल, ओमान, लेबनान, इराक, कुवैत तथा कतर में फंसे हुए हैं और भारत वापस आना चाहते हैं।

सचिव कुमार ने राज्य के सभी जिलाधिकारियों तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों एवं पुलिस अधीक्षकों से अपेक्षा की है गई कि ऐसे प्रवासी नागरिकों की जानकारी जल्द उपलब्ध कराई जाए, ताकि भारत सरकार को समय पर सूचना प्रेषित कर उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके। इसके लिए जिला स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए कहा गया है।

सुनवाई | मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने की सुनवाई

हाईकोर्ट की यूएमसी के विवादास्पद आदेश पर रोक

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः हाईकोर्ट ने उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल की आचार, अनुशासन और पंजीकरण समिति द्वारा पारित एक विवादास्पद आदेश पर रोक लगा दी है।

मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट लिमिटेड और डॉ. आनंद मोहन ठाकुर द्वारा दायर विशेष अपीलों पर सुनवाई करते हुए यह अंतरिम राहत प्रदान की है। इस आदेश के बाद अब अस्पताल और संबंधित डॉक्टर को तात्कालिक दंडात्मक कार्यवाही से सुरक्षा मिल गई है। अपीलकर्ताओं की ओर से तर्क दिया कि मेडिकल काउंसिल की अनुशासन समिति के पास केवल सिफारिश करने की शक्ति है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि समिति स्वयं कोई अंतिम दंडात्मक आदेश पारित नहीं कर सकती। दलील दी गई कि समिति ने अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करते हुए यह फैसला सुनाया है, जो कानूनन गलत है। मामले में एक महत्वपूर्ण कानूनी बिंदु यह उठाया गया कि क्या उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल एक्ट, 2002 के तहत किसी अस्पताल के खिलाफ शिकायत दर्ज की जा सकती है।

स्पष्ट किया कि अधिनियम की धारा 2(7) के तहत 'मेडिकल प्रैक्टिशनर' की परिभाषा में केवल डॉक्टर आते हैं, निजी अस्पताल नहीं। इसलिए, अस्पताल के विरुद्ध काउंसिल की किसी भी प्रकार की जांच या आदेश वैधानिक रूप से अवैध है।

इससे पहले, हाईकोर्ट की एकल पीठ ने अपीलकर्ताओं को वैकल्पिक समाधान के पास जाने की सलाह देते हुए उनकी याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। अपीलकर्ताओं ने खंडपीठ के समक्ष तर्क दिया कि जब कोई आदेश पूरी तरह से 'बिना अधिकार क्षेत्र' के पारित किया गया हो, तो रिट याचिका को सीधे सुनने में कोई कानूनी बाधा नहीं होनी चाहिए। अपीलकर्ताओं ने यह भी तर्क दिया कि एकल पीठ ने 'महाराजा अग्रसेन अस्पताल बनाम मास्टर ऋषभ शर्मा' मामले में सुप्रीम कोर्ट के जिस फैसले का हवाला दिया था, वह उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम से संबंधित था। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपभोक्ता मामलों के सिद्धांत उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल एक्ट जैसे विशेष अनुशासनात्मक अधिनियम पर लागू नहीं किए जा सकते, जहाँ केवल व्यक्तिगत चिकित्सकों की जवाबदेही तय होती है।

खंडपीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे विचारणीय माना है और प्रतिवादियों को निर्देश जारी किए हैं। न्यायालय ने 4 फरवरी 2026 को अनुशासन समिति द्वारा दिए गए आदेश के क्रियान्वयन पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई अब 17 मार्च 2026 को होगी, जिसमें मेडिकल काउंसिल को अपना पक्ष स्पष्ट करना होगा।

दोहरे हत्याकांड में 10 आरोपी बरी

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह की खंडपीठ ने ऊधमसिंह नगर जिले के बहुचर्चित दोहरे हत्याकांड के मामले में सभी 10 आरोपियों को बरी कर दिया है। आरोपियों की अपील पर सुनवाई करते हुए निचली अदालत द्वारा दी गई उम्रकैद की सजा को रद्द कर दिया। कोर्ट ने पाया कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ अपराध को 'संदेह से परे' साबित करने में विफल रहा है।

यह मामला अगस्त 2014 का है, जब कुंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत हरनाम सिंह उर्फ हनी और कुलवंत सिंह उर्फ गोले की गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी और उनके शव जंगल में मिले थे। पुलिस ने इस मामले में हत्या और आपराधिक साजिश का मुकदमा दर्ज किया था। निचली अदालत ने मई 2025 में सभी आरोपियों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि पुलिस द्वारा बरामद की गई रस्सियां, जिन्हें हत्या में इस्तेमाल बताया गया था, कभी भी फॉरेंसिक जांच के लिए नहीं भेजी गई। ऐसे में यह साबित नहीं हो सका कि उन वस्तुओं का मृतक या अभियुक्तों से कोई जैविक संबंध था। सभी पक्षों की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने प्रकाश सिंह, चंडी सिंह, लाल सिंह, बलविंदर सिंह, जसवंत सिंह (जस्सा), लखवीर सिंह, जसवंत सिंह (नंदी), भगत सिंह, प्रकाश सिंह (पासी) और दारा सिंह को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। आदेश दिया कि यदि वे किसी अन्य मामले में वांछित नहीं हैं, तो उन्हें तत्काल जेल से रिहा किया जाए।

हल्द्वानी डबल मर्डर में दो आरोपियों को जमानत

नैनीताल : हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह की खंडपीठ ने 22 फरवरी 2017 को हल्द्वानी के डहरिया में हुए दोहरे हत्याकांड के आरोपियों अख्तर अली एवं महेंद्र नाथ गोस्वामी के जमानत प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई के बाद दोनों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जिला सत्र न्यायाधीश नैनीताल ने दोनों को 22 जून 2023 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस आदेश को दोनों के द्वारा अलग-अलग वाद दायर कर हाईकोर्ट में चुनौती दी गयी थी।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

साहित्य-कला-संवाद का तीन दिवसीय महोत्सव 13 मार्च से चरखेत में, देश-विदेश के लेखक, फिल्मकार व कलाकार लेंगे भाग, होंगे विविध कार्यक्रम

नैनीताल लिटरेचर फेस्ट में कहानियों की कश्तियों से सजेगी सरोवर नगरी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: सरोवर नगरी नैनीताल एक बार फिर साहित्य, कला और विचारों के उत्सव की मेजबानी करने जा रही है। 13 से 15 मार्च 2026 तक चरखेत स्थित कांस्या रिजॉर्ट बाय माउंटेन मैजिक में नैनीताल लिटरेचर फेस्टिवल का दूसरा संस्करण आयोजित किया जाएगा। सेलिंग विद स्टोरीज थीम के साथ आयोजित यह तीन दिवसीय महोत्सव साहित्य, सिनेमा, इतिहास, संगीत और संस्कृति के विविध रंगों से सजेगा। पिछले वर्ष आयोजित पहले संस्करण की सफलता और व्यापक सराहना के बाद इस बार फेस्टिवल को और अधिक भव्य और व्यापक स्वरूप दिया जा रहा है। यह उत्सव लेखनी फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसके संस्थापक और निदेशक अमिताभ सिंह बघेल हैं। बघेल इससे पहले जिंदल लिटरेचर फेस्टिवल के निदेशक और कोशाला लिटरेचर फेस्टिवल के संस्थापक व पूर्व निदेशक भी रह चुके हैं। फेस्टिवल के मार्गदर्शक प्रसिद्ध लेखक, चिंतक और फूड क्रिटिक प्रो. पुष्पेश पंत हैं। उनके मार्गदर्शन में यह आयोजन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के लेखकों, कलाकारों और विचारकों को एक मंच पर लाने का प्रयास करेगा। आयोजन में फेस्टिवल सलाहकार अर्पणा काण्डा और अंशु खन्ना, समन्वयक स्वाति दिग्विजय बोरा तथा लेखनी फाउंडेशन की ट्रस्टी पयस्विनी सिंह सहित युवा स्वयंसेवकों की टीम सक्रिय भूमिका निभा रही है।

साहित्य सम्मेलन को लेकर पत्रकार वार्ता करते आयोजन समिति के सदस्य।

साहित्य, सिनेमा और विचारों का संगम

फेस्टिवल पूरी तरह नि:शुल्क और समावेशी रखा गया है, ताकि समाज के सभी वर्गों के लोग इसमें भाग ले सकें। इस महोत्सव में साहित्य के साथ-साथ सिनेमा, संगीत, फोटोग्राफी, इतिहास, यात्रा लेखन, जेंडर विमर्श और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों पर चर्चाएं होंगी। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया से जॉन जुबरिस्की, प्रो. पुष्पेश पंत और शाहिद सिद्दीकी इतिहास और संस्कृति से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे। वहीं फिल्म जगत से इम्तियाज अली, नागेश कुकुनूर और विभुपुरी सिनेमा की बारीकियों पर चर्चा करेंगे। प्रसिद्ध पौराणिक कथाविद देवदत्त पट्टनायक और अल्का पांडे, अर्थशास्त्री और लेखक गुरचरण दास, साहित्यकार जैरी पिंटो, अमिताभ बागची और अशोक पांडे जैसे वक्ता भी विभिन्न सत्रों में भाग लेंगे। इसके अलावा सुहेल सेठ और सुभाषिनी अली समसामयिक सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपने विचार रखेंगे। ताइवान से आने वाली लेखिका ऋचा एस. मुखर्जी, कंटेंट क्रिएटर सबा भी प्रतिभागिता करेंगी। स्थानीय संस्कृति और लोककथाओं को भी मंच मिलेगा। फेस्टिवल में कुमाऊं की प्रसिद्ध लोककथा राजुला-मालूशाही पर भी चर्चा होगी, जिससे स्थानीय संस्कृति और परंपरा को राष्ट्रीय मंच मिलेगा। प्रसिद्ध कलाकार बी. बालसाई बांसुरी वादन प्रस्तुत करेंगे, जबकि वी. सृजना और कीर्ति श्री कलरिपयट्टू और भरतनाट्यम पर आधारित प्रस्तुति 'त्रिशक्ति' पेश करेंगी। इसके अलावा नैनीताल का रॉक बैंड लाइफ ऑन लोन भी अपनी प्रस्तुति देगा।

कार्यशालाएं और स्कूलों के लिए विशेष पहल

फेस्टिवल के दौरान कलरी योग, यात्रा वृत्तांत लेखन और भाषा से जुड़ी कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी। आयोजकों ने नैनीताल और आसपास के स्कूलों के छात्रों को भी फेस्टिवल में आमंत्रित किया है। कई लेखक कार्यक्रम के बाद स्कूलों में जाकर बच्चों से संवाद भी करेंगे, जिससे नई पीढ़ी को साहित्य और विचारों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

तीन पुस्तकों का होगा विमोचन

महोत्सव के दौरान तीन महत्वपूर्ण पुस्तकों का पहला विमोचन भी किया जाएगा। इनमें प्रो. पुष्पेश पंत की नैनीताला नैनीताला, प्रत्यक्षा की अंग्रेजी कहानी संग्रह द मिस्ट्रेस ऑफ फूलपुर और इंदु पांडे की दैट दाउ आर्ट शामिल हैं।

नैनीताल में रात 11 बजे दुकानें बंद कराने का व्यापारियों ने किया विरोध

व्यापारियों ने कोतवाली का किया घेराव, ज्ञापन सौंप आदेश वापस लेने की मांग की

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: पर्यटन नगरी नैनीताल में रात 11 बजे के बाद पुलिस प्रशासन द्वारा बाजार और खान-पान की दुकानों को बंद कराए जाने को लेकर व्यापारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सोमवार को मल्लीताल व्यापार मंडल के नेतृत्व में नगर के सैकड़ों व्यापारी कोतवाली पहुंचे और पुलिस प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए देर रात तक दुकानों को संचालित करने की अनुमति देने की मांग की।

व्यापारियों का कहना है कि नैनीताल पूरी तरह पर्यटन आधारित शहर है और यहां का अधिकांश कारोबार पर्यटकों पर निर्भर करता है। इन दिनों शहर में पर्यटकों की अच्छी खासी आमद है, लेकिन पुलिस द्वारा रात 11 बजे के बाद दुकानों को जबरन बंद कराया जा रहा है, जिससे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। मल्लीताल व्यापार मंडल अध्यक्ष किशन नेगी ने कहा कि दूर-दराज से आने वाले पर्यटक दिनभर घूमने के बाद देर रात बाजार में खरीदारी और खान-पान के लिए निकलते हैं। ऐसे में यदि बाजार 11 बजे ही बंद करा दिया जाता है तो पर्यटकों को भोजन, पानी और अन्य आवश्यक वस्तुओं के लिए भटकना पड़ता है। इससे शहर की छवि पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और पर्यटकों के बीच यह संदेश जा रहा है कि नैनीताल में रात के समय सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।

नैनीताल में रात 11 बजे बाद बाजार बंद करने के फरमान के विरोध में कोतवाली में प्रदर्शन करते व्यापारी। ● अमृत विचार

व्यापारियों ने कहा कि पहले ही कोविड काल और अन्य आर्थिक चुनौतियों के कारण व्यापार काफी प्रभावित रहा है। अब जब पर्यटन सीजन शुरू हुआ है तो इस तरह की समय सीमा लगाने से व्यापारियों की उम्मीदों पर पानी फिर रहा है। उन्होंने कहा कि पीक सीजन में देर रात तक कारोबार होने से ही व्यापारियों को सालभर का सहारा मिलता है। व्यापारियों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि यदि दुकानों को देर रात तक खोलने की अनुमति दी जाती है तो वे शांति व्यवस्था बनाए रखने में पूरा सहयोग करेंगे। साथ ही बाजार क्षेत्र में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाएगा और किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होने दी जाएगी। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो शहर के सभी व्यापारी एकजुट होकर आंदोलन के लिए बाध्य होंगे और आवश्यकता पड़ने पर नैनीताल का संपूर्ण बाजार बंद कर विरोध दर्ज कराया जाएगा।

महिला सशक्तिकरण व अधिकारों पर चर्चा

रामनगर: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर चित्रकूट चोरपानी स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल में जन एकता मंच और युवा सांस्कृतिक कला मंच के बैनर तले विचार गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में महिला दिवस के इतिहास, महिलाओं के संघर्ष, सशक्तिकरण और कानूनी अधिकारों पर चर्चा की गई। मुख्य वक्ता शीला शर्मा ने महिला दिवस के इतिहास पर प्रकाश डाला। रामनगर ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी और ग्रोइंग बड्स स्कूल की प्रधानाचार्या अनीता रावत ने महिलाओं से शिक्षा, अनुभव और विवेक को हथियार बनाकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया।

वक्ता तनुजा टम्टा ने महिलाओं के आर्थिक रूप से सशक्त और संगठित होने पर जोर दिया। वार्ड सदस्य अधिवक्ता विक्रम भट्ट ने महिलाओं के कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। गोष्ठी को उपपा के आसिफ, गिरीश आर्या, आनंद सिंह नेगी, जमन राम, विद्यावती शाह, कैसर राणा, लालमणी, दिनेश पांडेय, नंद राम तथा चिंता राम ने आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम में किरन आर्या, मोहित सैनी, मेघा, सिया, राधिका, माही, शिवानी, प्रियांशी, मॉडर्न पब्लिक स्कूल के संस्थापक पंकज सती, अधिवक्ता गिरीश डोबरियाल, शिब्बू पांडेय रहे।

जंगलिया गांव-बूढ़ा धूरा मोटर मार्ग की बदहाल स्थिति। ● अमृत विचार

जंगलिया गांव-बूढ़ा धूरा मोटर मार्ग के हाल खराब

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: ग्राम पंचायत जंगलिया गांव से बूढ़ा धूरा तक जाने वाले मोटर मार्ग की हालत अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। जगह-जगह सड़क से पत्थर निकल गए हैं, जिससे मार्ग पर आवागमन करने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग पर कई बार दोपहिया वाहन चालक फिसलकर गिर चुके हैं और घायल भी हुए हैं।

लोक निर्माण विभाग द्वारा इस मार्ग को पक्का करने के लिए एक करोड़ 24 लाख रुपये का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है, लेकिन अब तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। बताया गया कि इसी मार्ग पर दो वर्ष पूर्व पौराणिक देवी मंदिर और गुरु गोरखनाथ मंदिर के नीचे बनी दीवार भी गिर गई थी, जिससे आस्था के इन प्रतीक मंदिरों को खतरा पैदा हो गया है। इस संबंध में कई बार लोक निर्माण विभाग के अस्थायी खंड के अधिशासी अभियंता को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ग्राम प्रधान राधा कुल्याल ने बताया कि उन्होंने हाल ही में आयोजित जन-जन की सरकार, जनता के द्वार कार्यक्रम और एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी के रात्रि विश्राम कार्यक्रम के दौरान भी यह मामला उठाया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। समस्या का समाधान नहीं किया गया तो 11 मार्च को होने वाली क्षेत्र पंचायत की बैठक में विरोध किया जाएगा।

महिला अधिकारों की जानकारी दी

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: एचजी डिग्री कॉलेज, भीमताल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम गिव टू गेन के अंतर्गत 7 से 9 मार्च तक तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, स्वास्थ्य तथा सशक्तिकरण के प्रति जागरुकता बढ़ाना रहा।

संस्थान की प्राचार्या डॉ. मुक्ता ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों और उनके योगदान को सम्मानित करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का इस दिन विशेष रूप से सम्मान किया जाता है। आज महिलाएं अंतरिक्ष, खेल, व्यापार, शिक्षा और परिवार जैसे हर क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर रही हैं। सीएचसी भीमताल की मेडिकल ऑफिसर डॉ. शबाना बेगम ने छात्राओं को स्वास्थ्य अधिकारों के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी। छात्राओं ने स्वास्थ्य से संबंधित अपनी समस्याएं साझा कीं, जिनका समाधान विशेषज्ञ द्वारा किया गया। कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने महिला सशक्तिकरण और जागरुकता के उद्देश्य से एक रैली भी निकाली। संस्थान की डॉ. बीना नेगी चौधरी, राजेंद्र सिंह खाती, गणेश चंद्र, डॉ. विनीता, डॉ. मंजू नेगी, डॉ. भारती, शालिनी भारती, शीतल सिंह मौर्या, दिगंबर खनेड़ा, नेत्र प्रसाद, नितिन भगवाल, रामकृष्ण आर्य, पूजा आर्या, मुकेश कुमार, भुवन व दीपा रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एचजी डिग्री कॉलेज में निकाली गई रैली।

चंदोला बार चुनाव के लिए सीईओ नियुक्त

नैनीताल: जिला बार एसोसिएशन के आगामी चुनाव को लेकर बार सभागार में आयोजित बैठक में वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश चंदोला को नई कार्यकारिणी के चुनाव के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति के साथ ही बार एसोसिएशन चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल 31 मार्च को समाप्त हो रहा है जिसके चलते चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भगवत प्रसाद व सचिव दीपक रूवाली ने विश्वास जताया कि राजेश चंदोला के नेतृत्व में निष्पक्ष चुनाव होंगे।

बंद बोरिंगों को खोलने की मांग

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: ग्राम सभा पांडे गांव के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की एक बैठक आगामी गर्मी के सीजन में पानी की समस्या के समाधान को लेकर आयोजित की गई। इस दौरान ग्रामीणों ने बंद पड़े बोरिंगों को खुलवाने की मांग उठाई। बताया कि गर्मियों में क्षेत्र पानी की समस्या से जूझता है, ऐसे में बंद पड़ी बोरिंगों का चालू होना नितांत आवश्यक है।

ग्रामीणों ने प्रस्ताव पारित कर क्षेत्र में संचालित बोरिंगों के स्वामियों द्वारा नियमों के मुताबिक सार्वजनिक कनेक्शन न देने पर रोष व्यक्त किया। सामाजिक कार्यकर्ता नितेश बिष्ट ने बताया कि क्षेत्र में बिलासपुर समेत आसपास के इलाकों में कई लोगों ने बोरिंग की अनुमति लेकर बोरिंग कराई है। बोरिंग की अनुमति लेते समय सार्वजनिक उपयोग के लिए एक कनेक्शन देने की सहमति दी गई थी, लेकिन अब तक किसी भी बोरिंग स्वामी ने कनेक्शन नहीं दिया है। इससे क्षेत्र में पानी की किल्लत भी बनी रहती है। ग्रामीणों ने नियमों का पालन नहीं करने वाले बोरिंग स्वामियों की बोरिंग को बंद करने की मांग की। बैठक में पटवारी प्रशांत मेहरा, जल निगम के अभियंता दीपांशु शर्मा, अभियंता अशोक कुमार, प्रधान नवीन कुमार, पूर्व प्रधान जीवन पलड़िया, सरपंच लक्ष्मण बिष्ट व कृष्ण चंद्र रहे।

पांडे गांव में पानी की समस्या को लेकर आयोजित बैठक में मौजूद ग्रामीण।

शैक्षिक भ्रमण | बुरांश महोत्सव के तहत विद्यार्थियों को कराई नेचर वॉक

विद्यार्थियों ने जाना हिमालयी जैव विविधता का महत्व

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: राज्य वृक्ष बुरांश के संरक्षण और हिमालयी जैव विविधता के प्रति जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से सोमवार को उत्तराखंड वन विभाग के वन अनुसंधान रेंज गाजा ज्योलीकोट की ओर से बुरांश महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत कुमाऊं विश्वविद्यालय के वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के छात्र-छात्राओं के लिए 5 किलोमीटर लंबी नेचर वॉक आयोजित की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत में कुमाऊं विश्वविद्यालय के वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आशीष तिवारी ने वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन छात्रों को हिमालयी जैव विविधता को करीब से समझने और राज्य वृक्ष बुरांश के संरक्षण के महत्व को जानने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में वानिकी विभाग के करीब 50 छात्र-छात्राओं प्राध्यापकों ने भाग लिया। नेचर वॉक डीएसबी परिसर से शुरू होकर टिफिन टॉप डोरथी सीट तक आयोजित की गई। इस दौरान वानिकी विभाग की ओर से डॉ. नंदन मेहरा और डॉ. मैत्री नारायण ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। वन क्षेत्राधिकारी प्रदीप जोशी, वन दरोगा गीता गोस्वामी, पूरन आर्य, वन आरक्षी अर्जुन कुमार, कमला जोशी और वन श्रमिक नीरज जोशी ने नेचर ट्रेल के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नेचर ट्रेल के दौरान वन विभाग के अनुसंधान सहायक योगेश त्रिपाठी ने छात्र-छात्राओं को पादप पहचान का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया और विभिन्न वनस्पतियों के पारिस्थितिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को राज्य वृक्ष बुरांश के संवर्धन और संरक्षण की वैज्ञानिक विधियों से भी अवगत कराया। ट्रैकिंग के दौरान छात्रों को बर्ड वॉचिंग भी कराई गई तथा पक्षियों और वनस्पतियों के सह-संबंध के बारे में विस्तार से बताया गया।

बुरांश महोत्सव के तहत नेचर वॉक के दौरान मौजूद विद्यार्थी व आयोजक।

अवैध खनन में लिप्त ट्रैक्टर-ट्रॉली सीज की

लालकुआं: गौला नदी से निकलने वाले वाहनों में ओवरलोडिंग और अवैध खनन की शिकायत पर एसडीओ गौला ने देवरामपुर गेट में छापेमारी कर अवैध खनन में लिप्त एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को सीज कर दिया। वाहन चालक के पास वैध प्रपत्र न होने पर भारतीय वन अधिनियम की धाराओं के तहत कार्यवाही की गई।

उपप्रभागीय वनाधिकारी अनिल कुमार जोशी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को समय-समय पर औचक निरीक्षण और सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र में अवैध खनन पर पूर्ण अंकुश लगाया जा सके। निरीक्षण में वन क्षेत्राधिकारी एसओजी नवीन सिंह रैकवाल, वन दरोगा दिनेश चंद्र पंत, प्रकाश चंद्र तिवारी, चंदन बेदी सहित अन्य वनकर्मी मौजूद रहे।

छापेमारी में 3 मेडिकल स्टोरों में मिली गड़बड़ी

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: औषधि विभाग की टीम ने मेडिकल स्टोरों पर अचानक छापेमारी कर कार्रवाई की। टीम के पहुंचते ही कई मेडिकल स्टोर संचालक दुकानें बंद कर मौके से खिसक गए। विभाग की टीम ने नगर क्षेत्र तथा रामनगर के ग्राम गौजानी में कई मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान तीन मेडिकल स्टोरों में अनियमितताएं पाई गईं, जिसके बाद विभाग ने उनके खिलाफ कार्रवाई की।

रामनगर की औषधि निरीक्षक डॉ. अर्चना उप्रेती ने बताया कि सोमवार को नगर क्षेत्र और ग्राम गौजानी में संयुक्त रूप से छापेमार कार्रवाई की गई। इस दौरान तीन मेडिकल स्टोरों की जांच की गई, जिनमें से एक मेडिकल स्टोर में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर उसे तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया। उन्होंने बताया कि दो अन्य मेडिकल स्टोरों में भी कई तरह की अनियमितताएं सामने आई हैं। उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया हैं। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान कुछ दवाओं के सैंपल भी लिए गए हैं, जिन्हें गुणवत्ता जांच के लिए रुद्रपुर स्थित प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल स्टोर की जांच करतीं डॉ. अर्चना उप्रेती।

सिटी ब्रीफ

किसान को कुचलने वाले पर मुकदमा

हल्द्वानी: होली के दिन गौलापार में किसान को कुचलने वाले वाहन चालक पर चोरगलिया पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी तहरीर में देवला तल्ला लक्ष्मपुर रोड कुंवरपुर निवासी पुष्पा देवी ने बताया कि बीती 4 मार्च की शाम उनके पति सोबन सिंह रावत को नयारा पेट्रोल पम्प के पास वाहन संख्या यूपी 32 क्यूएन 9037 के चालक ने टक्कर मार दी। जिससे उनकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष हरपाल सिंह ने बताया कि तहरीर के आदार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

ग्राम प्रधान बने जलागम समिति के अध्यक्ष

हल्द्वानी: जलागम प्रोजेक्ट के अंतर्गत जनपद के हरोड़ा ग्राम सभा के प्राइमरी स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। ग्राम प्रधान राजन प्रसाद व जलागम कर्मियों ने ग्रामीणों को प्रोजेक्ट के बारे में बताया। इसके बाद सर्व सम्मति से जलागम समिति, राजस्व ग्राम समिति, संवर्ग सर्व समिति से ग्राम प्रधान को अध्यक्ष बनाया गया। इसमें महिला प्रेरक और लेखा सहायक का चयन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन हेमचंद पाठक ने किया जिसमें यूनिट अधिकारी नीरज कुमार, हेमचंद पाठक, कमल बेलवाल, मुकेश कुमार आदि रहे।

महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने पर दिया जोर

हल्द्वानी: राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और चेष्टा संस्था ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, कॉलेज छात्राओं और बैंकिंग क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में पंतनगर विवि की प्रोफेसर और विभिन्न विभागों की महिला अधिकारियों ने वित्तीय साक्षरता, शिक्षा और उद्यमिता पर विचार रखे। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को नाबार्ड की ओर से स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भी अपने अनुभव साझा किए।

रामड़ी जसुवा को जाने वाली सड़क बदहाल

हल्द्वानी: कठघरिया से रामड़ी जसुवा गांव को जाने वाली सड़क एक साल से भी अधिक समय से बदहाल पड़ी है। सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों के कारण हादसों का खतरा बना हुआ है। विभिन्न योजनाओं के तहत खोदी गई सड़क की मरम्मत न होने से सड़क पर कई दोपहिया वाहन चालक घायल हो चुके हैं।

अवैध होर्डिंग्स, पोस्टर बैनर हटाए जाएं: डीएम

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जनपद नैनीताल के जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने जिले की सड़कों पर अवैध ढंग से लगाए गए पोस्टर, होर्डिंग, बैनर व यूनिपोल हटाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर लोक संपत्ति विरुपण एक्ट व उत्तराखंड नगर नियमावली-2015 के नियमानुसार अवैध होर्डिंग्स हटाने को कहा है।

डीएम रयाल ने कहा कि जनपद के पर्यटन स्थलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विभिन्न कंपनियों, राजनैतिक व्यक्तियों, दलों, शिक्षण संस्थानों एवं विभिन्न संस्थानों के प्रचार प्रसार करते बड़े-बड़े पोस्टर, होर्डिंग्स, यूनिपोल अवैध ढंग से लगे हुए हैं, जो जिले की प्राकृतिक सौंदर्य पर बदनुमा दाग हैं। इसके अलावा अनियमित और अवैध होर्डिंग्स से दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। उन्होंने नगर आयुक्त, लोनिवि, एनएच, जिला पंचायत, सिंचाई, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सभी नगर पालिकाएं अवैध होर्डिंग्स, स्टैंडी, पर कड़ी कार्रवाई करें। बिना अनुमति लगाए गए होर्डिंग्स, पोस्टर वगैरह को हटाया जाए। डीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण और बिना अनुमति विज्ञापन सामग्री लगने पर त्वरित कार्रवाई करें।

जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण सचिव ने दिए निर्देश, नैनीताल और भीमताल के 6 जेई करेंगे सर्वे

पर्वतीय क्षेत्रों में निर्माणाधीन एक-एक भवन की होगी जांच

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

रिजॉर्ट्स की प्रतीकात्मक फोटो।

अमृत विचार : आखिरकार जनपद नैनीताल के पर्वतीय क्षेत्र खासकर मुक्तेश्वर, नैनीताल व भीमताल में हो रहे अंधाधुंध निर्माण की जांच होगी। जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष/आयुक्त के निर्देशों के बाद सचिव ने पर्वतीय क्षेत्रों के अवर अभियंताओं को सर्वे के लिए कहा है।

इस सर्वे में निर्माणाधीन भवनों की अनुमति, स्वीकृत मानचित्र के अनुसार निर्माण की जांच की जाएगी। यदि कोई स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण करता मिला तो नियमानुसार उक्त भवन का चालान या सील किया जाएगा।

जनपद के पर्वतीय क्षेत्रों में अंधाधुंध निर्माण की शिकायतें आम हो गई हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में मानकों के विपरीत बहुमंजिला भवन के निर्माण, डीडीए के मानकों को ताक पर रखकर निर्माण की शिकायतें मिल रही हैं। इसके बाद डीडीए सचिव ने पर्वतीय क्षेत्रों में निर्माणाधीन भवनों के सर्वे का निर्णय लिया है। सर्वे की शुरुआत नैनीताल व भीमताल क्षेत्र से होगी। इन क्षेत्रों में छह अवर अभियंता तैनात हैं। सभी अवर अभियंताओं से संबंधित क्षेत्रों में निर्माणाधीन भवनों की जांच के लिए कहा गया है। इसमें निर्माण से पूर्व अनुमति, स्वीकृत मानचित्र के अनुसार निर्माण, डीडीए के मानकों का पालन आदि बिंदु शामिल हैं। यदि इनमें किसी भी बिंदु में उल्लंघन मिलता है तो नियमानुसार नोटिस, चालान और सील की कार्यवाही की जाएगी।

मंडलायुक्त ने किया था मुक्तेश्वर क्षेत्र का निरीक्षण

बीते 6 मार्च को आयुक्त दीपक रावत ने मुक्तेश्वर का निरीक्षण किया था। तब बहुमंजिला इमारतों के निर्माण को लेकर हैरानी जताई थी। उन्होंने निर्माणाधीन भवनों की अनुमति व निर्माण मानकों की जांच के लिए कहा था। उन्होंने बाहरी राज्यों के लोग, जो बाहर से रह कर होम स्टे संचालित कर रहे हैं। ऐसे लोगों को चिन्हित कर होम स्टे लाइसेंस निरस्तीकरण व भूकानून की शर्तों का सख्ती से पालन कराने को कहा था। उन्होंने प्राधिकरण व जिला प्रशासन से इस बाबत रिपोर्ट भी मांगी है।

> नैनीताल व भीमताल क्षेत्र के छह अवर अभियंताओं व सहायक अभियंताओं को सर्वे के निर्देश दिए गए हैं। वे निर्माणाधीन भवनों में अनुमति, मानकों के अनुसार निर्माण आदि की जांच करेंगे। उन्हें जल्द से जल्द सर्वे कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं।
>
> **-विजय नाथ शुक्ला,** सचिव, जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण नैनीताल

एसटीएच में नहीं टिक रहे डॉक्टर, छोड़ रहे नौकरी

डॉक्टरों के इस्तीफा देने से अस्पताल प्रशासन के सामने चुनौती, स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहा है बुरा असर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय (एसटीएच) में पिछले कुछ महीनों के दौरान कई डॉक्टरों के नौकरी छोड़ने से स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ रहा है। अलग-अलग विभागों में कार्यरत विशेषज्ञ डॉक्टरों के एक-एक कर इस्तीफा देने से अस्पताल प्रबंधन के सामने व्यवस्था बनाए रखना चुनौती बनता जा रहा है।

सर्जरी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर और कार्डियक सर्जन डॉ. सुनीता, सर्जरी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्वेताभ प्रधान, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पूनम बिष्ट और डॉ. प्रीती शर्मा नौकरी छोड़ चुके हैं। इसी तरह हड्डी रोग विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ईश्वर धर्मसक्तू और असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कृष्ण देव यादव भी संस्थान से इस्तीफा दे चुके हैं। इसके अलावा ईएनटी सर्जन डॉ. शहजाद ने भी अपनी सेवा समाप्त कर दी है। वहीं स्वास्थ्य विभाग के न्यूरोसर्जन डॉ. अमित देवल, जो एसटीएच में भी मरीजों का उपचार करते थे, उन्होंने भी नौकरी छोड़ दी है। लगातार डॉक्टरों के इस्तीफों से अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी महसूस की जा रही है, जिससे मरीजों के इलाज और ऑपरेशन जैसी सेवाओं पर प्रभाव पड़ रहा है। यही नहीं मेडिकल की पढ़ाई भी प्रभावित पड़ रही हो। मेडिकल सीटों की संख्या को बनाए रखने के लिए एक निश्चित संख्या में डॉक्टरों का होना जरूरी है।

हालांकि एमएस डॉ. अरुण जोशी का कहना है कि रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया के लिए शासन स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलती रहें।

बेस में दवा का बन रहा नया काउंटर, राहत

हल्द्वानी: सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में बढ़ती मरीज संख्या को देखते हुए दवा काउंटर को नया और बड़ा बनाया जा रहा है। पुराने दवा काउंटर में मरीजों के खड़े होने की पर्याप्त जगह नहीं थी। बारिश या तेज धूप के दौरान मरीजों और तीमारदारों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती थी। नई व्यवस्था में इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए बेहतर इंतजाम किए जा रहे हैं। नए दवा काउंटर में कुल छह काउंटर बनाए जा रहे हैं। इनमें एक-एक काउंटर दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों के लिए, जबकि दो-दो काउंटर महिला और पुरुष मरीजों के लिए अलग-अलग होंगे। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि नई व्यवस्था शुरू होने के बाद मरीजों को दवा लेने में पहले की तुलना में काफी सुविधा मिलेगी और भीड़ भी कम होगी। अस्पताल में मौजूद वरिष्ठ नागरिकों के लिए दवा काउंटर को भी यहां स्थापित कर दिया जाएगा। अस्पताल के पीएमएस डॉ. केएस दताल ने बताया कि काम को शीघ्र पूरा कराया जाएगा।

पीएचसी में 10 साल से स्थाई डॉक्टर नहीं, होगा आंदोलन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: ज्योलीकोट क्षेत्र के गांजा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पिछले करीब 10 साल से एक भी स्थायी डॉक्टर की तैनाती नहीं होने से क्षेत्र के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में ग्रामीणों को इलाज के लिए हल्द्वानी या नैनीताल का रुख करना पड़ता है, जिससे समय और पैसा दोनों खर्च होता है।

क्षेत्रीय प्रतिनिधियों का कहना है कि लंबे समय से यहां स्थायी डॉक्टर की मांग उठाई जा रही है। कुछ समय पहले एक डॉक्टर की नियुक्ति भी की गई थी, लेकिन उनका भी जल्द ही तबादला कर दिया गया। वर्तमान में यहां एक डॉक्टर अटैचमेंट पर कार्यरत हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह प्रभावित हो रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार मांग करने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही यहां स्थायी डॉक्टर और पूरा स्टाफ तैनात नहीं किया गया तो क्षेत्रवासी आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस स्वास्थ्य केंद्र में भल्यूटी, ज्योली, सरियाताल, गेठिया, बेलुवाखान, देवीधुरा, गांजा, वीरभट्टी और कृष्णापुर समेत आसपास के करीब 12 गांवों की कुल आबादी लगभग 13 हजार है, जो इस स्वास्थ्य केंद्र पर निर्भर है। लेकिन डॉक्टर और सुविधाओं के अभाव में लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने यहां स्थायी डॉक्टरों की तैनाती के साथ-साथ पूर्ण स्टाफ और एक एंबुलेंस की व्यवस्था करने की भी मांग की है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरीश पंत का कहना है कि जिले में 30 से अधिक डॉक्टरों की तैनाती की प्रक्रिया चल रही है। इनमें से एक स्थायी डॉक्टर की नियुक्ति गांजा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी की जाएगी।

मौसम बदलते ही शहर में बढ़ा वायरल संक्रमण

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: मौसम में तेजी से हो रहे बदलाव का असर लोगों की सेहत पर पड़ने लगा है। शहर में इन दिनों वायरल संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। बड़ी संख्या में लोग सर्दी, खांसी, जुकाम और एलर्जी की शिकायत लेकर अस्पतालों की ओपीडी पहुंच रहे हैं। कई मरीजों को कई-कई दिनों तक एलर्जी और गले में संक्रमण की समस्या बनी हुई है।

डॉक्टरों के अनुसार सुबह-शाम हल्की ठंडक और दिन में बढ़ती गर्मी के कारण शरीर का तापमान संतुलन बिगड़ रहा है, जिससे वायरल संक्रमण तेजी से फैल रहा है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों में इसका असर अधिक देखा जा रहा है।

डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि इन दिनों मेडिसिन विभाग की ओपीडी में वायरल संक्रमण के मरीज ठीक-ठाक संख्या में आ रहे हैं। अधिकतर मरीज सर्दी-खांसी, जुकाम, गले में खराश और बुखार जैसी शिकायतें लेकर पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि मौसम बदलने के समय ऐसी बीमारियां आम तौर पर बढ़ जाती हैं, इसलिए लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है।

वहीं एसटीएच के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋतु रखोलिया ने बताया कि बच्चों में भी वायरल संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। कई बच्चों को बुखार, खांसी और गले में संक्रमण की समस्या हो रही है। उन्होंने अभिभावकों को सलाह दी कि बच्चों को बदलते मौसम में हल्के कपड़े अचानक न पहनाएं और ठंडी चीजों से परहेज कराएं। इधर बेस अस्पताल के पीएमएस डॉ. केएस दताल ने बताया कि इन दिनों अचानक गर्मी बढ़ने से लोग पंखे और एसी चलाने लगे हैं। ठंडी हवा के संपर्क में आने से भी सर्दी-जुकाम और एलर्जी की समस्या बढ़ रही है। डॉक्टरों का कहना है कि इस समय लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। पर्याप्त पानी पीना, हल्का और पौष्टिक भोजन लेना जरूरी है। यदि सर्दी-खांसी या बुखार तीन-चार दिन से अधिक बना रहे तो डॉक्टर को अवश्य दिखाना चाहिए।

खाड़ी देशों में फंसे जिले के लोगों का ब्योरा जुटा रहा जिला प्रशासन

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- ईरान और इजरायल के बीच युद्ध को देखते हुए प्रशासन अलर्ट
- खाड़ी देशों में फंसे लोगों के परिजन प्रशासन से करें संपर्क

अमृत विचार : ईरान और इजरायल के युद्ध के बीच नैनीताल जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने बताया कि भारत सरकार की ओर से पश्चिम एशिया के देशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राज्य सरकार ने भी राज्य के उन प्रवासी नागरिकों का विवरण एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू की है, जो वर्तमान में पश्चिम एशिया के देशों में रह रहे हैं।

डीएम रयाल ने कहा कि सचिव राजेन्द्र कुमार ने राज्य के सभी जिलों से ऐसे प्रवासी नागरिकों की जानकारी जुटाने के निर्देश दिए गए हैं, जो पश्चिम एशिया के देशों में निवास कर रहे हैं। इनमें संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जॉर्डन, बहरीन, ईरान, इजरायल, ओमान, लेबनान, इराक, कुवैत और कतर जैसे देश शामिल हैं।

उन्होंने जनपदवासियों से अपील की है कि जिन परिवारों के सदस्य इन देशों में कार्यरत या निवास कर रहे हैं, मौजूदा हालात में भारत लौटना चाहते हैं, वे इसकी सूचना जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएं। प्रशासन द्वारा एकत्र की गई जानकारी शासन को भेजी जाएगी, ताकि आवश्यकता पड़ने पर प्रवासी नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए उचित कदम उठाए जा सकें।

इसके लिए जिला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। संबंधित परिजन टोल फ्री नंबर 1077, दूरभाष नंबर 05942-231179, 231178, 05942-231181 तथा मोबाइल नंबर 8272080884 पर संपर्क कर अपने परिजनों का विवरण उपलब्ध करा सकते हैं। डीएम ने कहा कि प्रवासी नागरिकों की सुरक्षा और सहायता को लेकर सरकार पूरी तरह गंभीर है, स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रशासन की ओर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर आवश्यक समन्वय करते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फोन कर बोला- 'मैं जहर पी रहा हूं' अस्पताल में मौत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर के एक नामी होटल में काम करने वाले कर्मचारी ने संदिग्ध परिस्थितियों में कीटनाशक गटक लिया। जहर पीने से पहले उसने अपने साथ काम करने वाले साथियों को फोन कर इसकी जानकारी भी दी। जब तक साथी उसके कमरे तक पहुंचे, तब तक वह अचेत हालत में जमीन पर गिर चुका था। अस्पताल ले जाने के बाद भी उसकी जान नहीं बच सकी।

पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान 55 वर्षीय अर्जुन टम्टा निवासी गंगोलीहाट, जिला पिथौरागढ़ के रूप में हुई है। वह हल्द्वानी कोतवाली क्षेत्र के एक प्रतिष्ठित होटल में कर्मचारी के रूप में काम करता था और यहीं पर रह रहा था। बताया जा रहा है कि रविवार रात अर्जुन ने अपने कुछ करीबी साथियों को फोन कर कहा कि उसने कीटनाशक पी लिया है। यह सुनते ही साथी घबरा गए और तुरंत उसके कमरे में पहुंचे। वहां अर्जुन जमीन पर गिरा मिला। साथियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और उसे बेस अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। कोतवाल विजय मेहता के अनुसार शुरुआती जांच में घटना के पीछे पारिवारिक कलह की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि अर्जुन पहले भी एक बार आत्महत्या का प्रयास कर चुका था। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

नये वार्डों में चलेंगे 25 कूड़ा वाहन

- नगर निगम को मिले नए वाहनों की टेंडर प्रक्रिया हुई पूरी
- नये वार्डों की डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था सुधरेगी

संवाददाता, हल्द्वानी

नगर निगम को मिले नये कूड़ा वाहन। • अमृत विचार

अमृत विचार : नगर निगम के नए वार्डों की डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था अब सुधरेगी। निगम को मिले नए वाहनों की टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई है। नए वार्डों में शीघ्र ही 25 नई कूड़ा गाड़ियों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

मेयर गजराज बिष्ट हरी झंडी दिखाकर इन गाड़ियों को रवाना करेंगे। जनसंख्या और क्षेत्रफल के अनुसार नए वार्डों में इन गाड़ियों को चलाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि शासन से निगम को 55 कूड़ा गाड़ियां मिली थी, जिसमें पहले चरण में करीब डेढ़ माह पहले 25 गाड़ियां नगर निगम को मिल चुकी थी। टेंडर प्रक्रिया में देरी के कारण इनका संचालन शुरू नहीं हो सका। एक बार टेंडर प्रक्रिया निरस्त होने के बाद फिर से टेंडर जारी किया गया था।

वर्तमान में वाहनों की कमी के चलते नए क्षेत्रों में नियमित कूड़ा कलेक्शन नहीं होने और पुराने वाहनों के खराब होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अब नए वाहनों के संचालन से यह समस्या दूर हो जाएगी। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और शीघ्र ही वाहनों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कांडपाल ने बताया कि वाहनों के संचालन के लिए रूट मैपिंग तैयार की जा रही है। बड़े वार्डों में दो और छोटे वार्डों में एक वाहन चलाया जाएगा।

आत्मरक्षा

महिला अपराधों पर लगाम के लिए नैनीताल पुलिस की पहल, गांव-गांव महिलाओं और छात्राओं को दी जाएगी आत्मरक्षा की ट्रेनिंग

दराती से घास काटने वाले हाथों में होगा अब ताइक्वांडो का भी हुनर

सर्वेश तिवारी, हल्द्वानी

अमृत विचार : पहाड़ की महिलाएं अब सिर्फ दराती से घास काटने तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि जरूरत पड़ने पर अपने बचाव के लिए ताइक्वांडो के दांव-पेंच भी आजमा सकेंगी। जिले में बढ़ते महिला अपराधों को देखते हुए नैनीताल पुलिस ने एक अहम पहल शुरू की है। इसके तहत जिले भर में महिलाओं और स्कूली छात्राओं को ताइक्वांडो की ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में वे खुद की सुरक्षा कर सकें।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने क्षेत्र में महिलाओं और लड़कियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करें।

इस पहल के लिए, पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय गोल्ड मेडलिस्ट ताइक्वांडो कोच रीतिका जोशी को हायर किया है, जो महिलाओं और छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाएंगी। पुलिस का मानना है कि पहाड़ के दूरस्थ क्षेत्रों में कई बार पुलिस या मदद समय पर नहीं पहुंच पाती, ऐसे में महिलाओं का आत्मरक्षा में प्रशिक्षित होना बेहद जरूरी है। इस प्रशिक्षण में गांवों की महिलाओं के साथ-साथ स्कूल-कॉलेज की छात्राओं को भी शामिल किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें ताइक्वांडो के बेसिक दांव-पेंच, हमले से बचाव और संकट की स्थिति में खुद को सुरक्षित रखने के तरीके सिखाए जाएंगे।

एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाना है, ताकि किसी भी तरह की विपरीत परिस्थिति में वे खुद की सुरक्षा कर सकें और अपराधियों का सामना करने का साहस जुटा सकें।

पहाड़ की महिलाओं को क्यों जरूरी आत्मरक्षा

- दूरदराज गांवों में पुलिस की मदद देर से पहुंचती है।
- खेत, जंगल और सड़क पर अक्सर महिलाएं अकेली होती हैं।
- छेड़छाड़ और उत्पीड़न की घटनाओं में बढ़ोतरी।
- आत्मरक्षा सीखने से महिलाओं में बढ़ेगा आत्मविश्वास।

ऐसे चलेगा प्रशिक्षण अभियान

- जिले के सभी थानों को कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश।
- गांव और स्कूलों में विशेष प्रशिक्षण शिविर।
- अंतरराष्ट्रीय गोल्ड मेडलिस्ट कोच देंगी ट्रेनिंग।
- छात्राओं और महिलाओं को मुफ्त में सिखाए जाएंगे ताइक्वांडो के गुर।

जनवरी से नवंबर तक दर्ज किए 246 मामले

हल्द्वानी: पुलिस विभाग से मिले आंकड़ों की मुताबिक, ऊधमसिंह नगर जिले में पिछले वर्ष जनवरी से लेकर नवंबर तक 522 आपराधिक घटनाएं हुईं, जिसमें महिलाओं की हत्या, दहेज हत्या, दुष्कर्म, दहेज प्रतिषेध अधिनियम और पोक्सो एक्ट के मामले हैं। इस दरम्यान नैनीताल जिले में 246 मामले, अल्मोड़ा 44, बागेश्वर 15, पिथौरागढ़ 58 और चम्पावत में 36 केस दर्ज हुए। अच्छी खबर यह है कि चम्पावत और बागेश्वर दो ऐसे जिले हैं, जहां पिछले साल 11 महीनों में एक भी महिला की हत्या नहीं हुई। नैनीताल जिले में 4 और ऊधमसिंह नगर में 12 महिलाओं को मौत के घाट उतार दिया गया। अब बच्चियों के साथ अपराध की बात करें तो नैनीताल जिले में पोक्सो एक्ट के तहत 111 और ऊधमसिंह नगर में 204 घटनाएं सामने आईं। कुल मिलाकर पिछले साल जनवरी से नवंबर तक कुमाऊं में 921 केस दर्ज किए गए हैं।

महिला पर्यटक की जांबाजी से मिला पुलिस को आइडिया

हल्द्वानी: अभी कुछ दिन पहले ही दिल्ली की महिला पर्यटक से टैक्सी चालक ने दुष्कर्म का प्रयास किया था। इस महिला पर्यटक जांबाजी दिखाई। महिला पर्यटक की एक किक से चालक टैक्सी के बाहर जा गिरा और महिला उससे बचने में कामयाब हो गई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कोतवाली सभागार में आयोजित कार्यक्रम में एसएसपी ने इस घटना और पीड़िता की बहादुरी का जिक्र किया। साथ ही कहा कि वह महिला का नाम गैलेंट्री अवार्ड के लिए भेजेंगे। इसी के साथ उन्होंने जिले के सभी कोतवाल और थानाध्यक्षों को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।

पुलिस को देख गिरा दानिश, स्मैक बरामद

हल्द्वानी, अमृत विचार : बनभूलपुरा पुलिस को देखकर भागा स्कूटी सवार सड़क किनारे गिर गया। स्कूटी से स्मैक बरामद हुई।

बनभूलपुरा कोतवाली डीएस फर्त्याल के मुताबिक, उनकी टीम रविवार को लाइन नंबर 17 तिराहे पर वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान यूके 04एल 1310 नंबर की स्कूटी सवार एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने पीछा किया तो स्कूटी सवार सड़क किनारे बेंच से टकराकर गिर गया। पूछताछ में स्कूटी चालक ने खुद को दानिश अंसारी उर्फ बिल्ला पुत्र मो. तौफीक निवासी मलिक का बगीचा बनभूलपुरा बताया। स्कूटी से पुलिस ने 7.03 ग्राम स्मैक बरामद की। आरोपी ने कहा कि वह स्मैक गफूर बस्ती से और टेंपो चालकों से खरीद कर लाता है और पीने के बाद बेचता भी है।

सिटी ब्रीफ

इंटर समाज शास्त्र में 807 परीक्षार्थी अनुपस्थित

रामनगर : उत्तराखंड बोर्ड की परीक्षाएं शांतिपूर्ण तरीके से जारी है। इंटरमीडिएट में समाजशास्त्र और रसायन विज्ञान की परीक्षा हुई। समाजशास्त्र में 807, रसायन विज्ञान में 834 परीक्षार्थी राज्य के परीक्षा केंद्रों में अनुपस्थित रहे। हाईस्कूल में पंजाबी, बंगाली विषय की परीक्षा हुई। पंजाबी विषय में 15, बंगाली विषय में एक परीक्षार्थी अनुपस्थित रहा। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी ने बताया कि राज्य में परीक्षाएं शांतिपूर्ण तरीके से चल रही है।

मीट की दुकानों मे मिली गंदगी, किया चालान

नैनीताल : नगर पालिका परिषद का शहर में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को अधिशासी अधिकारी रोहिताश शर्मा और पालिका अध्यक्ष सरस्वती खेतवाल के निर्देश पर तल्लीताल क्षेत्र में निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस दौरान पालिका की टीम ने तल्लीताल क्षेत्र में स्थित चिकन और मीट की दुकानों का जायजा लिया। कई दुकानों में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। दुकानों के आसपास गंदगी और स्वच्छता नियमों का उल्लंघन मिलने पर पालिका टीम ने संबंधित दुकानदारों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की। पालिका प्रशासन ने चार दुकानदारों का चालान काट कुल 2000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। अधिकारियों ने दुकानदारों को साफ-सफाई रखने की हिदायत दी।

शिक्षा के मंदिर में पानी तक को तरस रहे बच्चे

कौंता गांव के स्कूल बदहाल, भोजनमाता ढो रहीं बच्चों के लिए पानी, ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः ओखलकांडा ब्लॉक के कौंता गांव में सरकारी दावों की पोल पूरी तरह खुल चुकी है। जिस जल जीवन मिशन को हर घर तक पानी पहुंचाने का सपना बताया गया था, वही योजना आज गांव के लिए अभिशाप बन चुकी है। पिछले करीब पांच महीनों से कौंता गांव के नलों में एक बूंद पानी तक नहीं आया, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मानो गहरी नींद में सोए हुए हैं।

सबसे शर्मनाक स्थिति गांव के स्कूलों की है। राजकीय प्राथमिक विद्यालय में 24 और जूनियर विद्यालय में 12 बच्चे पढ़ते हैं, लेकिन इन मासूम बच्चों को पीने तक का पानी नसीब नहीं हो रहा। मिड-डे मील बनाने के लिए भोजनमाताओं को दूर-दूर से सिर पर पानी ढोकर लाना पड़ रहा है। सवाल यह है कि क्या यही है सरकार का बच्चों का भविष्य संवारो वाला मॉडल कहां है। ग्रामीणों का कहना है कि जल जीवन मिशन के तहत गांव में पाइपलाइन तो बिछा दी गई, लेकिन बिना किसी योजना और जिम्मेदारी के काम किया गया। स्कूलों के कनेक्शन से ही पूरे गांव को जोड़ दिया गया, जिससे व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। पंपिंग योजना के तहत चार जगह टैंक भी बनाए गए, लेकिन निर्माण में इतनी अनियमितताएं और लापरवाही हुई कि आज पानी की सप्लाई भी नहीं हो पा रही है। हैरानी की बात यह है कि पिछले एक महीने से पंप खराब पड़े हैं, लेकिन उन्हें ठीक कराने वाला कोई नहीं। जल निगम के अधिकारी जिम्मेदारी ठेकेदार पर डालकर हाथ झाड़ रहे हैं। उधर लाइन की देखरेख करने वाले कर्मचारियों को महीनों से वेतन नहीं मिला, तो उन्होंने भी काम बंद कर दिया। नतीजा यह है कि पूरा गांव प्यासा है और व्यवस्था ठप पड़ी है। मल्ला कौंता, सीतापातल, मल्ला सेलगांजा, चुरानीखाल, सिमलखेत, पुरनागांव और वीरपहड़ जैसे तोकों में रहने वाले करीब 100 से अधिक परिवार पानी के लिए तरस रहे हैं। कई महिलाएं और बुजुर्ग रोजाना किलोमीटरों दूर से पानी ढोने को मजबूर हैं।

गांव के प्रतिनिधियों का कहना हैं हमारी सुनने वाला कोई नहीं ही, अब आंदोलन ही सहारा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब गांव में पहले पानी की व्यवस्था बेहतर थी, तो जल जीवन मिशन लागू होने के बाद हालात बदतर कैसे हो गए? क्या सरकारी योजनाएं सिर्फ कागजों और फाइलों में ही सफल होती हैं? अब ग्रामीणों का सब्र टूटने लगा है। उनका साफ कहना है कि अगर जल्द ही पानी की व्यवस्था ठीक नहीं की गई, तो वह बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। वहीं गांव के लोगों का कहना है कि सरकार और प्रशासन को यह समझना होगा कि पानी कोई सुविधा नहीं, बल्कि बुनियादी अधिकार है। अगर बच्चों के स्कूलों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा, तो यह सिर्फ लापरवाही नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था की विफलता है।

कौंता के स्कूल में बच्चों को पानी पिलाती भोजनमाता। ● अमृत विचार

पानी ढोकर लाती भोजन माता।

पिछले करीब पांच महीनों से गांव के नलों में पानी नहीं आ रहा है। पहले गांव में पानी की व्यवस्था ठीक थी, लेकिन जल जीवन मिशन की योजना लागू होने के बाद हालात और खराब हो गए हैं। अब हमें दूर से पानी ढोना पड़ रहा है। -**भवान सिंह**, ग्रामीण

गांव में पाइपलाइन तो डाल दी गई, लेकिन पानी की सप्लाई सही तरीके से शुरू ही नहीं हो पाई। कई बार अधिकारियों को इसकी जानकारी दी, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। -**खीम सिंह**, ग्रामीण

गांव के स्कूलों में भी पानी नहीं है। बच्चों और शिक्षकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मिड-डे मील के लिए भी दूर से पानी लाना पड़ रहा है। प्रशासन को जल्द इस समस्या का समाधान करना चाहिए। -**त्रिलोक सिंह**, ग्रामीण

पंप पिछले एक महीने से खराब पड़े हैं। जिम्मेदार विभाग और ठेकेदार एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। इसका खामियाजा पूरे गांव को भुगतना पड़ रहा है। -**दीवान सिंह**, ग्रामीण

18 साल से 4600 ग्रेड पे पर अटके 5000 शिक्षक

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : प्रदेश में बेसिक संवर्ग से एलटी माध्यमिक संवर्ग में समायोजित लगभग 5000 शिक्षकों को पिछले 18 सालों से चयन प्रोन्नत वेतनमान न मिलने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शिक्षकों का आरोप है कि राजकीय शिक्षक संघ के पदाधिकारियों की खींचतान के कारण 26 हजार शिक्षकों के 34 सूत्रीय मांग पत्र में से एक भी मांग का समाधान नहीं हो पाया है।

शिक्षकों का कहना है कि विभाग ने उनके लिए दो अलग-अलग सेवा नियमावली (2009 और 2014) लागू कर रखी हैं, जिसके कारण वे 18 सालों से 4600 ग्रेड पे पर ही कार्य कर रहे हैं और चयन प्रोन्नत वेतनमान से वंचित हैं। बीते 6 मार्च को संघर्ष मंच के प्रतिनिधिमंडल ने देहरादून यमुना कॉलोनी स्थित आवास पर शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत से मुलाकात की। इस दौरान मंत्री ने निदेशक डॉ. मुकुल सती से मामले की जानकारी ली। निदेशक ने बताया कि प्रमुख सचिव ने फाइल दोबारा निदेशालय से बनाकर भेजने को कहा है। इस पर संघर्ष मंच के पदाधिकारियों ने सवाल उठाया कि नया प्रस्ताव किस आधार पर बनाया जाएगा, लेकिन इसका स्पष्ट जवाब नहीं मिल पाया। संघर्ष मंच के अध्यक्ष दिगम्बर फुलोरिया और महासचिव सुजान बुटोला ने कहा कि यह एकमात्र ऐसी मांग है जिस पर कोई न्यायालयी विवाद भी नहीं है, फिर भी समाधान नहीं किया जा रहा। चेतावनी दी कि यदि राजकीय शिक्षक संघ के चुनाव से पहले बेसिक संवर्ग के शिक्षकों को चयन प्रोन्नत वेतनमान नहीं मिला तो हजारों शिक्षक संघ की सदस्यता से त्यागपत्र दे देंगे।

शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत से मुलाकात के दौरान मौजूद शिक्षक।

घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध रिफिलिंग पकड़ी

- पूर्ति निरीक्षकों की संयुक्त टीम नेसाहू किचन सेंटर पर छापा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः हल्द्वानी में घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध रिफिलिंग का राजफाश हुआ है। पूर्ति निरीक्षकों की संयुक्त टीम ने बरेली रोड स्थित मंडी गेट के पास साहू किचन सेंटर की दुकान पर छापेमारी की। यहां घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध रिफिलिंग पकड़ी गई।

इस मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ थाना वनभूलपुरा में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है। पूर्ति निरीक्षकों की टीम ने सोमवार को दुकान का निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडरों से तीन किलोग्राम भार के छोटे सिलेंडरों में अवैध रूप से गैस भरी जा रही थी। साथ ही छोटे गैस सिलेंडरों का अवैध कारोबार भी किया जा रहा था। मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ थाना वनभूलपुरा में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

छापेमारी के दौरान टीम ने मौके से 14.2 किलोग्राम के पांच घरेलू गैस सिलेंडर, छह छोटे सिलेंडर तथा गैस रिफिलिंग में इस्तेमाल होने वाले अवैध उपकरण जब्त किए। यह कार्रवाई पूर्ति निरीक्षक राहुल सिंह डांगी, मोहित कठायत, सुबोध त्रिपाठी और ललित मोहन मेर की संयुक्त टीम ने की। टीम ने अवैध रिफलिंग करने वालों को कड़ी हिदायत दी।

महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

- रानीबाग स्थित शीतला माता मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब
- कल मनाया जाएगा शीतलाष्टमी का मुख्य पर्व

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः रानीबाग स्थित शीतला माता मंदिर में रविवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ विशाल कलश यात्रा निकाली गई। सुबह 10 बजे गार्गी (गोला) नदी के तट से माता के जयकारों के साथ यात्रा शुरू हुई, जिसमें लगभग 800 महिलाओं ने पारंपरिक कुमाऊंनी वेशभूषा में भाग लिया। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सचिन साह ने बताया कि महिलाएं और श्रद्धालु नंगे पैर यात्रा की।

आगे सचिन साह ने बताया कि कलश यात्रा के साथ ही मंदिर में उत्सव शुरू हो गया है। आज और कल विशेष देवी पूजन होगा। 11 मार्च को 'शीतलाष्टमी' (बसोड़ा पूजन) का मुख्य पर्व मनाया जाएगा। इसके अगले दिन, 12 मार्च को मंदिर परिसर में एक शानदार भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारियां चल रही हैं। इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में चंचल पांडे, भुवन शाह, प्रकाश बृजवासी, उदित चौधरी, पंकज शाही, भावेश गोस्वामी, गिरीश नोगाई, अंकित साह और विशाल नेगी समेत मंदिर समिति के सभी सदस्यों और सेवादारों का विशेष सहयोग रहा।

शीतला माता के मंदिर में निकाली गई कलश यात्रा में शामिल महिला श्रद्धालु।

बच्चों ने सीखी कविता लेखन की बारीकियां

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः क्रिएटिव उत्तराखंड, बालप्रहरी और भारत ज्ञान विज्ञान समिति नैनीताल के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार से पांच दिवसीय बाल लेखन कार्यशाला शुरू हो गई।

पहले दिन की शुरुआत 'ज्ञान का दीया जलाने' समूह गीत से हुई। इसमें राजकीय जूनियर हाईस्कूल मुखानी, हरगोविंद सुयाल इंटर कॉलेज और राजकीय प्राथमिक विद्यालय देवलचौड़ के बच्चों ने प्रतिभाग किया। बच्चों ने 'तोता कहता है', 'जैसा मैं कहूं', 'कितना बड़ा पहाड़', 'पिज्जा हट' और 'नेताजी की खोज' जैसे खेलों में भाग लेकर उत्साह दिखाया।

कविता लेखन सत्र में बच्चों को कविता की तुक, लय, भाव और शीर्षक जैसे तत्वों की जानकारी दी गई। मुख्य संयोजक उदय किरौला ने बताया कि कार्यशाला के दौरान प्रत्येक बच्चे की लगभग 15 पृष्ठ की हस्तलिखित पुस्तक तैयार कराई जाएगी। इन पुस्तकों की प्रदर्शनी 14 व 15 मार्च को पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच हीरानगर में आयोजित किताब कौतिक में लगाई जाएगी।

मुख्य अतिथि कहानीकार व शिक्षिका दीक्षा जोशी ने कठपुतली के माध्यम से बच्चों को कहानी सुनाई। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को बाल साहित्य भेंट किया गया। इस दौरान चेतना, मोहित शर्मा, हदयेश त्रिपाठी, मंजू पांडे रहे।

कुत्ते, बंदरों के साथ लोमड़ी का भी भय

हल्द्वानी : कुत्ते और बंदरों के आतंक के बाद अब नगर निगम के वार्डों में लोमड़ियां भी घूम रही हैं। जिससे आम जनता के बीच भय का माहौल है। शहर के हिम्मतपुर तल्ला क्षेत्र के एक व्यक्ति ने नगर निगम को शिकायत कर बताया कि उनके वार्ड में करीब 30 लोमड़ियां घूम रही हैं। जिससे स्थानीय लोगों में डर का माहौल बना हुआ है।

वार्ड वासियों ने वरिष्ठ नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कांडपाल को शिकायती पत्र लिखकर वार्ड में घूम रही लोमड़ियों को पकड़ने की मांग की है। इधर, नगर निगम के अधिकारी भी इस तरह की शिकायतों से हैरान हैं। वरिष्ठ नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कांडपाल ने बताया कि लोमड़ी पकड़ने का कार्य वन विभाग का है। प्रभावित वार्ड के लोगों को विभाग से पत्राचार करना चाहिए।

गैस के दामों में वृद्धि पर फूंका सरकार का पुतला

लालकुआं : गैस सिलेंडरों की कीमतों में हुई वृद्धि से गुस्साए कांग्रेसियों ने नगर कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर बुध बाजार के समीप केंद्र सरकार का पुतला फूंका। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील कर देश की आर्थिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है, जिसका ताजा उदाहरण गैस सिलेंडरों के दामों में वृद्धि है। पुतला फूंकने वालों में हेमवती नंदन दुर्गापाल, सैनिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कुंदन सिंह मेहता, बीना जोशी, शहीद अहमद सिद्दीकी, खीमा नंदन दुम्का, मोहन कुंआई, अमजद खान, हाजी अयूब अली, मीना कपिल थे।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9532374039 8077909468

सूचना

मेरे पुत्र के सैन्य अभिलेखों में त्रुटिवश मेरा नाम B H U P SINGH BISHT गलत अंकित हो गया है। जबकि सही नाम BHOOP SINGH अपने पुत्र के अभिलेखों में दर्ज करना चाहता हूं। **भूप सिंह पुत्र आर्मी नंबर-4204307 L सन्तोष सिंह बिष्ट, ग्राम- उमरुखुर्द, खटीमा, उधम सिंह नगर।**

सूचना

मेरे पति आर्मी नंबर 34564 लांसनायक/GD स्वर्गीय भोला सिंह के पेंशन दस्तावेजों में मेरा नाम त्रुटिवश भानी क्षेत्री गलत दर्ज है। जबकि मेरा सही नाम भवानी देवी है और मेरे पति के पेंशन दस्तावेजों में भवानी देवी दर्ज कराना चाहती हूं। और इसी नाम से जानी जाती हूं। - **भवानी देवी पत्नी स्वर्गीय भोला सिंह, निवासी नगरा तराई, खटीमा, ऊधम सिंह नगर।**

महिला सुरक्षा पर पोस्टर प्रदर्शनी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास, नैनीताल की ओर से राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं के साथ बालिकाओं का संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरमवाल ने किया। कार्यक्रम में बालिकाओं ने महिलाओं से संबंधित विषयों जैसे नारी के शक्ति स्वरूप, महिला सुरक्षा, महिला समानता आदि पर पोस्टर प्रदर्शनी लगाई और अपने विचार भी रखे। इस दौरान सभी छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों जैसे राजनीति, खेल, शिक्षा, कला, स्वास्थ्य, विजिलेंस से आए हुए अतिथियों ने बालिकाओं के साथ संवाद किया, जिससे सभी बालिकाओं को हर कार्यक्षेत्र की जानकारी मिली और प्रश्नों के माध्यम से बालिकाओं ने अपनी बात भी रखी। कार्यक्रम में राज्य महिला उद्यमिता परिषद की अध्यक्ष रेनू अधिकारी, राजकीय महिला कॉलेज की प्रधानाचार्या प्रो. आभा शर्मा, राजकीय महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका डॉ. ऊषा जंगपांगी, डिप्टी एसपी, विजिलेंस विभा दीक्षित, जिला खेल अधिकारी डॉ. निर्मला पंत, रंगीत फाउंडेशन की संस्थापिका डॉ. कुसुम पांडे उपस्थित रही। इसके अलावा विकास परियोजना अधिकारी शिल्पा जोशी, डॉ. रश्मि पंत, वन स्टॉप सेंटर हेड सुष्मिता मेहरा, सुपरवाइजर मीना गर्खाल, जानकी भट्ट, सुशीला ग्वाल, पूनम गोस्वामी, प्रियंका आर्या ने भी कार्यक्रम में शिरकत की।

महिला डिग्री कॉलेज में संवाद कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं।

दो कारों में भिड़ंत एक गंभीर घायल

रामनगरः हल्द्वानी-रामनगर मार्ग पर बेलगढ़ के पास दो कारों की आमने-सामने हुई भिड़ंत में वैगनआर का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया।

वैगनआर रामनगर और टैक्सी परमिट वाली स्विफ्ट डिजायर हल्द्वानी की ओर जा रही थी। स्विफ्ट डिजायर के चालक विजय बिष्ट ने बताया कि वैगनआर कार तेज रफ्तार में बस को ओवरटेक करने की कोशिश कर रही थी और अनियंत्रित होकर उनकी कार से टकरा गई। टक्कर में दोनों वाहनों के आगे के हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए। विजय बिष्ट के अनुसार, उनकी कार के एयरबैग खुलने से गंभीर चोटों से बचाव हुआ। हादसे के बाद मार्ग पर लंबा जाम लग गया, जिसे स्थानीय लोगों और पुलिस ने हटाकर यातायात सुचारू किया।

एआई, वर्चुअल रियलिटी की जानकारी दी

एमआईईटी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मौजूद छात्राएं व अन्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : एमआईईटी में डिजिटल एंटरप्रेन्योर फॉर उत्तराखंड विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम गुरुकुल कांगड़ी यूनिवर्सिटी, हरिद्वार के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की ओर से आयोजित किया गया। जिसे उत्तराखंड स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूकॉस्ट) देहरादून का सहयोग मिला। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को डिजिटल उद्यमिता और नई तकनीक के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विशेषज्ञों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, होम ऑटोमेशन, ऑगमेंटेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी, ड्रोन, मशीन लर्निंग और सोशल नेटवर्किंग जैसे विषयों पर जानकारी दी। डॉ. तरुण कुमार सक्सेना, विभागाध्यक्ष, एप्लाइड साइंसेज विभाग ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल तकनीक युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोल रही हैं और इनका सही उपयोग करके युवा आत्मनिर्भर बन सकते हैं। इस मौके पर संस्थान के प्रबंध निदेशक डॉ. बीएस बिष्ट, संदीप सक्सेना, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर एप्लीकेशंस, हेमा नेगी, तारा दत्त तिवारी, डॉ. आशुतोष भट्ट, डॉ. मयंक अग्रवाल समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

कार्यालय सहायक अभियन्ता (वि०/यॉ०), ग्रामीण निर्माण विभाग, उपखण्ड भीमताल

पत्रांक : 63/ग्रा०नि०वि०/निविदा सूचना/2025-26 **निविदा सूचना** दिनांक : 09-03-2026

महामहिम राज्यपाल महोदय उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न निर्माण कार्यों की मुहरबन्द निविदा दिनांक 23.03.2026 के अपरान्ह 1.00 बजे तक ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड कार्यालय नैनीताल स्थित विकास भवन भीमताल में आमंत्रित की जाती हैं। जो उसी दिन अपरान्ह 2:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं एवं निविदा समिति के समक्ष अधोहस्ताक्षरी अथवा नामित प्रतिनिधि द्वारा खोली जायेंगी। निविदा प्रपत्रों का विक्रय, दिनोंक 21.03.2026 को सांय 04:00 बजे तक ठेकेदार अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि जिनके हस्ताक्षर ठेकेदार द्वारा प्रमाणित किये गये हों, को निविदा मूल्य लेखाशीर्षक 0515008000100 एवं जी०एस०टी० की धनराशि (CGST+SGST) जी०एस०टी० नम्बर 05AAAGE0687E1ZR में ऑनलाईन जमा कर ई-चालान की प्रति प्रस्तुत किये जाने पर प्रखण्ड कार्यालय ग्रामीण निर्माण विभाग, नैनीताल स्थित विकास भवन भीमताल में किया जायेगा।

क्र० सं०	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाख रू०	धरोहर धनराशि लाख रु०	निविदा प्रपत्र का मूल्य + जी०एस०टी०	कार्य पूर्ण की अवधि	निविदा की वैधता	श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
उपखण्ड स्तर पर आमंत्रित निविदा							
1	रा०इ०का० छोई में विद्युतीकरण का कार्य।	3.54	11000.00	नि०मू० रू० 500.00 + GST रू0 90.00	08 माह	90 दिन	श्रेणी "ए" एवं उच्चतर विद्युतीकरण।
2	रा०इ० का० जस्सागांजा में विद्युतीकरण का कार्य।	3.76	11500.00	नि०मू० रू० 500.00 + GST रू0 90.00	08 माह	90 दिन	श्रेणी "ए" एवं उच्चतर विद्युतीकरण।
3	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बेतालघाट में ब्लॉक पब्लिक हैल्थ युनिट (बी०पी० एच०यू०) का निर्माण कार्य।	2.53	8000.00	नि०मू० रू० 500.00 + GST रू0 90.00	08 माह	90 दिन	श्रेणी "ए" एवं उच्चतर विद्युतीकरण।

नोट- निविदा क्रय करने से पूर्व निविदा की शर्तों की जानकारी प्रखण्ड / उपखण्ड कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में प्राप्त करना अनिवार्य होगा, निविदा के शर्तो के अनुरूप ही कमेटी द्वारा निविदा स्वीकार की जायेगी।

सहायक अभियन्ता (वि/यां०),
ग्रामीण निर्माण विभाग,
उपखण्ड-भीमताल

क्रिकेट | 11 देशों के ग्लोबल स्टार्स पहुंच रहे हल्द्वानी, 100 देशों में होगा सीधा प्रसारण

गौलापार में कल से होगी चौके-छक्कों की बारिश

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः खेल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। शहर के गौलापार स्थित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आगामी 11, 12 और 14 मार्च को 'लेजेंड्स लीग क्रिकेट' (एलएलसी) का रोमांच देखने को मिलेगा। इस प्रतियोगिता के जरिए क्रिकेट प्रेमी एक बार फिर अपने पुराने नायकों को मैदान पर जलवा बिखेरते देख सकेंगे।

आयोजकों की ओर से क्रिकेट पिच को और अधिक बेहतर बनाने का कार्य किया जा रहा है ताकि दर्शकों को हाई-स्कोरिंग मुकाबले देखने को मिलें। आयोजक रमन रहेजा ने बताया कि टीमों का हल्द्वानी आगमन मैच से एक दिन पूर्व हो जाएगा। आयोजन के संबंध में पुलिस प्रशासन को सूचित कर दिया गया है और अन्य जरूरी अनुमतियों की प्रक्रिया भी गतिमान है। खेल उपनिदेशक (कुमाऊं) रशिका सिद्धिकी ने बताया कि तीन मैचों की कुल फीस 8 लाख रुपये निर्धारित है, जिसमें से 7.50 लाख रुपये आयोजकों ने जमा करा दिए हैं। इसके अतिरिक्त, विभाग के पास सुरक्षा के तौर पर 10 लाख रुपये का चेक भी जमा कराया गया है।

मैदान पर उतरेंगे 11 देशों के ग्लोबल स्टार्स

इस बार लेजेंड्स लीग का अब तक का सबसे बड़ा सीजन हल्द्वानी से शुरू होने जा रहा है। इन मुकाबलों में 11 देशों के क्रिकेट लेजेंड्स हिस्सा लेंगे। भारतीय सितारों में सुरेश रैना, दिनेश कार्तिक, इरफान पठान और एस. श्रीसंत जैसे दिग्गज शामिल हैं, वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्लोस ब्रैथवेट, थिसारा परेरा और असगर अफगान जैसे खिलाड़ी अपना दम दिखाएंगे। हल्द्वानी में शुरुआती तीन मैचों के बाद देश के चार अन्य शहरों में 16 और मैच आयोजित किए जाएंगे। लीग का सीधा प्रसारण दुनिया के 100 से अधिक देशों में किया जाएगा।

ब्रीफ न्यूज

यश ने पास की चार्टर्ड एकाउंटेंट की परीक्षा

खटीमा: हिंद पब्लिक स्कूल के छात्र यश अग्रवाल ने अपने पहले ही प्रयास में चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। विद्यालय के एमडी नीरज कुमार यश को उनकी इस सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय के लिए सुखद दिन है। इस अवसर पर प्रशासिका मंजू खन्ना, प्रधानाचार्य भुवन चंद्र जोशी, उप प्रधानाचार्या पूजा जोशी, नीमा कन्याल, उपासना बिष्ट, रेनू सिंह मौजूद रहे।

नंदनी व दीपक इंस्पायर अवार्ड के लिए चयनित

खटीमा: राम कुमारी अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के कक्षा नवीं की नंदनी प्रजापति और 11वीं के दीपक मौर्य का चयन इंस्पायर-मानक पुरस्कार के लिए हुआ है। बच्चों की इस सफलता पर खंड शिक्षा अधिकारी भानु प्रताप कुशवाहा, प्रधानाचार्य डॉ. भगत सिंह बोरा सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

युवक से 5 हजार रुपये और मोबाइल लूटा

काशीपुर : रामनगर से वापस काशीपुर आ रहे युवक से तीन युवकों ने 5 हजार रुपये व एक मोबाइल लूट लिया। जहां युवक ने साहस का परिचय देते हुए लोगों की मदद से एक युवक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। रविवार की शाम मानपुर रोड स्थित बिजलीघर के पास निवासी जतिन रामनगर से काशीपुर ट्रेन से आ रहा था। वह ट्रेन से उतरकर मालगोदाम के पास होते हुए घर जा रहा था। घर जाते समय रास्ते में तीन युवकों ने उसको पकड़ लिया। जहां तीनों युवकों ने उसकी जेब में रखे 5 हजार रुपये व मोबाइल फोन लूट लिया। जतिन ने लोगों की मदद से एक युवक को पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। एसएसआई नवीन बुधानी ने बताया कि आरोपी युवक से पूछताछ की जा रही है।

11 वारंटी गिरफ्तार

बाजपुर : एसएसपी के निर्देश पर जिले में चलाए जा रहे वारंटी गिरफ्तारी अभियान के तहत बाजपुर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। प्रभारी निरीक्षक नरेश चौहान के नेतृत्व में गठित पुलिस टीमों ने विभिन्न क्षेत्रों में दबिश देकर एक महिला सहित कुल 11 वारंटियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों में गोपी, मो. आजम, प्रभात, अभिजीत, रमेश, महेश, इरफान, बलदेव, काका सिंह, सरजीत और विमला देवी शामिल हैं।

बेमौसम धान की नर्सरी को प्रशासन ने किया नष्ट

कार्रवाई के दौरान ग्रामीणों व किसानों ने किया जमकर विरोध

संवाददाता शक्तिफार्म

प्रशासन द्वारा ट्रैक्टर से निर्मल नगर में नष्ट की जा रही धान की नर्सरी।

अमृत विचार : तहसीलदार के अगुवाई में प्रशासनिक टीम ने निर्मल नगर में बेमौसम धान की नर्सरी को नष्ट कर दिया। इस दौरान महिलाओं, ग्रामीणों एवं किसानों ने कार्रवाई का विरोध किया।

तहसीलदार हिमांशु जोशी की अगुवाई में राजस्व विभाग की टीम ट्रैक्टर लेकर ग्रामसभा निर्मलनगर गांव पहुंची। उन्होंने बेमौसम धान लगाने के लिए तैयार किए गए नर्सरी को नष्ट करने की कार्रवाई शुरू की। भनक लगते ही खेत स्वामी समेत आसपास के दर्जनों किसान मौके पर पहुंच गए। महिलाओं ने ट्रैक्टर के सामने खड़े होकर कार्यवाही का जमकर विरोध किया। नर्सरी नष्ट करने पर महिलाओं एवं ग्रामीणों ने परिवार पर आर्थिक संकट पैदा होने की दुहाई दी। टीम ने सरकारी काम में बाधा न डालने की चेतावनी देते हुए नर्सरी को नष्ट कर दिया। इधर किसानों का कहना है कि बरसात एवं अन्य कारणों से उनकी अन्य फैसले हर वर्ष नष्ट हो जाती हैं बेमौसम धान ही उनका एकमात्र आय का स्रोत है उस पर भी प्रशासनिक चाबुक चल पड़ा है, जो कि किसानों के लिए परेशानी का सबब है। किसान सहकारी समिति के अध्यक्ष कृष्ण पद मंडल ने कहा कि सिडकुल एवं अन्य स्थान पर स्थित बड़े-बड़े कल कारखानों में पानी का जमकर दोहन हो रहा है उस ओर प्रशासन की कोई नजर नहीं है।

तहसीलदार बोले- बेमौसम धान पर है प्रतिबंध

शक्तिफार्म : तहसीलदार हिमांशु जोशी ने बताया कि बेमौसमी धान की फसल लगाने पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद किसान बेमौसम धान की नर्सरी तैयार कर रहे है। जिससे न सिर्फ फसल चक्र प्रभावित होता है। बल्कि, कीट व रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा भू-जल स्तर भी तेजी से गिर जाता है। कहा कि यदि बेमौसमी धान की नर्सरी पाई गई तो कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी किसान की जमीन दलदली है तो स्थानीय प्रशासन के माध्यम से बेमौसमी धान को लगाने की अनुमति ले सकता है।

सफलता के लिए अनुशासन जरूरी

हेम चन्द्र कर्नाटक।

खटीमा: बोर्ड परीक्षाओं के प्रारंभ होने पर महर्षि विद्या मंदिर, खटीमा के प्रधानाचार्य हेम चन्द्र कर्नाटक ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सफलता के मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि यह परीक्षा केवल किताबी ज्ञान की नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और निरंतर परिश्रम की भी परीक्षा है।

प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे प्रश्नपत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समय का सही प्रबंधन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तरों का व्यवस्थित लेखन, नियमित पुनरावृत्ति और संतुलित दिनचर्या अच्छे प्रदर्शन के लिए अत्यंत सहायक होती है। विद्यार्थियों को परीक्षा को किसी दबाव के रूप में नहीं, बल्कि आगे बढ़ने के एक अवसर के रूप में देखना चाहिए।

विद्यालय परिवार की ओर से सभी परीक्षार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि विद्यार्थी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यालय का नाम गौरवान्वित करेंगे। परीक्षाओं के लेकर छात्रों से मेहनत करने की अपील की

खटीमा के लोहियाहेड में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के विजेताओं को पुरस्कृत करती मुख्यमंत्री धामी की माता बिशना देवी।

केआईटीएम इलेवन बनी विजेता

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: नशे के प्रति जागरूकता एवं दूरदर्शिता अभियान के तहत आयोजित इंटर डिपार्टमेंटल क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में केआईटीएम इलेवन ने शारदा क्रिकेट क्लब को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया।

उपजिलाधिकारी तुषार सैनी की पहल पर केआईटीएम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के सहयोग से दो दिवसीय इंटर डिपार्टमेंटल क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया गया। गांधी मैदान लोहियाहेड में आयोजित टूर्नामेंट में शारदा क्रिकेट क्लब, जल संस्थान इलेवन, रेवेन्यू वॉरियर्स इलेवन, मीडिया इलेवन, पुलिस इलेवन, अधिवक्ता एसोसियेशन, पीडब्ल्यूडी इलेवन और केआईटीएम इलेवन की टीमों ने प्रतिभाग किया। टूर्नामेंट का शुभारंभ डीएम नितिन सिंह भदौरिया, एसएसपी अजय गणपति, एसडीएम तुषार सैनी, तहसीलदार वीरेंद्र सिंह सजवाण, जिपंअ अजय मौर्य और पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने संयुक्त रूप से किया। शारदा क्रिकेट क्लब नेपुलिस इलेवन को और केआईटीएम इलेवन ने रेवेन्यू वॉरियर्स को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच में केआईटीएम की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शारदा क्रिकेट क्लब को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। टूर्नामेंट में मैन ऑफ द सीरीज शारदा क्रिकेट क्लब के जगदीश चंद्र तथा मैन ऑफ द मैच केआईटीएम इलेवन के केशव भट्ट को दिया गया। विजेता और उप विजेता टीम को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की माताजी बिशना देवी ने ट्रॉफी, मेडल व नगद धनराशि देकर सम्मानित किया। केआईटीएम के प्रबंधक कमल सिंह बिष्ट ने खिलाड़ियों, प्रशासन और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। एसडीएम सैनी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं को सकारात्मक संदेश मिलता है। इस अवसर पर चेयरपर्सन ज्योति बिष्ट, कॉलेज स्पोर्ट्स हेड हिमांशु भट्ट, जिपंस सूरज धामी, साक्षी चंद, मनीष पंत, विनोद भारती, दिवान सिंह गैड़ा, मनोज शाही, रंदीप पोखरिया, सतीश भट्ट, डॉ. नवीन भट्ट, डॉ. विवेक सक्सेना, राखी गुप्ता, किरन शर्मा, रविंद्र, मनीष, हेम चंद्र जोशी आदि मौजूद थे।

गाजियाबाद में आयोजित कार्यक्रम में ललित को सम्मानित करते संस्था के पदाधिकारी।

सितारगंज के ललित को मिला राधाकृष्णन अवार्ड

सितारगंज : शिक्षा एवं शोध कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सितारगंज के ललित मोहन जोशी को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन टीचर अवार्ड से सम्मानित किया गया। आठ मार्च को गाजियाबाद के जीएमएस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित ''आगमन सम्मान समारोह 2026'' में उन्हें यह सम्मान दिया गया। इस सम्मान समारोह में ललित ने अन्य प्रतिभागियों को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में शोध पत्र एवं पेटेंट प्रकाशन के साथ अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर महिला सशक्तिकरण पर विचार व्यक्त किया। दरअसल, ललित मोहन जोशी देहरादून स्थित जीआरडी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। इसके अलावा सीएम धामी और कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल और उत्तराखंड राज्य के विज्ञान धाम (यूकोस्ट) ने भी सम्मानित किया है।

कैलाश सिंह ब्लॉक अध्यक्ष बने

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस कमेटी के लिए कैलाश सिंह ब्लॉक अध्यक्ष व अशोक सिंह महासचिव सर्वसहमति से चुने गए। इसके अलावा ब्लाक कार्यकारिणी में 11 पदाधिकारी बनाए गए। नवनिर्वाचित पदाधिकारी ने गदरपुर ब्लॉक में संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

सोमवार को पूर्व विधायक प्रेमानंद महाराज के आवास श्रीरामपुर में आयोजित बैठक पूर्व दर्जा राज्य मंत्री प्रेम सिंह की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान कुंवर सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मलखे सिंह व बलवीर सिंह को उपाध्यक्ष, जगदीश सिंह सचिव, राजू सिंह उपसचिव, दीपक सिंह कोषाध्यक्ष, हरी सिंह संगठन मंत्री, वचन सिंह व रामस्वरूप सिंह को प्रचार मंत्री, प्रेम सिंह मीडिया प्रभारी सर्वसम्मति से चुने गए। नवनिर्वाचित पदाधिकारी को पूर्व विधायक प्रेमानंद महाराज और पूर्व दर्जा राज्य मंत्री प्रेम सिंह ने बधाई देते हुए संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ नेता श्याम सिंह देऊपा ने किया। इस मौके पर आदिवासी यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष जीत सिंह, गूलरभोज कांग्रेस अध्यक्ष नंदावल्लभ पांडे, युवा नेता किशोर हालदार, ब्लॉक प्रभारी देव सिंह, अंतर सिंह, धर्म सिंह, कुंवर सिंह सकतपुरिया, जय सिंह, श्याम सिंह आदि उपस्थित रहे।

दिनेशपुर में नवनिर्वाचित पदाधिकारी को नियुक्ति पत्र देते कमेटी के संरक्षक।

दिनेशपुर में लगाए गए शिविर में मौजूद जेई महताब अली व कर्मचारी।

बकायादारों से ढाई लाख रुपये की वसूली

दिनेशपुर : विद्युत विभाग ने बकाया बिल वसूली को लेकर क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को विद्युत विभाग के अवर अभियंता महताब अली के नेतृत्व में नगर के जाफरपुर रोड स्थित हरि मंदिर के सामने विद्युत शिविर लगाकर बकायादारों से ढाई लाख रुपए की वसूली की गई। लगभग एक दर्जन बकायेदारों के विद्युत कनेक्शन काटे गए। अवर अभियंता महताब अली ने क्षेत्र के उपभोक्ताओं और बकायादारों से अपील की कि वह जल्द से जल्द अपना बिजली का बकाया बिल जमा कर दें। जेई महताब अली ने चेतावनी देते हुए कहा यदि समय रहते बकाया भुगतान नहीं जमा किया गया, तो विभाग द्वारा बिजली कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर टीम गठित कर शिविर लगाए जा रहे है, ताकि उपभोक्ताओं को बिल जमा करने में किसी तरह की परेशानी न हो सके। इस मौके पर यशपाल सिंह चौहान, सुभाष बैरागी, महेंद्र सिंह सहित कर्मचारी मौजूद रहे।

सफाई ठप होने से लोगों में रोष

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: नगर पंचायत सुल्तानपुर पट्टी में पिछले कई दिनों से सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप होने से नाराज लोगों ने सोमवार को जमकर विरोध प्रदर्शन किया। समाजसेवी साजिद हुसैन के नेतृत्व में स्थानीय निवासियों ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपा। एसडीएम की अनुपस्थिति में कार्यालय बाबू संजीव कुमार को ज्ञापन देकर जल्द सफाई सुचारू कराने की मांग की गई।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि 7 मार्च से नगर में सफाई कार्य बंद है। अधिशासी अधिकारी के अनुसार, सफाई कर्मचारियों की हड़ताल की वजह से यह स्थिति पैदा हुई है। साजिद हुसैन ने कहा कि रमजान का पवित्र महीना चल रहा है और 21 मार्च को ईद का त्योहार भी है, ऐसे में जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर बीमारियों को न्योता दे रहे हैं।

क्षेत्रवासियों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि त्योहारों के मद्देनजर मामले का तुरंत संज्ञान लिया जाए और नगर की सफाई व्यवस्था बहाल की जाए। इस दौरान एडवोकेट दीपक मिश्रा, इकरार हुसैन, कमर शेख, नदीम सैफी और सरफराज शेख समेत कई लोग मौजूद रहे। उन्होंने आंदोलन की चेतावनी दी है।

एसडीएम कार्यालय में बाबू संजीव कुमार को ज्ञापन सौंपते सुल्तानपुर पट्टी के लोग।

काशीपुर में विजयपथ पूर्व सैनिक कल्याण समिति के मनोनीत पदाधिकारी।

पूर्व सैनिक संगठन की नई कार्यकारिणी गठित

काशीपुर : विजयपथ पूर्व सैनिक कल्याण समिति कुंडेश्वरी का चुनाव किया गया। इसमें कैप्टन बच्चन सिंह नेगी को अध्यक्ष, कैप्टन जगमोहन सिंह नेगी को उपाध्यक्ष एवं हवलदार संजय लखेड़ा को कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध घोषित किया गया। सचिव पद पर हवलदार पदम सिंह नेगी को मतदान के माध्यम से चुना गया। संगठन के वरिष्ठ नागरिक कैप्टन गजे सिंह शौर्य चक्र, सूबेदार मेजर राम सिंह नेगी, सूबेदार मेजर त्रिलोक सिंह नेगी सहित पांच वरिष्ठ पूर्व सैनिकों को संरक्षक मंडल में शामिल किया गया। निर्वाचित सदस्यों को चुनाव समिति के अध्यक्ष सूबेदार मेजर चंद्रमणि नैनवाल एवं उनके सहयोगी कैप्टन बचन सिंह ने फूल माला पहनाकर बधाई दी।

पोकलेन की वजह से लगा जाम

- लेवड़ा नदी पर पुल का निर्माण कार्य बना परेशानी का सबब

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: बेरिया रोड स्थित लेवड़ा नदी पर चल रहा पुल निर्माण कार्य क्षेत्रवासियों और राहगीरों के लिए मुसीबत बनता जा रहा है। सोमवार को डायवर्जन मार्ग के अस्थायी पुल पर पोकलेन मशीन खड़ी कर कार्य किए जाने के कारण यातायात पूरी तरह ठप हो गया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

जाम की स्थिति इतनी गंभीर थी कि डीएवी स्कूल सहित कई विद्यालयों के बच्चे, दोपहिया वाहन चालक और पैदल राहगीर काफी देर तक फंसे रहे। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पहले से ही संकरे डायवर्जन मार्ग पर भारी मशीनें खड़ी करने से अक्सर ऐसी स्थिति पैदा होती है।

दूसरी ओर, कार्य कर रहे श्रमिकों ने स्पष्ट किया कि नदी में पानी की निकासी के लिए डाले गए ह्यूम पाइपों में मिट्टी फंस गई थी, जिसे निकालना अनिवार्य था। इसी कारण मशीन को पुल पर लाना पड़ा। श्रमिकों का दावा है कि बच्चों की छुट्टी होते ही मशीन को तत्काल हटाकर यातायात सुचारु कर दिया गया था। फिर भी, काफी देर तक लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा।

निर्माणाधीन पुल के पास पोकलेन मशीन के कारण जाम में फंसे राहगीर।

कच्ची शराब के साथ दो गिरफ्तार

सितारगंज: पुलिस ने अवैध कच्ची शराब की तस्करी कर रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जबकि, एक मौके से फरार हो गया।

रविवार को रात्रि गश्त के दौरान पुलिस ने नानकमत्ता के गांव बिथैया निवासी गुरमीत सिंह (28) को 100 पाउच अवैध कच्ची शराब के साथ धानचौड़ा-बिल्हैरा मार्ग से गिरफ्तार किया है। जबकि उसका साथी सुरेश उर्फ सागर मौके से फरार हो गया।

वहीं, एक दूसरे मामले में पुलिस ने गांव वीरेंद्र नगर, गोठा निवासी बलविंदर सिंह उर्फ महेंद्र सिंह को अमरिया चौराहे के पास हाईवे से नीचे कच्ची रास्ते से 23 पाउच के साथ गिरफ्तार किया है।

मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस दोनों को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई कर रही है।

ग्राम पोपुरी में मिला दुर्लभ हिमालयन ग्रिफिन गिद्ध

संवाददाता, बाजपुर

पोपुरी गांव में घायलावस्था में मिला ग्रिफिन गिद्ध।

अमृत विचार: क्षेत्र के ग्राम पोपुरी में एक दुर्लभ हिमालयन ग्रिफिन गिद्ध घायल अवस्था में मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर बन्नाखेड़ा वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर गिद्ध का रेस्क्यू किया और उसे उपचार के लिए वन चिकित्सालय भेजा।

जानकारी के अनुसार, ग्रामीणों ने खेतों के पास एक विशालकाय गिद्ध को असहाय स्थिति में देखा, जो उड़ान भरने में असमर्थ था। वन रेंजर नवल किशोर कपिल ने बताया कि यह लगभग दो से तीन वर्ष की आयु का नर हिमालयन ग्रिफिन गिद्ध है, जिसे सामान्यतः ''गिद्धराज'' भी कहा जाता है। प्राथमिक जांच में पंखों में चोट होने की बात सामने आई है।

वन विभाग के अनुसार, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत संरक्षित यह प्रजाति पर्यावरण को स्वच्छ रखने में अहम भूमिका निभाती है। डॉक्टरों की देखरेख में उपचार के बाद, पूर्ण स्वस्थ होने पर इसे वापस प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया जाएगा। गिद्ध दिखने को लेकर क्षेत्र में चर्चा रही।

मिल ने किया 6.79 करोड़ का भुगतान

किच्छा: किच्छा चीनी मिल ने गन्ना किसानों को 6 करोड़ 79 लाख से अधिक का भुगतान जारी कर दिया है। अधिशासी निदेशक त्रिलोक सिंह मर्तोलिया ने बताया कि मुख्यमंत्री और गन्ना मंत्री के निर्देशों के क्रम में 21 से 25 जनवरी तक खरीदे गए गन्ने की राशि आरटीजीएस के माध्यम से समितियों को भेज दी गई है।

इस भुगतान में किच्छा, हल्द्वानी, पंतनगर, सितारगंज और गदरपुर की गन्ना समितियां शामिल हैं। गौरतलब है कि 16 नवंबर 2025 से शुरू हुए वर्तमान पेराई सत्र में अब तक कुल 88 करोड़ 57 लाख का भुगतान किया जा चुका है। मिल प्रबंधन ने सफल सत्र के लिए किसानों और कर्मचारियों का आभार जताया है।

चोरी के दो आरोपी किए गिरफ्तार

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: पुलिस ने खटोला नंबर-2 में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की नकदी, घटना में प्रयुक्त लोहे की रॉड और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

भैरव दत्त काण्डपाल ने तहरीर देकर बताया था कि 6 मार्च को चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर नकदी साफ कर दी थी। एसएसपी के निर्देश पर थानाध्यक्ष रविंद्र सिंह बिष्ट ने टीम गठित की। एसआई प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में टीम ने सुरागरसी करते हुए वार्ड संख्या-3 निवासी सुखदेव घरामी और अखिल घरामी को दबोच लिया।

पुलिस के अनुसार, इन दोनों अभियुक्तों के खिलाफ पूर्व में भी चोरी के दर्जनों मामले दर्ज हैं। आरोपियों के पास से 3300 नकद बरामद हुए हैं। पुलिस टीम में एसआई प्रदीप शर्मा, हेका. कृपाल सिंह, महेंद्र सिंह बिष्ट और कमलेश सिंह नेगी शामिल रहे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया है।

दिनेशपुर में पुलिस टीम के साथ गिरफ्तार आरोपी।

हाट बाजार से बाइक चोरी, सीसीटीवी में घटना कैद

बाजपुर : नगर के साप्ताहिक हाट बाजार में सामान खरीदने आए एक व्यक्ति की बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरी की यह पूरी वारदात पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, ग्राम महोली चैन निवासी अजय सिंह रविवार को अपनी बहन के साथ बाइक से बाजार आए थे। उन्होंने बेरिया रोड के पास अपनी हीरो स्प्लेंडर बाइक खड़ी की थी, लेकिन लौटने पर बाइक वहां से गायब मिली। काफी खोजबीन के बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी।

जर्मनी भेजने के नाम पर 4.65 लाख ठगे

सितारगंज : जर्मनी भेजने के नाम पर लाखों की ठगी करने का मामला सामने आया है। मामले में पीड़ित ने फ्लाइंग लीडर ओवरसीज के संचालकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

गांव नकटपुरा निवासी बिलाल खान ने बताया कि 8 अक्टूबर 2024 को फ्लाइंग लीडर ओवरसीज के संचालक गांव सरकड़ा निवासी समीर, यूनुस, युसुफ और गांव गोठा निवासी घनश्याम राव ने उसे जर्मनी भेजने की बात कही। उसने अलग-अलग बहाने बनाकर एक साल में उससे करीब 14 किश्तों में कुल 4.65 लाख रुपये लिए। जिसमें उसने 3.55 लाख रुपये ऑनलाइन माध्यम से दिए। जबकि, 1.10 लाख रुपये नकद दिए। लेकिन, उसे जर्मनी नहीं भेजा। आरोप लगाया कि अब आरोपी न ही उसके रुपये वापस कर रहे हैं और न ही उसे विदेश भेज रहे हैं।

सिटी ब्रीफ

डंपर की टक्कर से महिला हुई घायल

खटीमा : डंपर की चपेट में आने से बाइक पर सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने डंपर को कब्जे में में ले लिया है। सोमवार को राजीव नगर निवासी शाहिद अपनी पत्नी सोनी (30) व दो बच्चों के साथ सितारगंज से खटीमा आ रहा था। वह रिलांयस पेट्रोल पम्प के पास पहुंचा ही था कि डंपर ने टक्कर मार दी। जिसमें सोनी का हाथ बुरी तरह कुचल गया। जबकि पति और दोनों बच्चे बाल-बाल बच गए। घटना के बाद डंपर चालक वाहन को छोड़कर फरार गया। पुलिस ने डंपर को मुख्य मार्ग से हटाकर यातायात को सुचारू कराया। महिला को नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। घायल महिला को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

दुकान पर सामान लेने गई किशोरी लापता

सितारगंज : दुकान पर सामान लेने गई किशोरी लापता हो गई। मामले में पुलिस ने किशोरी की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी खोजबीन शुरू कर दी है। गांव कुंवरपुर, सिसैया निवासी व्यक्ति ने बताया कि 6 मार्च को उसकी 17 वर्षीय बहन दोपहर करीब दो बजे सामान लेने के लिए गांव के एक किराना स्टोर पर गई थी। इसके बाद वहां घर नहीं आई। आस-पड़ोस, नाते-रिश्तेदारों में काफी खोजबीन करने के बाद भी उसका पता नहीं चला। वहीं, मामले में पुलिस ने किशोरी की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी खोजबीन शुरू कर दी है।

नशीली दवाइयों के साथ सौदागर गिरफ्तार

एएनटीएफ-किच्छा पुलिस ने की कार्रवाई, कार सहित छह हजार कैप्सूल बरामद, चेकिंग में मिली सफलता

संवाददाता, रुद्रपुर/किच्छा

अमृत विचार: एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स एवं किच्छा पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नशीली दवाइयों के सौदागर को गिरफ्तार कर लिया है और भारी मात्रा में कैप्सूल व एक कार को भी बरामद किया है।

सोमवार को एसएसपी अजय गणपति कुंभार ने बताया कि पिछले कई दिनों से एएनटीएफ और किच्छा पुलिस को इनपुट मिला था कि इलाके में भारी मात्रा में नशीली दवाइयों की खेप आने वाली है। जिसको लेकर संयुक्त टीम सुरागरसी को तैयार थी। 8 मार्च को अचानक सूचना मिली कि पुलभट्टा के गोपनीय रास्तों से दवाइयों की खेप आ चुकी है। जिसको लेकर संयुक्त पुलिस टीम ने किच्छा के डीडी चौक पर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी।

इस बीच अचानक कार सवार संदिग्ध पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर सिरौली कला थाना किच्छा निवासी मोहम्मद शाहनवाज को गिरफ्तार कर लिया और कार की तलाशी लेने पर 25 डिब्बे प्रतिबंधित ट्रामाडोल नशीली कैप्सूल बरामद की। बरामद डिब्बों में छह हजार कैप्सूल और 51 हजार रुपये नगद भी बरामद हुए।

घटनाक्रम की जानकारी देते एसएसपी अजय गणपति कुंभार, साथ में मास्क पहना आरोपी। ● अमृत विचार

ये थे टीम में शामिल

अभियुक्त की धरपकड़ में किच्छा कोतवाली प्रभारी प्रकाश सिंह दानू, एएनटीएफ प्रभारी राजेश पांडेय के अलावा दरोगा मनोज कुमार, दीपक जोशी, मुख्य आरक्षी भुवन चंद्र पांडेय, नरेंद्र कन्याल आदि शामिल रहे। जिनके द्वारा माफिया के सक्रिय होने की जानकारी मिलते ही जाल बिछाना शुरू कर दिया था और मेडिकल स्टोर के इर्द गिर्द निगरानी शुरू कर दी थी। जब अभियुक्त दवाइयां देने के लिए निकला तो टीम ने दबोच लिया।

बड़े भाई के साथ मिलकर चलाता था अवैध धंधा

संवाददाता, रुद्रपुर

- गांव सिरौलीकला में खोल रखा था मेडिकल स्टोर, बरेली से दवाइयां लाता था बड़ा भाई

अमृत विचार: एएनटीएफ और किच्छा पुलिस की संयुक्त धरपकड़ में गिरफ्तार शाहनवाज नशीली दवाइयों का धंधा अकेले नहीं, बल्कि अपने बड़े भाई के साथ मिलकर चलाता था। बताया जा रहा है कि अभियुक्त रईस अहमद ही बरेली से दवाइयों की खेप लाकर छोटे भाई को देता था। जिसको लेकर पुलिस ने बड़े भाई की भी सरगर्मी से तलाश तेज कर दी है।

8 मार्च को संयुक्त चेकिंग के बाद जैसे ही पुलिस ने सिरौली कला निवासी मोहम्मद शाहनवाज को दबोचा और अपनी पूछताछ शुरू की तो अभियुक्त ने सारा कुछ उगलना शुरू कर दिया। बताया कि उसका बड़ा भाई रईस अहमद ने सिरौली कला गांव में एक मेडिकल खोल रखा है। जिसकी आड़ में बड़ा भाई ही बरेली से ट्रामाडोल नाम की नशीली दवाइयों की खेप मंगाता था और मेडिकल में ही छिपाकर रख देता था। कारण मेडिकल होने के कारण किसी को संदेह भी नहीं होता।

जब बड़ी खेप का कोई खरीदार मिलता था तो बड़ा भाई उसके खेप सप्लाई करने का जिम्मा देता था। इस धंधे में बड़े भाई का परिवार भी शामिल है। पूछताछ के बाद पुलिस ने परिवार की भूमिका, मेडिकल के दस्तावेज के अलावा खरीदार को भी चिह्नित करने की कार्रवाई शुरू कर दी।

आखिर कौन है बड़ा माफिया

रुद्रपुर : छह हजार कैप्सूल की खेप देने वाला आखिरकार कौन माफिया है। इसको लेकर एएनटीएफ ने अभियुक्त के बड़े भाई की सरगर्मी से तलाश तेज कर दी है। कारण रईस अहमद ही बरेली के माफिया से बड़ी खेप लाता है और वह ही उस व्यक्ति का राजदार है। जो तराई भाबर में युवाओं को महंगे दामों पर नशीली दवाइयों की सप्लाई करता है। इसके लिए एएनटीएफ ने रणनीति बनानी शुरू कर दी है। वहीं पुलिस अभियुक्त शाहनवाज को रिमांड पर लेने की तैयारी कर सकती है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को बताया नियमों के विरुद्ध

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: एएनझा अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज की भूमि पर स्थापित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र के कैंपस में नियमों के विरुद्ध कूड़ा अपशिष्ट डाले जाने और वायु प्रदूषित गंध की जांच करने की मांग मॉडल कॉलोनी रेजिडेंट वेलफेयर सोसायटी के पदाधिकारियों ने की है। उनका कहना है कि इस प्रदूषित गंध से लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

सोमवार को मॉडल कॉलोनी रेजिडेंट वेलफेयर सोसायटी के लोगों ने कहा कि इसको लेकर पूर्व में उन्होंने जिलाधिकारी को पत्र सौंपा था। उनके निर्देश पर क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी काशीपुर स्थलीय निरीक्षण के लिए पहुंचे। लेकिन निरीक्षण के बाद आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। संयंत्र से हवा के साथ वातावरण में प्रदूषित गंध फैल रही है। इससे लोगों का जी मिचलाने के साथ ही उल्टी हो रही है। इसको लेकर महापौर को ह्वाट्सऐप संदेश के माध्यम से जानकारी दी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में जहां ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र लगा है उसके पास में स्कूल है। इससे स्कूली छात्रों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ेगा। उन्होंने जनहित में इस संयंत्र की जांच की मांग उठाई है। इस अवसर पर झमन लाल शर्मा, अमित जैन लोहिया, एसके नायर, मनोज खेड़ा, अरुण चावला, प्रेम शंकर, संजय सिंह, विजय अग्रवाल, दिनेश शर्मा, जगदीश सिंघल, नीरज शाह, संजीव कुमार साह, आरएस बिष्ट समेत कई लोग मौजूद रहे।

ज्ञापन देने पहुंचे मॉडल कॉलोनी रेजिडेंट वेलफेयर सोसायटी के पदाधिकारी।

अंत्योदय कार्ड के लिए प्रदर्शन

- दिव्यांगों ने राशन की मात्रा बढ़ाने की उठाई मांग
- डीएम कार्यालय पर हंगामा कर आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: अंत्योदय राशन कार्ड बनाने का मुद्दा उठाते हुए दिव्यांग सेवा संस्था द्वारा डीएम कार्यालय पहुंचे और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आगाह किया कि यदि दिव्यांगों की भावनाओं की अनदेखी की तो आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान जिले भर के दिव्यांगों ने एक स्वर से मुद्दा उठाया।

सोमवार को दिव्यांगों ने बताया कि जिले भर के तमाम दिव्यांगों के राशन कार्ड पर मिलने वाला राशन काफी कम है। कारण दिव्यांग आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। ऐसे में यदि दिव्यांगों के अंत्योदय राशन कार्ड बन जाते हैं तो राशन की मात्रा भी बढ़ सकती है। आरोप था कि कई बार दिव्यांगों की परेशानी का मुद्दा उठाया गया, लेकिन शासन-प्रशासन ने कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाए।

संस्था ने आगाह किया कि यदि जल्द ही दिव्यांगों के अंत्योदय राशन कार्ड के अलावा राशन की मात्रा नहीं बढ़ाई तो संस्था आंदोलन को बाध्य होगी।

इस अवसर पर आलोक ढाली, हरि किशन, दिनेश कोली, मोहम्मद जीशान, चंद्रकली, महेश कुमार, ज्योतिका विश्वास, रविंद्र मंडल, रिजवान खान, गोपाल कुमार आदि मौजूद रहे।

डीएम कार्यालय पर ज्ञापन देने से पहले प्रदर्शन करते दिव्यांग। ● अमृत विचार

वृद्धा को सम्मोहित कर लाखों के जेवर हड़पे

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कोतवाली इलाके के शांति विहार कॉलोनी में बुजुर्ग महिला को सम्मोहित कर लाखों रुपये कीमत के आभूषण ठगने के प्रकरण में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। बुजुर्ग के बेटे की तहरीर के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों को खंगाल और तीन संदिग्धों को चिह्नित करते हुए खोजबीन शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार शांति विहार शिव मंदिर के समीप रहने वाले आशु डालमिया ने बताया कि 8 मार्च की दोपहर साढ़े 12 बजे उसकी बुजुर्ग माता रजनी गर्ग बाजार जा रही थी। इस बीच रास्ते में एक व्यक्ति ने रोककर बाबा का पता पूछा और थोड़ी ही देर बाद दो व्यक्ति आये और बुजुर्ग माता को सम्मोहित कर दिया। अभियुक्तों के बहकावे में आकर माता घर पर आयी और चुपचाप अलमारी खोलकर दो जोड़े सोने के कुंडल, सोने की चार अंगूठियां, एक सोने का हार, दो सोने की पैडेंट अभियुक्तों को दे दिए।

आरोपियों ने डराया कि आभूषण जिस कागज की पोटली में रखा है उसे रास्ते में खोलना नहीं। वरना बुरा साया सब कुछ बर्बाद कर देगा। सम्मोहित बुजुर्ग महिला पोटली को मंदिर में रखकर फिर बाजार चली गई। जब सम्मोहन का असर समाप्त हुआ और माता ने घर पर आकर पोटली खोली तो आभूषण के स्थान पर पत्थर रखे हुए मिले।

भारत की तीसरी जीत पर जश्न

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप की ऐतिहासिक जीत होते ही शहर में आतिशबाजी का दौर शुरू हो गया है। भारत की तीसरी बार जीत को लेकर मेयर विकास शर्मा और पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने एक साथ आतिशबाजी की और तिरंगा झंडा लेकर जश्न बनाया। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट जगत में भारत की जीत देशवासियों के लिए ऐतिहासिक पल है।

रविवार को आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप पर भारत की जीत होते ही शहर में आतिशबाजी शुरू हो गई। मेयर विकास शर्मा और पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने भी अपने समर्थकों के साथ खुले मैदान में आतिशबाजी की और तिरंगा झंडा लेकर भारत के विश्व विजेता बनने का जश्न मनाया। उन्होंने कहा कि भारतीय जांबाज खिलाड़ियों ने तीसरी बार टी-20 टूर्नामेंट जीतकर भारतवासियों का मान बढ़ाया और विश्व में तिरंगे झंडे का गौरव बढ़ाने का काम किया है।

भारत की जीत पर जश्न मनाते मेयर विकास शर्मा व पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल।

वर्ल्ड कप जीतने पर क्रिकेट प्रेमियों ने जताया हर्ष

खटीमा : टी- 20 वर्ल्ड कप जीतने पर क्रिकेट प्रेमियों ने तिराहे के साथ जश्न मनाया और एक दूसरे को बधाई दी। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व नगर मंडल महामंत्री और उत्तरांचल पंजाबी महासभा के प्रदेश सचिव मनोज बाधवा के नेतृत्व में क्रिकेट प्रेमियों ने भारत माता की जय, हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। इस अवसर पर बाबूराम दिवाकर, रजत मौर्य, सुनील रस्तोगी, धर्मवीर सिंह राणा, पदम सक्सेना, पूरण सिंह भंडारी, बबलू सक्सेना, निसार अहमद मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को मांग पत्र सौंपते विधायक शिव अरोरा। ● अमृत विचार

काशीपुर बाईपास चौड़ीकरण के लिए बजट की मांग

रुद्रपुर : विधायक शिव अरोरा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर रुद्रपुर-काशीपुर बाईपास के चौड़ीकरण हेतु दूसरे चरण की धनराशि जल्द जारी करने की मांग की। उन्होंने बताया कि व्यस्ततम मार्ग होने के कारण यहां जाम की समस्या बनी रहती है। विधायक ने फाजलपुर महरौला क्षेत्र के हजारों परिवारों पर मंडरा रहे संकट का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 के कोर्ट आदेश के कारण अटके नक्शों और बिजली कनेक्शन जैसी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार को 'नियमितीकरण' की नई नीति बनानी चाहिए, ताकि वैध रजिस्ट्री वाले नागरिकों को राहत मिल सके।

रुद्रपुर में नशे के कारोबार पर चिंता जताई

संवाददाता, रुद्रपुर

- पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने एसएसपी से की मुलाकात
- कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने और सख्त कार्रवाई की मांग

अमृत विचार: पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र में बढ़ते अवैध नशे के कारोबार और अवैध तमंचों की बढ़ती घटनाओं को लेकर चिंता व्यक्त की। साथ ही कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने और इन गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग उठाई।

सोमवार को एसएसपी से मुलाकात के दौरान पूर्व विधायक ठुकराल ने कहा कि रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र में अवैध नशे का कारोबार लगातार बढ़ रहा है, जिससे युवाओं और समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि नशे के कारण अपराधों में भी वृद्धि हो रही है। इसलिए इस पर प्रभावी अंकुश लगाना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र में अवैध तमंचों की उपलब्धता और उनके दुरुपयोग के मामलों पर भी चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि अवैध हथियारों की वजह से कानून व्यवस्था प्रभावित होती है और आम लोगों में भय का माहौल बनता है। इसलिए पुलिस को ऐसे तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। पूर्व विधायक ने नाबालिग बच्चों के उत्पीड़न जैसे गंभीर मुद्दों को भी एसएसपी के सामने रखा और कहा कि समाज में इस प्रकार की घटनाओं को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने पुलिस से ऐसे मामलों में तुरंत और सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

इस दौरान एसएसपी ने पूर्व विधायक की बातों को गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि पुलिस इन सभी मुद्दों को पूरी संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ ले रही है। उन्होंने कहा कि अवैध नशे, अवैध हथियारों और बच्चों के उत्पीड़न जैसे अपराधों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है।

एसएसपी से मुलाकात करते ठुकराल।

बिजली चोरी में छह लोगों पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: यूपीसीएल और यूपीसीएल की विजिलेंस की संयुक्त टीम ने खेड़ा बस्ती में छापेमारी करते हुए छह विद्युत उपभोक्ताओं को बिजली चोरी करते हुए दबोच लिया। साथ ही अवर अभियंता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवर अभियंता उमेश राणा और सहायक अभियंता सतर्कता अंशुल मदान की मौजूदगी में संयुक्त टीम ने खेड़ा बस्ती में बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान टीम ने पुराना खेड़ा निवासी वशीम अहमद को 0.845 किलोवाट, दरिया नगर निवासी फईम अहमद को 0.778 किलोवाट, खेड़ा निवासी वसीम को 0.651 किलोवाट बिजली चोरी करते हुए पकड़ा।

इसी तरह दरिया नगर निवासी सर्वजीत सिंह को 0.318 किलोवाट, दरिया नगर निवासी काशीनाथ को 0.871 किलोवाट, दरिया नगर निवासी प्रभु दयाल को 3.439 किलोवाट व 0.338 किलोवाट की बिजली चोरी करते हुए पकड़ लिया।

अग्रणी भूमिका निभाने पर मिला सम्मान

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला इकाई के तत्वावधान में एक मिलेट (मोटे अनाज से तैयार उत्पाद) मेले का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

ब्लॉक सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि प्रदेश प्रवक्ता कल्पना बोरा ने कहा कि भाजपा ने महिलाओं के लिए राजनीति में जो 30 प्रतिशत आरक्षण दिया है उससे समाज की दिशा एवं दशा पूर्ण रूप से बदल जाएगी। कार्यक्रम में समाज में महिलाओं के उत्थान के लिए कार्य करने वाली महिलाओं में बॉक्सिंग के क्षेत्र में रेखा पांडे, मशरूम दीदी के रूप में प्रख्यात जानकी गोस्वामी, खेल जगत में सुषमा आर्या, साहित्य के क्षेत्र में कवित्री हेमा जोशी, मुर्गी पालन के क्षेत्र में आशा राणा, बुटीक के क्षेत्र में हीरा देवी, घरेलू उत्पाद के क्षेत्र में श्रीमंती देवी, कृषि के क्षेत्र में सीमा देवी, मछली पालन में कमला देवी, घरेलू उत्पादन व्यवसाय में मधुश्री को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजिका जिलाध्यक्ष डॉ. विनीता सक्सेना ने कहा कि महिलाओं की आबादी में भागीदारी भले ही 50 फीसदी है लेकिन वह अपनी जिम्मेदारी पूरी सौ फीसदी निभाती हैं। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश महामंत्री मोहिनी पोखरिया, पालिकाध्यक्ष रमेश जोशी, सांसद प्रतिनिधि रविंद्र राणा, जिला महामंत्री रमेश जोशी, स्वाति अग्रवाल, बिमला मुडेला, लता सिंह, चंचल सिंह, प्रति धीर, जिला महामंत्री प्रेमलता चौहान, जिला उपाध्यक्ष नीलू गुप्ता, जिला मंत्री घाना भंडारी, जिला कोषाध्यक्ष तारा बिष्ट मौजूद रहे।

खटीमा में महिलाओं को सम्मानित करते अतिथि।

महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. पूनम पांडेय को सम्मानित करतीं आयोजक।

महिला दिवस पर मातृशक्ति का सम्मान

बाजपुर : प्रगति प्रेरणा महिला समिति द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च न्यायालय की महाधिवक्ता एवं सांसद अजय भट्ट की धर्मपत्नी पुष्पा भट्ट, उपजिलाधिकारी डॉ. अमृता शर्मा, स्वयंसेविका आभा तिलारा और महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. पूनम पांडेय ने शिरकत की। वक्ताओं ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। समाज की प्रगति के लिए महिलाओं का सशक्त होना अनिवार्य है। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा मंडल मंत्री स्तुति गुप्ता, आभा तिलारा और तान्या भटनागर के संयुक्त प्रयास से किया गया, जबकि संचालन तारा शर्मा ने किया। कार्यक्रम में दुर्गा वाहिनी मातृशक्ति की जिला संयोजिका लता गोयल, समाजसेविका तान्या भटनागर, रेखा कालरा, कल्पना, खुशी, पवनजीत कौर, कमला शर्मा, रिया तलवार, अनीता राठी, अनामिका तलवार आदि मौजूद रहे।

नमाज की अनुमति देने की मांग

- सुन्नी जामा मस्जिद के शिष्टमंडल ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: खेड़ा बस्ती स्थित काबिज ईदगाह की भूमि का मुद्दा उठाते हुए सुन्नी जामा मस्जिद के बैनर तले एक शिष्टमंडल ने जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने खेड़ा स्थित सरकारी भूखंड पर ईद की नमाज पढ़ने की अनुमति देने का मुद्दा उठाया। साथ ही कहा कि धार्मिक भावनाओं को देखते हुए नमाज की इजाजत मिलनी चाहिए।

सोमवार को डीएम को सौंपे ज्ञापन में शिष्टमंडल ने कहा कि शहर की खेड़ा बस्ती स्थित ईदगाह की भूमि को सरकारी बताते हुए निगम व प्रशासन ने कब्जा कर लिया था, जबकि सत्यता यह है कि वर्षों से उसी भूखंड पर हजारों की तादाद में मुस्लिम समुदाय के लोग ईद की महज नमाज पढ़ते आ रहे है। भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण या फिर कब्जा नहीं हो रहा था।

उन्होंने बताया कि रमजान का महीना समाप्ति की ओर है और जल्द ही ईद का त्यौहार भी आने वाला है। ऐसे में ईद की नमाज केवल ईदगाह की भूमि पर ही पढ़ी जा सकती है जो कि सरकारी कब्जे में है। ऐसे में मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए भूखंड पर नमाज पढ़ने की इजाजत मिलनी चाहिए। इस मौके पर मौलाना जाहिद रजा रिजवी, मौलाना मुफ्ती दानिश मिस्बाही, हनीफ रिजवी, मुफ्ती सईद उर रहमान, समीर नूरी, आस मोहम्मद, कारी इकबाल, नौशाद आलम आदि मौजूद रहे।

डीएम नितिन सिंह भदौरिया को ज्ञापन देता शिष्ट मंडल। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

पेंशनर्स की मासिक बैठक का आयोजन

काशीपुर : पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक रेलवे स्कूल परिसर में आयोजित हुई। जिसमें महिला दिवस पर करीब आधा दर्जन महिलाओं को मंच पर बैठकर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रियंका शंकर सिंहा, अनीता सिंह, पूनम पाल, एम घोषाल आदि ने विचार व्यक्त किये। लीलावती, कनीजा फातिमा ने महिला दिवस पर महिलाओं को सम्मान देने पर आभार जताया। इस मौके पर एसपी गुप्ता, एसएस सिन्हा, सुरेश शर्मा, संजय कुमार राय, वीरेंद्र सिंह पाल, अमर सिंह, मदनपाल सिंह, राजीव पाल आदि मौजूद रहे।

होलिका दहन के दौरान युवकों पर किया हमला

काशीपुर : नगर के कवि नगर क्षेत्र में होलिका दहन के दौरान डांस कर रहे युवकों पर दबंगों ने लाठी-डंडों और सरियों से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में विमल चौहान नामक युवक के सिर पर सरिये से वार लगने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद हल्द्वानी रेफर किया गया है। पीड़िता मंजू वर्मा के अनुसार, पड़ोस के ही अभिषेक, उपेंद्र, दीपक और अंकित ने पिस्टल व सरियों से लैस होकर हमला किया। बीच-बचाव करने आई महिलाओं से भी मारपीट की गई और सोने की चेन झपट ली गई। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

चाकू के साथ एक धरा

काशीपुर : पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक चाकू बरामद कर आरोपित का आर्म्स एक्ट में चालान किया है। कुंडा कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान लवण्या हास्पिटल रोड से ग्राम धीमरखेडा निवासी शेर अली को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद किया है। पुलिस ने आरोपित का आर्म्स एक्ट में चालान किया है।

दो लोग गिरफ्तार

काशीपुर : कुंडेश्वरी पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से दो लोगों को गिरफ्तार कर 75 लीटर कच्ची शराब कर दोनों आरोपियों का आबकारी एक्ट में चालान किया है। पुलिस ने गश्त के दौरान किसान इंटर कालेज के सामने से शुभम को 25 लीटर व ग्राम जगतपुर से मनजिंदर सिंह को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 50 लीटर कच्ची शराब बरामद की। पुलिस ने दोनों आरोपितों का आबकारी एक्ट में चालान किया है।

दो करोड़ रु. से बनने वाली 10 सड़कों का शिलान्यास

महापौर दीपक बाली बोले- जो सड़कें रह गई वह भी जल्द बनेंगी

काशीपुर में सड़कों का शिलान्यास करते महापौर दीपक बाली। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः महापौर दीपक बाली ने एक ही दिन में दो वार्डों में 2 करोड़ 21 लाख रुपए की लागत से बनने वाली 10 सड़कों का शिलान्यास किया।

महापौर दीपक बाली ने वार्ड नंबर 9 खड़कपुर देवीपुरा में ग्रेवाल फॉर्म के पास टी पॉइंट से अर्जुन के मकान तक तथा ग्रेवाल फॉर्म के पास ही गली नंबर 4 में रामपाल के मकान से राम खिलाड़ी के मकान तक ग्रेवाल फॉर्म के पास ही गली नंबर 5 में रामवतार के मकान से संजय के मकान तक विंध्यवासिनी कॉलोनी में शेर सिंह यादव के मकान से सत्येंद्र सिंह के मकान तक दो रास्तों में एवं इसी कॉलोनी में मीना कुमारी के मकान से पुराने खड़ंजे तक तथा जसवंत के मकान के सामने से सर्वेश के मकान तक तथा वार्ड नंबर 10 में मैन बाजार से शिव मंदिर तक न्यू वैशाली कॉलोनी में सत्यम पैलेस मैन रोड से भावना के मकान तक व संलग्न रास्ते में हरिशंकर गंगवार के मकान तक लाइन पार टंकी वाली रोड पर बीना देवी के मकान से मनोज टेंट वाले के मकान तक वैशाली कॉलोनी में नहर वाली रोड से विनोद कुमार के घर तक व संलग्न रास्ते में अमित कुमार के घर तक नाली व सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष अर्जुन सिंह, पार्षद अंजना आर्य, शक्ति केंद्र संयोजक कुलवंत सिंह, राम सिंह, अभिषेक कुमार, अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

बुलेट और 5 लाख की मांग को लेकर घर से निकाला

काशीपुरः आईटीआई थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर निवासी एक विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। सीओ के निर्देश पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता परमजीत कौर के अनुसार, उसका विवाह 2021 में नानकमत्ता निवासी देवेंद्र सिंह के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही पति, जेठ, जेठानी और ननद-ननदोई ने बुलेट मोटरसाइकिल और 5 लाख रुपये की नकदी के लिए उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। पीड़िता ने बताया कि नवंबर 2025 में जब वह अपनी बुआ के साथ ससुराल पहुंची, तो आरोपियों ने उनके साथ अभद्रता की और जान से मारने की धमकी देकर बच्चों समेत घर से निकाल दिया।

नानकमत्ता पुलिस द्वारा सुनवाई न होने पर पीड़िता ने काशीपुर क्षेत्राधिकारी से न्याय की गुहार लगाई, जिसके बाद आईटीआई थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्राथमिकी पंजीकृत कर ली है।

अब मक्का उत्पादन से बढ़ेगी किसानों की आय

सेवा सहकारी समिति में मक्का उत्पादन की जानकारी देते डायरेक्टर सुधीर चौधरी।

संवाददाता, बाजपुर

- कहा-जल संरक्षण अभियान को भी मिलेगी मजबूती

अमृत विचारः रामराज रोड स्थित बहुउद्देश्यीय प्रथम किसान सेवा सहकारी समिति मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में क्रापवेल एग्रीजेन एलएलपी के डायरेक्टर सुधीर चौधरी ने मक्का उत्पादन को किसानों के लिए दोहरा लाभ बताया। उन्होंने कहा कि मक्का की खेती से न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि सरकार के जल संरक्षण अभियान को भी मजबूती मिलेगी।

सुधीर चौधरी ने बताया कि सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को सब्सिडी पर उन्नत मक्का बीज उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसकी खरीद यूसीएफ द्वारा सुनिश्चित की गई है। उन्होंने उन्नत हाइब्रिड किस्म सीडब्ल्यू-3105 की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह फसल 90 से 100 दिनों में तैयार हो जाती है और अनाज के साथ-साथ साइलेंज (चारे) के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। यह किस्म रोगों के प्रति सहनशील है और प्रति एकड़ 25 से 30 क्विंटल तक अनाज का उत्पादन दे सकती है। किसानों से अपील की गई कि पंजीकरण और बीज के लिए नजदीकी सहकारी समिति से संपर्क करें। इस दौरान बहु.प्रथम किसान सेवा सहकारी समिति लि.के प्रबंध निदेशक हेम कांडपाल, क्रापवेल एग्रीजेन एलएलपी के सेल्स मैनेजर अभिजीत सिंह और विक्रांत चौधरी भी मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थिति में अधेड़ ने गटका जहर, मौत

काशीपुरः संदिग्ध परिस्थिति में जहरीला पदार्थ खाने से एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

मोहल्ला कटरामालियान निवासी मनोज कुमार चंद्रा (55) बाजपुर में किराए के मकान में रहकर खाना का ठेला लगाता था। वह होली के बाद से मानसिक रूप से परेशान था। बीते रविवार की रात को घर में उसने किसी जहरीला पदार्थ को गटक लिया। जानकारी होने पर परिजन उसको बाजपुर के सरकारी अस्पताल ले गए।

जहां डॉक्टर ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए रेफर कर दिया। तब परिजनों ने उनको यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। सोमवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने बताया कि मनोज चंद्रा लगभग तीस वर्ष से बाजपुर में किराए के मकान पर रहकर खाने का ठेला लगाकर परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। आखिर किन कारणों से जहरीला पदार्थ गटका इसकी जानकारी नहीं हो सकी है।

शराब बनाने के उपकरण बरामद

काशीपुरः कच्ची शराब की कसीदगी करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से शराब बनाने के उपकरण समेत 21 लीटर कच्ची शराब बरामद की।

आईटीआई कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम बरखेड़ी में बहल्ला नदी किनारे कच्ची शराब की कसीदगी कर रहे ग्राम छोटी बरखेड़ी निवासी सुच्चा सिंह को मौके से गिरफ्तार कर कच्ची शराब बनाने के उपकरण 02 ड्रम लोहा, 04 प्लास्टिक पाइप, 02 एल्यूमिनियम के चकोर पाइप, 02 प्लास्टिक के पीले रंग के जार एवं 21 कच्ची शराब खाम बरामद की तथा मौके पर करीब 3 हजार लीटर लहन को नष्ट किया। पुलिस ने आरोपी का चालान किया है। पुलिस टीम में एएसआई रविंद्र सिंह, कांस्टेबल बलवंत सिंह शामिल रहे।

वन टीम पर हमला कर लोडर छुड़ा ले गए दबंग

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : उत्तराखंड के काशीपुर क्षेत्र में वन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। ताजा मामला रामनगर वन प्रभाग की कोसी रेंज के अंतर्गत गुलजारपुर बीट का है, जहां गश्त कर रही वन विभाग की टीम पर हमला कर दबंगों ने पकड़े गए एक प्रतिबंधित मॉडिफाइड ट्रैक्टर-लोडर को बलपूर्वक छुड़ा लिया। इस दौरान वन कर्मियों के साथ न केवल धक्का-मुक्की और अभद्रता की गई, बल्कि उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई।

बीट अधिकारी विमल चौधरी द्वारा कुंडा थाना क्षेत्र की कुंडेश्वरी चौकी पुलिस को दर्ज कराई रिपोर्ट के अनुसार, घटना 8 मार्च की दोपहर की है। जब वह अनुभाग अधिकारी सुरजीत सिंह रावत और अन्य विभागीय कर्मचारियों के साथ गुलजार बीट के प्रतिबंधित क्षेत्र में गश्त पर थे, तभी उन्हें एक संदिग्ध मॉडिफाइड लोडर आता दिखाई दिया। टीम ने घेराबंदी कर उसे रोक लिया और जब्त कर चौकी लाने लगे। आरोप है कि इसी दौरान कार सवार कुछ व्यक्ति मौके पर पहुंचे और वन टीम का रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने स्टाफ के साथ गाली-गलौज और मारपीट करते हुए जबरन ट्रैक्टर-लोडर को अपने कब्जे में ले लिया और मौके से फरार हो गए। वन टीम ने आरोपियों की पहचान गुरसेवक सिंह, लाडी, गुरजेंट सिंह और विक्रम सिंह के रूप में की है।

रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला

काशीपुरः कुंडा थाना क्षेत्र के ग्राम करनपुर में होली के दिन पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। आरोपियों ने युवक को घेरकर लाठी-डंडों और ईंट-पत्थरों से बुरी तरह पीटकर लहूलुहान कर दिया।

पीड़ित परमजीत सिंह के अनुसार, उसका साला निशान सिंह जब ग्राम प्रधान के घर के पास से गुजर रहा था, तभी पहले से घात लगाकर बैठे किशन, बबली, विशाल और उनके अज्ञात साथियों ने उसे रोककर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में निशान सिंह के हाथ-पैर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। शोर मचने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

22 महिलाओं को किया सम्मानित

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः करनपुर गांव में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सूर्या फाउंडेशन के तत्वावधान में सूर्या रोशनी लिमिटेड, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, तुलसी क्लस्टर, संजीवनी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं श्री सीमेंट के सहयोग से भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। इसके बाद स्वागत नृत्य, पहाड़ी नृत्य, पंजाबी गिद्दा एवं नारी शक्ति से जुड़े लोकगीतों की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। इसके साथ ही महिलाओं के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की 22 प्रेरणादायी महिलाओं को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया तथा संजीवनी हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया।

काशीपुर में महिलाओं को सम्मानित करते मुख्य अतिथि वीरेंद्र दत्त सेमवाल।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वीरेंद्र दत्त सेमवाल उपाध्यक्ष, उत्तराखंड हथकरघा एवं हस्तशिल्प कला विकास परिषद रहे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. शैलेन्द्र मोहन सिंघल पूर्व विधायक, जसपुर, अनुप कौर ब्लॉक प्रमुख जसपुर, मनोज पाल जिला अध्यक्ष भाजपा, राजकुमार गुंबर मंडल अध्यक्ष भाजपा, मुकेश चावला, चरनजीत सिंह चन्नी जिला पंचायत सदस्य, हरिओम सुधा ग्राम प्रधान करनपुर, सचिन बाटला पूर्व ग्राम प्रधान गढ़ीनेगी तथा प्रमोद आसरे प्रमुख, सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना उपस्थित रहे।

कुमाऊं

रानीखेत के चिलियानौला में कार्यक्रम में मौजूद अतिथि व महिलाएं। ● अमृत विचार

महिलाओं की गायन प्रतियोगिता आयोजित

रानीखेत : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर चिलियानौला में एक स्वैच्छिक संस्था की ओर से महिला समागम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने समूह गायन और नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। चिलियानौला स्थित प्राचीन शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान समूह गायन और नृत्य प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें प्रतिभागी महिलाओं ने अपनी कला का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि उपस्थित बीडीसी सदस्य व भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री विमला रावत तथा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कल्पना देवी ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर चिलियानौला व्यापार मंडल अध्यक्ष कमलेश बोरा, सभासद सुंदर सिंह कुवार्बी, मनीष सद्भावना, पूर्व सभासद वीना नेगी, सुनीता डावर, रेखा आर्या, विनोद जोशी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

पर्यावरण मित्रों ने किया प्रदर्शन

- कूड़े को लेकर भाजपा नेता और पर्यावरण मित्रों में हुआ था विवाद
- मामले में कार्रवाई की मांग उठाई आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः भाजपा नेता और पर्यावरण मित्रों के बीच हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को पर्यावरण मित्रों ने भाजपा नेता के खिलाफ प्रदर्शन कर नगर निगम से कार्रवाई करने की मांग की।

नगर के जौहरी बाजार में कूड़े को लेकर भाजपा नेता और पर्यावरण मित्रों के विवाद हो गया था। मामले में पूर्व में भाजपा नेता ने नगर आयुक्त को शिकायती पत्र सौंपकर पर्यावरण मित्रों पर एससीएसटी एक्ट में फंसाने का आरोप लगाया था। इधर, शिकायत के बाद पर्यावरण मित्र भड़क उठे। उन्होंने भाजपा नेता के सभी आरोपों को झूठा बताया। इधर, सोमवार को पर्यावरण मित्रों ने नगर निगम परिसर में प्रदर्शन किया। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री राजपाल पवार ने कहा कि पर्यावरण मित्र नियमित रूप से हर वार्ड में कूड़ा उठाने का कार्य कर रहे हैं, लेकिन भाजपा नेता की ओर से सोशल मीडिया में अनर्गल बयानबाजी कर आरोप लगाने का काम रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता पर्यावरण मित्रों को बेवजह परेशान करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने नगर निगम से मामले में कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर दीपक चंदेल, राजेश टाक, सतीश कुमार, दीपक सैलानी, घनश्याम, दर्शन चंदेल, राजेंद्र पवार, भूपेंद्र, शक्ति, नरेश, राजेश खत्री, प्रदीप, चंद्रपाल, अशोक पवार आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा नगर निगम में प्रदर्शन करते पर्यावरण मित्र। ● अमृत विचार

लक्ष्मी आश्रम के सेवक डेविड होपकिंस का निधन

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचारः मूल रूप से इंग्लैंड निवासी व कौसानी स्थित लक्ष्मी आश्रम के सेवक डेविड होपकिंस का निधन हो गया है। वे 80 वर्ष के थे। उनके निधन पर विभिन्न संगठनों ने शोक व्यक्त किया है।

डेविड (फाइल फोटो)।

इंग्लैंड निवासी डेविड होपकिंस वर्ष 1972 में एक पर्यटक के रूप में कौसानी आए थे। यहां लक्ष्मी आश्रम में चलने वाली सेवा को देखकर वे काफी प्रभावित हुए और यहां सेवक के रूप में कार्य करने लगे। उन्होंने बालिका शिक्षा व महिला स्वावलंबन के साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी काम करना शुरू कर दिया। यहां रहकर उन्होंने पर्यावरण और नदी बचाओ आंदोलनों में प्रतिभाग किया। साथ ही स्वच्छता के क्षेत्र में विभिन्न क्रियाकलापों में सक्रिय भूमिका में रहे। वर्ष 1986 में उन्होंने हंसी साह से विवाह किया। उन्होंने सरला बहन की आत्मकथा का अंग्रेजी अनुवाद भी किया।

उन्होंने सोमवार सुबह 80 साल की उम्र में अपना देह त्याग दिया। उनके निधन पर होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष बबलू नेगी, विपिन उप्रेती, बीडी जोशी, गिरीश कांडपाल, लक्ष्मी आश्रम की राधा बहन, गीता बहन, हरीश जोशी ने दुख व्यक्त किया है।

जनता मिलन में दर्ज हुईं 83 शिकायतें

चम्पावतः जिला कार्यालय सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में 'जनता मिलन' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दूरदराज क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याएं डीएम के समक्ष रखीं।

इस दौरान कुल 83 शिकायतें दर्ज की गईं। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को मामलों का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो प्रकरण तत्काल निस्तारित हो सकते हैं, उनका मौके पर समाधान किया जाए, जबकि शेष मामलों में निर्धारित समयसीमा के भीतर आख्या प्रस्तुत की जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती, अपर जिलाधिकारी कृष्णनाथ गोस्वामी मौजूद रहे।

मोहल्लों में सीसीटीवी लगाने की मांग उठी

अल्मोड़ा : रेडक्रॉस सोसायटी के पदाधिकारियों ने सोमवार को एसएसपी चंद्रशेखर घोड़के से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने एसएसपी से नगर की सुरक्षा व्यवस्था समेत तमाम समस्याओं पर चर्चा की। वहीं, नगर के विभिन्न मोहल्लों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग उठाई।

इस मौके पर रेडक्रॉस सोसायटी के पदाधिकारियों ने कहा कि नगर के कई सुनसान व संवेदनशील स्थान है। ऐसे में इन स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सीसीटीवी कैमरा लगाने की जरूरत है। वहीं, पदाधिकारियों ने शहर में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने की भी मांग की। इसके अलावा जरूरत मंदों की मदद और आपातकालीन स्थितियों को लेकर चर्चा हुई।

नियमों के उल्लंघन पर 97 लोगों पर कार्रवाई

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः जिलेभर में पुलिस ने यातायात चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान नियमों के उल्लंघन पर 97 लोगों पर चालानी कार्रवाई की गई।

एसएसपी चंद्रशेखर घोड़के ने त्योहारी सीजन के दृष्टिगत सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। इसी क्रम में पुलिस टीम ने जिलेभर के अलग-अलग स्थानों में चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग अभियान के दौरान दोषपूर्ण नंबर प्लेट, वाहन के खिड़कियों के शीशों पर काली फिल्म लगाने वालों व यातायात नियमों का उल्लघंन करने वाले कुल 97 वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की गई। साथ ही सभी टैक्सी, बस चालकों को सुरक्षित ड्राईविंग के लिये क्षमता से अधिक सवारी न बिठाने, नशे में वाहन न चलाने, खतरनाक तरीके से वाहन न चलाने आदि उचित हिदायतें दी गई। यात्रियों से अपील की गई कि कोई वाहन चालक ओवर लोडिंग, नशे में वाहन चलाता है या खतरनाक तरीके से वाहन चलाता है तो उसकी शिकायत तत्काल डायल 112 में करे। यहां अभियान में सीओ सदर गोपाल दत्त जोशी शामिल रहे।

भाजपा में महिलाओं के हित सुरक्षित

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचारः भाजपा महिला मोर्चा द्वारा सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के तहत बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर मोर्चे की प्रदेश उपाध्यक्ष किरण पंत ने कहा कि भाजपा में ही महिलाओं के हित सुरक्षित हैं।

पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा गोस्वामी ने सरकार द्वारा महिलाओं के लिये कार्यों की जानकारी दी। सम्मेलन में उत्तराखंड में महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष किरन पंत ने कहा कि महिलाओं के हितों के लिये भाजपा गंभीर है।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष किरण पंत का स्वागत करतीं पदाधिकारी।

भाजपा जिला अध्यक्ष प्रभा गढ़िया ने आगन्तुकों का आभार व्यक्त करते हुए चुनावों की तैयारी में जुटने की अपील की। इस अवसर पर जिला महामंत्री संजय परिहार एवं घनश्याम जोशी समेत महिला मोर्चा के महामंत्री भावना गड़िया, सुनीता टमटा, जिला उपाध्यक्ष सविता नगर कोटी, जिला मंत्री विमला कप कोटी, महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष आशा फुलारा भावना रावत, सरिता पपोला, उर्वशी गढ़िया, लीला आर्य, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बसंती देव, पूर्व ब्लाक प्रमुख रेखा खेतवाल व हेमा बिष्ट, प्रेमा कोरंगा, अनु मोर्चा के उपाध्यक्ष मथुरा प्रसाद आदि उपस्थित रहे। सम्मेलन में शिक्षा, खेल, साहसिक कार्य, महिला समूह, स्वच्छता, उद्यान आदि कार्यों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 25 महिलाओं को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किये गये।

बाल मुंडन के नाम पर की जा रही लूट खसोट

संवाददाता, टनकपुर

- ग्राम प्रधान ने डीएम सहित अन्य अधिकारियों को भेजा ज्ञापन

अमृत विचारः मां पूर्णागिरि मेले के दौरान बाल मुंडन संस्कार के लिए आने वाले श्रद्धालुओं से लूट खसोट करने का आरोप लगा है।

उचौलीगोठ के पूर्व ग्राम प्रधान सुरेश महर ने जिलाधिकारी, एसपी, जिला पंचायत के एएमए व जिला पंचायत अध्यक्ष को ज्ञापन भेजकर कहा है कि ठेकेदार की ओर से बाल मुंडन की निर्धारित राशि से दोगुने रुपये वसूले जा रहे हैं। उन्होंने मामले की जांच कर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की है। पूर्व ग्राम प्रधान का कहना है कि बाल मुंडन के लिए प्रशासन की ओर से 151 रुपये शुल्क तय किया था, लेकिन 302 रुपये वसूले जा रहे है। इससे श्रद्धालुओं की न केवल जेब कट रही है, बल्कि उनकी आस्था से भी खिलवाड़ हो रहा है। ज्ञापन में उन्होंने मुंडन स्थल पर निगरानी के लिए सीसीटीवी लगवाने और मुंडन दर का लाउड स्पीकर से प्रचार करने का आग्रह किया है, ताकि श्रद्धालुओं को ठगने से बचाया जा सके। इस मामले को लेकर तमाम हिंदूवादी संगठनों ने भी नाराजगी जताई है। उन्होंने जिला प्रशासन व मेला आयोजकों से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की पुरजोर वकालत की है।

अमृत विचार

मंगलवार, 10 मार्च 2026

जिंदगी में दो तरह की ट्रेजिडी हैं। एक है अपने दिल की ख्वाहिश खो देना और दूसरी है उसे पा लेना।
–जॉर्ज बर्नाड शॉ, आयरिश लेखक

क्रिकेट शिखर पर तिरंगा

भारतीय क्रिकेट ने वह कर दिखाया, जो अब तक इस क्षेत्र में असंभव माना जाता था। 2024 में बारबाडोस की जीत के बाद, 2026 में खिताब को सफलतापूर्वक डिफेंड करना न केवल भारतीय टीम के कौशल को दर्शाता है, बल्कि यह विश्व क्रिकेट में भारत के पूर्ण वर्चस्व की घोषणा भी है। 2007, 2024 और 2026 के तीन टी-20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने वाला पहला देश बनकर टीम इंडिया ने विश्व क्रिकेट के शिखर पर अपना तिरंगा गहराई तक गाड़ दिया है। विश्व विजेता बनने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बधाई मात्र शिष्टाचार नहीं, उस 'स्पोर्टिंग कल्चर' की स्वीकारोक्ति और सराहना है, जिसे देश ने हाल के वर्षों में आत्मसात किया है।

भारत का यह वर्चस्व रातों-रात नहीं आया है। इसके पीछे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की कुशल प्रबंधन रणनीति और सरकार का खेल-अनुकूल दृष्टिकोण रहा है। आज भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट ढांचा है। बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी, 40 एकड़ में फैली 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' जो दुनिया का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट प्रशिक्षण केंद्र है, जिसमें 45 पिचें, इनडोर सुविधाएं और रिकवरी सिस्टम हैं। इसके अलावा छोटे शहरों तक फैले अत्याधुनिक स्टेडियमों, स्तरीय कोचिंग केंद्रों ने भी प्रतिभाओं को निखारने का काम किया है। आईपीएल ने भारतीय खिलाड़ियों को दबाव सोखने और अंतर्राष्ट्रीय दिग्गजों के साथ खेलने का जो अनुभव प्रदान किया, उसी का परिणाम है कि आज भारत के पास एक नहीं, बल्कि तीन अलग-अलग 'ए' श्रेणी की टीमें तैयार हैं। इन्ही सब के चलते 19 बरस से कम क्रिकेटरों के भी विश्वविजेता हम ही हैं तथा महिला क्रिकेट भी बेहद तेजी से प्रगति कर रहा है। उसके पास भी विश्व खिताब है। आज आक्रामक क्रिकेट और डाटा एनालिटिक्स के इस्तेमाल ने भारत को आधुनिक क्रिकेट का अगुआ बना दिया है। यह नया खिताब इस बात की तस्दीक करता है कि भारतीय टीम अब केवल प्रतिभा पर नहीं, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था पर टिकी है, जो चैंपियंस पैदा करना जानती है। भारत अब क्रिकेट का सबसे बड़ा बाजार ही नहीं, वह विश्व क्रिकेट का 'पॉवर हाउस' है। भारत के दमदार और आकर्षित करने वाले प्रदर्शनों ने एशियाई उपमहाद्वीप में ही नहीं संसार भर में इस खेल के प्रति लोगों का आकर्षण और लोकप्रियता को बढ़ाया है। भारत की सफलता ने ओलंपिक जैसे वैश्विक मंचों पर क्रिकेट को शामिल करने की राह को और अधिक पुख्ता किया है, जिससे 2028 के ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी पक्की हुई। यह कहना उचित ही है कि भारतीय क्रिकेट वित्तीय शक्ति और मैदानी वर्चस्व का दुर्लभ संगम है।

यह जीत छोटे शहरों के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और इससे निचले स्तर पर भी इस खेल में निवेश तेजी से बढ़ेगा। निःसंदेह इससे भारतीय क्रिकेट की आर्थिक स्थिति और मज़बूत होगी। उसकी ब्रांड वैल्यू भी बढ़ेगी। कुल मिलाकर 'विजेता मानसिकता' की स्थापना करने वाली यह जीत आने वाले कई दशकों तक क्रिकेट और अन्य भारतीय खेलों के लिए मार्गदर्शक बनी रहेगी, इसके मार्गदर्शन में ऐसी विश्वस्तरीय उपलब्धियां हासिल होती रहेंगी।

प्रसंगवश

मां न बनने का साहस व मातृत्व का नया विमर्श

कृति जैन
लेखिका

जिस दिन कोई युवती यह कह देती है, 'मुझे मां नहीं बनना', उस दिन समाज की सबसे सुरक्षित मान्यता असुरक्षित हो जाती है। यह वाक्य भावनाओं से नहीं, चेतना से पैदा होता है, इसलिए डराता है। यह उस अदृश्य स्क्रिप्ट को जला देता है, जिसमें स्त्री का भविष्य जन्म के साथ ही लिख दिया गया था। लोग चौंकते इसलिए हैं कि पहली बार स्त्री अपनी देह को विरासत नहीं, निर्णय का क्षेत्र घोषित करती है। यह इंकार न तो आक्रामक है, न ही विद्रोही दिखता है, फिर भी यह सबसे गहरी बगावत है, क्योंकि यह बिना चीखे, बिना अनुमति मांगे, व्यवस्था के केंद्र में सीधा सवाल खड़ा कर देता है।

सदियों से स्त्री को यह पाठ पढ़ाया गया कि उसका अस्तित्व स्वयं के लिए नहीं, दूसरों की जरूरतों के लिए है। पहले परिवार, फिर पति और अंततः संतान के लिए। मातृत्व को इतना ऊंचा उठाया गया कि उसके भार तले स्त्री की पहचान दबकर रह गई। उसे सिखाया गया कि त्याग उसका सौंदर्य है और सहनशीलता उसका स्वभाव। आज की बेटियां इसी शिक्षा को जांच की निगाह से देख रही हैं। वे पूछ रही हैं, यदि त्याग ही स्त्री की नियति है, तो पुरुष की नियति क्या है? यह प्रश्न किसी एक भूमिका पर नहीं, बल्कि पूरी सामाजिक संरचना पर सीधा प्रहार करता है।

शिक्षा ने इन सवालों को भाषा दी है और चेतना ने उन्हें निडरता। आज की युवा महिलाएं जीवन को केवल निभाने की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीने का अधिकार मानती हैं। वे जानती हैं कि मातृत्व भावनाओं का उत्सव भी हो सकता है, लेकिन प्रायः यह अदृश्य श्रम, लगातार थकान और स्वयं से मिटते जाने की प्रक्रिया भी बन जाता है। वे साफ देखती हैं कि बराबरी के दावे संकट के समय सबसे पहले टूटते हैं। जब मातृत्व की कीमत एकतरफा वसूली जाए, तब उससे इंकार स्वार्थ नहीं, बल्कि न्याय की मांग बन जाता है।

आर्थिक यथार्थ इस निर्णय को और ठोस बना देता है। आज का समय महंगा है, अनिश्चित है और अस्थिर है। एक बच्चे का पालन-पोषण अब केवल प्रेम का विस्तार नहीं, बल्कि वर्षों तक चलने वाला आर्थिक दबाव है। नौकरी छोड़ना, अवसर खोना और निर्भरता स्वीकार करना अब भी ज़्यादातर स्त्रियों के हिस्से आता है। युवा महिलाएं इस गणित को भावनाओं से नहीं, विवेक से हल करती हैं। वे पूछती हैं, क्या मातृत्व का अर्थ आर्थिक असुरक्षा को स्थायी बनाना होना चाहिए? यह सवाल सुंदर नहीं, लेकिन सच है।

मानसिक स्वास्थ्य वह सच है जिसे सबसे लंबे समय तक दबाया गया। मां को देवी बनाकर उसकी थकान को अदृश्य कर दिया गया। प्रसवोत्तर अवसाद, अकेलापन और हर हाल में 'अच्छी मां' बने रहने का दबाव वर्षों तक मौन में छिपा रहा। नई पीढ़ी की महिलाएं इस चुप्पी को तोड़ रही हैं। वे स्वीकार कर रही हैं कि हर स्त्री मां बनने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं होती और यह स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस है। वे साफ कहती हैं, यदि मातृत्व के नाम पर स्वयं को खोना पड़े, तो स्वयं को बचाना अधिक ज़रूरी है।

'बेटियां जो मां नहीं बनना चाहतीं' कोई क्षणिक फैशन नहीं, बल्कि चेतना की नई क्रांति है। यह बदलाव असहज है, क्योंकि यह उन गहरी और पक्की मान्यताओं को चुनौती देता है जिनमें समाज ने सदियों तक स्त्री को बाँध रखा था। इतिहास सिखाता है कि हर बड़ा परिवर्तन पहले बेचैनी और अव्यवस्था लाता है। आज की बेटियां केवल इतना पूछ रही हैं, क्या स्त्री का मूल्य उसकी कोख से तय होगा, या उसके विचार, उसकी चेतना और उसकी स्वतंत्रता से? इसका जवाब समय ही देगा।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

टीम इंडिया ने पूरे भारत को दिया जश्न का मौका

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

शाबाश! चैंपियन टीम इंडिया। एकतरफा फाइनल मैच में न्यूजीलैंड को हराकर टी20 का विश्व कप लगातार दूसरी व कुल तीसरी बार जीतने वाली टीम को हार्दिक बधाई। भारत को गौरवान्वित करने वाले हमारे क्रिकेटरों को दिल से सलाम। हर तरह की पिच पर विश्व स्तरीय बॉलिंग-बैटिंग और फुर्तीली फील्डिंग कर आपने क्रेजी भारतीय दर्शकों का 'मन मयूर' कर दिया। आपने मैदान पर अपने धैर्य, आक्रमण व जुझारूपन की मिसाल पेश की। आपकी जांबाजी का लोहा क्रिकेट जगत आंख मूंद कर मानने को अब बेबस है। भारतीय टीम बेशक 'चैंपियन आफ चैंपियंस' है। टी20 विश्व कप का खिताब पुनः दिलाकर आपने भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को इतराने का सुनहरा अवसर देने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

यह खिताबी जीत भारतीय जोश व एकता की विजय का प्रतीक है, जिसने पूरे देश को गर्व तथा उन्माद से भर दिया। न्यूजीलैंड पर जीत के बाद भारत खुशी से सराबोर है। पूरे देश में जश्न मनाते क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह तो देखते ही बन रहा। टीम इंडिया के जांबाजों ने मैदान पर क्रिकेट को जीवंत तो किया ही, टी20 क्रिकेट को नई राह भी दिखा दी है। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हुए टी20 विश्व कप के लगातार दो मैचों में 250 रन से ऊपर का स्कोर बना। टीम इंडिया ने पूरे जहान को बता दिया कि वह इस प्रारूप को अभी और ऊपर ले जाएगी।

फटाफट क्रिकेट की धार और पैनी करेगी। क्रिकेट भले ही इंग्लैंड का राष्ट्रीय खेल है, लेकिन इसका असल जादू तो भारत में ही सिर चढ़कर बोलता है। यहां क्रिकेट की सनक वैसे ही है, जैसे लैटिन अमेरिका व यूरोप के देशों में फुटबाल। अमेरिका में बॉस्केटबाल व बेसबाल, क्यूबा में मुक्केबाजी, न्यूजीलैंड व दक्षिण अफ्रीका में रग्बी तथा कैरेबियाई देश जमैका में ट्रैक एंड फील्ड को जिस प्रकार 'अनौपचारिक धर्म' माना जाता है। उसी प्रकार क्रिकेट को भारत में धर्म सरीखा ही माना जाता है।

हमारे देश में क्रिकेट महज एक खेल ही नहीं, वरन एक सांस्कृति स्वरूप है, धर्म मानिंद है। कश्मीर से कन्याकुमारी तथा सिलचर से लेकर काठियावाड़ तक यह खेल करोड़ों भारतीयों में एका का भाव भरता है। भाषा व रहन-सहन के अंतर को मिटाकर यह खेल एकजुटता की राह दिखाता है। वर्ष 1983 में कपिलदेव की कप्तानी वाली भारतीय टीम की वेस्टइंडीज पर खिताबी जीत को भला भारत का कौन क्रिकेट प्रेमी नहीं जानता होगा? उक्त वर्ष विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम ने देश में क्रिकेट के प्रति दीवानगी को एक नया आयाम दिया था। विश्व स्तरीय टूर्नामेंट्स जीतने तथा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने इस 'अनौपचारिक धर्म' वाले खेल को भारत में घर-घर तक पहुंचा दिया है।

यह कहना समीचीन है कि क्रिकेट हमारे देश को एकजुट करने वाली शक्ति बन चुका है। यह खेल हमें अटूट बंधन में बांधता है। अपनेपन, भाईचारे व सच्चे प्रेम के भाव से ओतप्रोत करता है... और हो भी क्यों न? क्रिकेट मैच देखते समय कोई भारतीय आपसे आपके धर्म या पेशे के बारे में नहीं पूछता, क्योंकि क्रिकेट देखते समय आप में सिर्फ और सिर्फ राष्ट्र भक्ति की भावना ही रहती है। हमारे देश में क्रिकेट घावों को भरने, क्षमा करने व एकजुट करने की अद्भुत शक्ति प्रदान करता है।

यह कहना अतिश्योक्ति नहीं कि टीम इंडिया आज विश्व की सफलतम टीमों में से एक है। इसने दो क्रिकेट विश्व कप, तीन टी-20 विश्व कप, तीन चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर अपनी झोली भरी है। टीम इंडिया वर्ष 1984 से वर्ष 2025 तक कुल नौ बार एशिया कप भी जीत चुकी है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में दो बार उपविजेता रही है। हमारे पुरुष खिलाड़ी तो कमाल के हैं ही, हमारी महिला खिलाड़ियों ने भी पिछले वर्ष महिला क्रिकेट विश्व कप जीतकर आह्लादित करने का मौका दिया है। जान लें, वर्ष 1932 में इंग्लैंड के दौरे पर टेस्ट क्रिकेट खेलने वाली छठी राष्ट्रीय टीम बनी थी इंडिया। सीके नायडू की कप्तानी में भारत ने अपना पहला टेस्ट मैच इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेला था।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय क्रिकेट टीम के दो यादगार पलों को याद करना यहां ठीक रहेगा। पहला, वर्ष 1952 में मद्रास में उसने इंग्लैंड को एक पारी से हराकर अपनी पहली टेस्ट जीत दर्ज की थी। दूसरा, भारत ने वर्ष 1971 में इंग्लैंड में पहली बार टेस्ट सीरीज जीती थी। 1970 के दशक से लेकर आजतक भारतीय क्रिकेट टीम अनेकानेक दौर से गुजरी है। परंपरागत क्रिकेट का स्थान आज पेशेवर क्रिकेट ने ले लिया है। आज क्रिकेट के लिए भारतीय बाजारों ने भी अपने खजाने का मुंह खोल दिया है। कभी पैसों की राह ताकने वाला बीसीसीआई आज दुनिया की सबसे बड़ी अर्थ प्रधान खेल संस्थाओं में से एक बन चुकी है। बाजार हमारे उम्दा क्रिकेटरों को धन संपन्न बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा।

आईपीएल व आईसीसी टूर्नामेंट जैसे बड़े क्रिकेट आयोजन करोड़ों प्रशंसकों को आकर्षित करते हैं, जिससे उपभोग, मीडिया में दर्शकों की संख्या में वृद्धि होती है और निवेशकों के व्यवहार पर भी इसका असर पड़ता है। अरबों डालर के मीडिया अधिकार, विज्ञापन की होड़, उपभोक्ता खर्च में उछाल भारत में क्रिकेट की व्यावसायिकता के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। खैर, क्रिकेट पंडितों के सारे कयासों को धता बताने वाली टीम इंडिया की टी20 विश्व कप की ऐतिहासिक जीत पर ढेरों शुभकामनाएं। सूर्य कुमार यादव के कुशल नेतृत्व, संजू सैमसन समेत मध्य क्रम के बैट्समैन की धाकड़ बल्लेबाजी, जसप्रीत बुमराह की धारदार गेंदबाजी तथा टीम के अन्य खिलाड़ियों के फलदायी योगदान ने समूचे भारत का मान पुनः बढ़ाया है।

> टीम इंडिया आज विश्व की सफलतम टीमों में से एक है। इसने दो क्रिकेट विश्व कप, तीन टी-20 विश्व कप, तीन चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर अपनी झोली भरी है। टीम इंडिया वर्ष 1984 से वर्ष 2025 तक कुल नौ बार एशिया कप भी जीत चुकी है।

आमने सामने

मैं यह बात सभी से कह रही हूं कि जो लोग अब टीएमसी के साथ नहीं हैं, वे बंगाली नहीं हैं। उन्हें बंगाल में रहने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि ममता दीदी बंगाल की जनता के लिए यह लड़ाई लड़ रही हैं।
–महुआ मोइत्रा
टीएमसी नेता
पश्चिम बंगाल

टीएमसी का मतलब तानाशाही, मानसिकता और संस्कृति है। महुआ मोइत्रा के बयान से इंदिरा गांधी की उसी तानाशाही मानसिकता की बू आती है। इंदिरा गांधी ने एक बार कहा था, भारत इंदिरा है, इंदिरा भारत है। आज महुआ मोइत्रा कह रही हैं, टीएमसी बंगाली है, बंगाली टीएमसी है।
–शहजाद पूनावाला
भाजपा प्रवक्ता

कैसे बदला बिहार की राजनीति का केंद्र

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय राजनीति के कैनवास पर कुछ घटनाएं ऐसी होती हैं, जो एक पूरे युग के अवसान की समाप्ति का संकेत बन जाती हैं। बिहार की सत्ता के शिखर पर लगभग दो दशकों तक अडिग रहने वाले नीतीश कुमार का अचानक राज्यसभा की ओर रुख करना राजनीति के उसी बदलते अध्याय का एक निर्णायक संकेत है। होली के अगले दिन सोशल मीडिया पर एक संक्षिप्त पोस्ट के माध्यम से उन्होंने घोषणा की कि वे राज्यसभा जा रहे हैं। उन्होंने इसे अपनी 'व्यक्तिगत अभिलाषा' बताते हुए कहा कि वे लोकसभा, विधानसभा और विधानपरिषद का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और अब उच्च सदन में जाने की इच्छा रखते थे, परंतु राजनीति केवल इच्छाओं से संचालित नहीं होती। सत्ता की गलियारों में फैसले अक्सर उन समीकरणों से तय होते हैं, जिनकी परछाई जनता को बहुत देर से दिखाई देती है, इसलिए यह प्रश्न स्वाभाविक है कि महज तीन महीने पहले बहुमत के साथ दसवीं बार मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार आखिर अचानक बिहार की सत्ता क्यों छोड़ रहे हैं?

सतह पर दिखने वाली कहानी और वास्तविक राजनीतिक कथा में अक्सर गहरा अंतर होता है। यदि केवल औपचारिक बयान को सच मान लिया जाए तो एक वरिष्ठ नेता का उच्च सदन में जाना एक सामान्य राजनीतिक निर्णय लगता है, लेकिन जब घटनाक्रम की परतें खोली जाती हैं, तो एक अलग तस्वीर उभरती है। होली से दो दिन पहले तक न तो जदयू में और न ही बिहार की राजनीति में यह चर्चा थी कि नीतीश कुमार राज्यसभा जा सकते हैं। पार्टी की ओर से जिन दो नामों पर सहमति बन चुकी थी, उनमें एक रामनाथ ठाकुर का था और दूसरा नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार का। निशांत के राजनीति में प्रवेश की चर्चा पिछले एक वर्ष से चल रही थी और हाल के दिनों में जदयू के वरिष्ठ मंत्रियों ने भी सार्वजनिक रूप से संकेत दिए थे कि होली के बाद वे सक्रिय राजनीति में उतर सकते हैं।

ऐसा लग रहा था कि नीतीश अपनी राजनीतिक विरासत को धीरे-धीरे अपने पुत्र के हाथों में सौंपने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन तीन मार्च की दोपहर के बाद अचानक राजनीतिक माहौल बदलने लगा। जदयू की राज्यसभा उम्मीदवारों की सूची जारी होने में देरी हुई और सत्ता के गलियारों से खबर आने लगी कि भाजपा की ओर से स्पष्ट संदेश दिया गया है कि अब समय आ गया है कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद छोड़ दें। यही वह क्षण था, जब बिहार की राजनीति की दिशा बदल गई। बताया जाता है कि इस संदेश के बाद मुख्यमंत्री आवास में गहन मंथन शुरू हुआ। सत्ता हस्तांतरण की संभावना पहले से मौजूद थी, लेकिन जिस तरह से यह अचानक हुआ, उसके लिए शायद खुद नीतीश भी तैयार नहीं थे।

इस राजनीतिक बदलाव की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव के बाद ही यह स्पष्ट हो गया था कि बिहार की राजनीति में शक्ति संतुलन बदल चुका है। उस चुनाव में जदयू को केवल 43 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा 74 सीटों के साथ बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। फिर भी भाजपा ने उस समय नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाए रखा। यह निर्णय राजनीतिक शिष्टाचार से अधिक रणनीतिक था। भाजपा जानती थी कि बिहार में अभी भी नीतीश का सामाजिक आधार मजबूत है, विशेषकर अति पिछड़ा वर्ग और महिलाओं के बीच, इसलिए सत्ता का औपचारिक नेतृत्व उन्हें सौंपकर भाजपा ने अपने राजनीतिक विस्तार की रणनीति जारी रखी, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट था कि यह व्यवस्था स्थायी नहीं है।

समय के साथ संकेत मिलने लगे कि सत्ता का वास्तविक केंद्र धीरे-धीरे बदल रहा है। गृह विभाग भाजपा के पास चला गया, राज्य सरकार में भाजपा की भूमिका बढ़ती गई और जदयू के भीतर भी नेतृत्व का संतुलन बदलने लगा। सम्राट चौधरी को उपमुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने यह संकेत भी दे दिया कि भविष्य की राजनीति में उसकी भूमिका निर्णायक होगी। यही कारण है कि कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना किसी आकस्मिक निर्णय का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे समय से तैयार हो रही राजनीतिक पटकथा का अंतिम दृश्य है।

बिहार में इस परिवर्तन ने प्रदेश की राजनीति में नई बहस को जन्म दिया है। एक महत्वपूर्ण प्रश्न जदयू के भविष्य से जुड़ा है। पार्टी लंबे समय तक नीतीश कुमार के व्यक्तित्व के इर्द-गिर्द संगठित रही है। पार्टी के भीतर ऐसा कोई दूसरा नेता नहीं उभर पाया, जो समान प्रभाव रखता हो। यदि नीतीश सक्रिय राजनीति से धीरे-धीरे दूरी बनाते हैं, तो जदयू के सामने नेतृत्व संकट पैदा होना स्वाभाविक है। निशांत कुमार इस चुनौतीपूर्ण राजनीतिक वातावरण में कितनी दूर तक जा पाएंगे यह अभी स्पष्ट नहीं है। राजनीति का एक कठोर सत्य यह है कि कोई भी दौर स्थायी नहीं होता। कभी बिहार की राजनीति लालू प्रसाद यादव के इर्द-गिर्द घूमती थी, फिर वह केंद्र नीतीश कुमार बन गए। अब एक नए दौर की शुरुआत हो रही है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

> नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना सत्ता संतुलन, गठबंधन की मजबूरियां और बदलती रणनीतियों के बीच बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत है।

सोशल फोरम

बदल गए युद्ध के वार

रिबोर्न मनीष
ब्लॉगर

युद्ध के हथियार नही बदले... युद्ध के वार भी बदल गए हैं।

पहला विश्वयुद्ध सीमाओ पर लड़ा गया। ट्रेंच में, बंदूकों और शेल से। दूसरा विश्वयुद्ध शहरों के अंदर आ गया। लोगों ने अपने चौक-चौराहों पर विदेशी बूट बजते देखे।

और जब राजधानी तक पंहुचा तो युद्ध खत्म हो गया।

अब युद्ध राजधानी से ही शुरू होता है।

प्रिसिजन बॉम्बिंग, जीपीएस, और ड्रोन ने इंडिविजुअल किलिंग को महज वीडियो गेम बना दिया है।

शत्रु किसी देश की जनता नहीं होती, राजनेता होते हैं। तमाम टेक्नोलॉजी के बावजूद यह मॉरल बंधन बना हुआ था कि केवल सैनिक ठिकाने पर निशाना लगाया जाएगा। नेता बचे रहते थे। इस युद्ध ने सिविलियन और राजनीतिक ठिकानों पर भी प्रिसिजन अटैक की परिपाटी बिठाई है।

आने वाले दौर में युद्ध लड़ने वाले हर नेता पर, हत्या का खतरा बना रहेगा और सिर्फ खामनेई के लोग कंप्रोजमाइज्ड थे, बाकी के नही होंगे। ऐसा सोचना खामख्याली है।

हर देश में, हर राजधानी के, हर नेता के गिर्द कंप्रोजमाइज्ड लोग रहते है। ये उन्ही के विश्वासपात्र लोग होते हैं और जिन्हें नेता के मरने में लाभ मिलना है।

तो आने वाले दौर के हर युद्ध में राजधानी पर बम गिराकर 'सांप का फन कुचलने' का जुमला सुना दिया जाएगा। दूसरा करे, उसके पहले खुद करने की कोशिश रहेगी।

नेगोशियेशन्स का अंडर टोन कुछ यह होगा, साइन कर, वरना तुझे मरवा दूंगा। युद्ध, बहादुरी और शौर्य का मसला कम, विपक्षी नेता की हत्या का कंपटीशन बनकर रह जाना है। इसे हम सिविलाइज्ड वर्ल्ड ऑर्डर कहते रहेंगे।

गुंडे, मवाली, माफिया और व्यापारी को नेता बनाने का अंजाम यही है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

ऊर्जा का महत्व, बदलती जरूरतें और मजबूरियां

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में दुनिया में एक बार फिर ऊर्जा क्षेत्र को लेकर विस्तार से चर्चा हो रही है। यह ऊर्जा क्षेत्र के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। दुनिया के कई देश इस बात पर एक राय हो रहे हैं कि जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम की जाए और ऊर्जा के बदलते स्रोतों को अपनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जाएं। कहा जा रहा है कि साल 2035 तक कोयला आधारित बिजली उत्पादन में कटौती की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

सवाल यह है कि आखिर क्यों बार-बार एनर्जी सेक्टर पर इतनी गंभीरता से बातचीत की जा रही है? क्यों वैश्विक मंचों पर इस मुद्दे को उठाया जा रहा है? असल में दुनिया ऊर्जा के क्षेत्र में संकटों का सामना कर रही है। सभी इस बात को समझ चुके हैं कि इस क्षेत्र पर अभी गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाला समय चुनौतीपूर्ण होगा। उभरते ऊर्जा संकट, घटते जीवाश्म ईंधन संसाधनों और उच्च तेल की कीमतों के साथ जलवायु परिवर्तन की चिंताओं ने बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए नवीकरणीय, वैकल्पिक, पर्यावरण अनुकूल और कार्बन तटस्थ ईंधन के विकास की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है। अधिकांश ऊर्जा संकट स्थानीय कमी, युद्ध और बाजार में हेरफेर के कारण हुए हैं। कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि कर वृद्धि, ऊर्जा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण और इस क्षेत्र के विनियमन जैसी सरकारी कार्रवाई ने इस संकट को बढ़ाया है।

जहां तक भारत की बात है, तो इसके ऊर्जा संकट से निपटने की राह में कई चुनौतियां हैं। पहली बात तो यह है कि सभी के पास सीमित ऊर्जा संसाधन हैं। भारत के पास कोयला, तेल और गैस जैसे सीमित ऊर्जा संसाधन ही मौजूद हैं और वह अपनी बढ़ती ऊर्जा मांगों की पूर्ति के लिए आयात पर निर्भर है। वहीं कोयला भंडार कमजोर है और उनके निष्कर्षण एवं उपयोग से महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चिंताएं जुड़ी हुई हैं। परिणामस्वरूप भारत ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की तलाश कर रहा है, जैसे कि सौर, पवन और जल विद्युत। देश के ऊर्जा क्षेत्र में अभी अपर्याप्त निवेश है।

भारत विश्व के सबसे बड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जकों में से एक है और इसका ऊर्जा क्षेत्र इन उत्सर्जनों का एक प्रमुख योगदानकर्ता है। वहीं जलवायु परिवर्तन देश की ऊर्जा अवसंरचना को भी प्रभावित कर रहा है, क्योंकि मौसमी घटनाओं की आवृत्ति बढ़ती जा रही है। एक अध्ययन के अनुसार, देश में एलईडी बल्ब एवं ट्यूबलाइट के इस्तेमाल से उजाले के लिए खर्च होने वाली बिजली में करीब 75 फीसदी की कमी आई है। भवनों में बिजली की खपत को लेकर भी कई अध्ययन हुए हैं, जो बताते हैं कि ऊर्जा दक्ष उपकरणों के इस्तेमाल से करीब 30 फीसदी बिजली खपत कम की जा सकती है। यानी भवनों में 1.20 लाख गीगावाट बिजली बचाए जाने की संभावनाएं मौजूद हैं।

ऊर्जा दक्षता के मानकों को लागू कर घरेलू और आवासीय भवनों में बड़े पैमाने पर बिजली को बचाया जा सकता है। यदि भवनों में ऊर्जा दक्षता के मानक लागू हो जाएं, तो अतिरिक्त 30 फीसदी बिजली बच सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में उद्योग जगत सबसे ज्यादा करीब 42 फीसदी बिजली खर्च करता है। दूसरे नंबर पर घरेलू क्षेत्र 24 फीसदी बिजली खर्च करता है। व्यावसायिक भवनों में बिजली की खपत आठ फीसदी है। भवन क्षेत्र की कुल खपत 32 फीसदी है, लेकिन भवनों में ऊर्जा दक्षता के मानकों का क्रियान्वयन सबसे कम हुआ है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

नाथ नगरी बरेली एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक क्षण की साक्षी बनने जा रही है। देशव्यापी यात्रा के अंतर्गत, पावन सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के 1000 वर्षों तक संरक्षित रहे अवशेष, 30 मार्च 2026 को उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेंगे और 10 अप्रैल को बरेली में इस विराट यात्रा का समापन होगा। यह आयोजन केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक अस्मिता और आध्यात्मिक विजय का प्रतीक माना जा रहा है।

श्वेता
वीडीएस स्टेट को-ऑर्डिनेटर
यूपी, आर्ट ऑफ लिविंग

नाथ नगरी में इतिहास का पुनर्जागरण

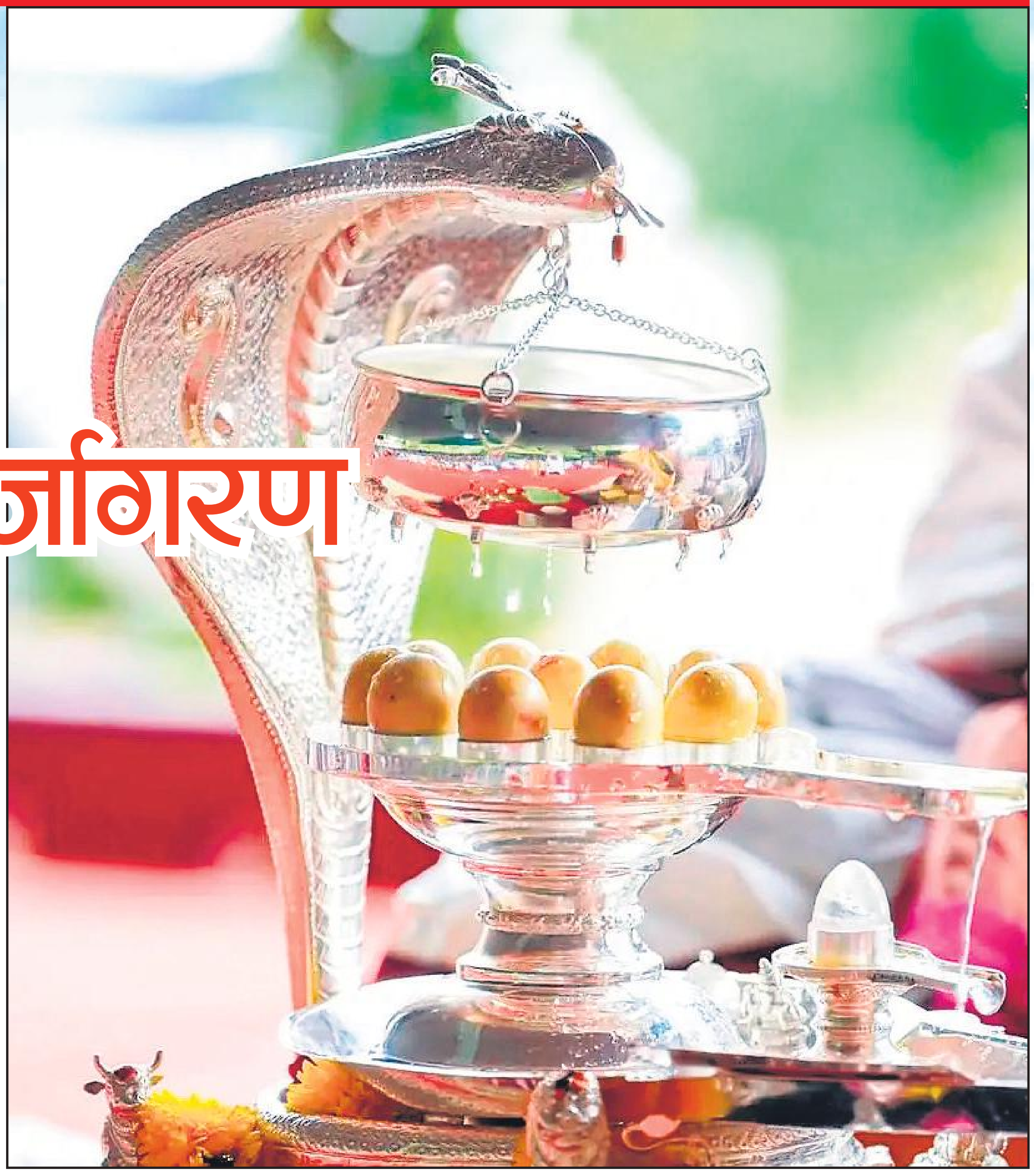

सहस्राब्दी की गाथा (1026 से 2026)

इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि 1026 ईसवी में आक्रमणकारी महमूद गजनवी ने मूल सोमनाथ मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। परंतु आस्था की लौ बुझी नहीं। मंदिर के कुछ पवित्र अंश अग्निहोत्री पुजारियों द्वारा गुप्त रूप से सुरक्षित रखे गए। पीढ़ी-दर-पीढ़ी इन अवशेषों की पूजा होती रही और उन्हें दुनिया की नजरों से दूर रखा गया। सन् 1924 में तत्कालीन कांची शंकराचार्य ने भविष्यवाणी की थी कि इन अवशेषों को एक शताब्दी तक सुरक्षित रखा जाए और समय आने पर एक योग्य आध्यात्मिक नेतृत्व को सौंपा जाए।

आध्यात्मिक सेतु: सोमनाथ और आर्ट ऑफ लिविंग

गुरुदेव श्री श्री रविशंकर और आर्ट ऑफ लिविंग वर्षों से भारतीय आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित करने का कार्य कर रहे हैं। आर्ट ऑफ लिविंग का मूल दर्शन 'तनावमुक्त मन, हिंसामुक्त समाज' केवल आधुनिक जीवनशैली तक सीमित नहीं, बल्कि प्राचीन आध्यात्मिक मूल्यों की पुनर्स्थापना से भी जुड़ा है। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के अवशेषों को देशभर के ज्योतिर्लिंगों की यात्रा पर ले जाने का निर्णय इसी दृष्टि का विस्तार है। यह यात्रा किसी संस्था का आयोजन भर नहीं, बल्कि राष्ट्रव्यापी आध्यात्मिक एकता का अभियान बन चुकी है। गुरुदेव ने इसे 'आस्था की अखंड ज्योति' बताते हुए कहा कि यह भारत की आत्मा के पुनर्जागरण का प्रतीक है।

2025: भविष्यवाणी की पूर्णता

जनवरी 2025 में परंपरा के अंतिम संरक्षक सीतारामन शास्त्री ने ये पवित्र अवशेष बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम में गुरुदेव श्री श्री रविशंकर को सौंपे। महाशिवरात्रि 2025 के पावन अवसर पर इनका सार्वजनिक अनावरण किया गया। श्रद्धालुओं के अनुसार इन अवशेषों में विशिष्ट चुंबकीय और आध्यात्मिक ऊर्जा अनुभव की जाती है। यह क्षण केवल हस्तांतरण नहीं, बल्कि 100 वर्षों पुरानी भविष्यवाणी की पूर्ति और 1000 वर्षों की साधना का फल था।

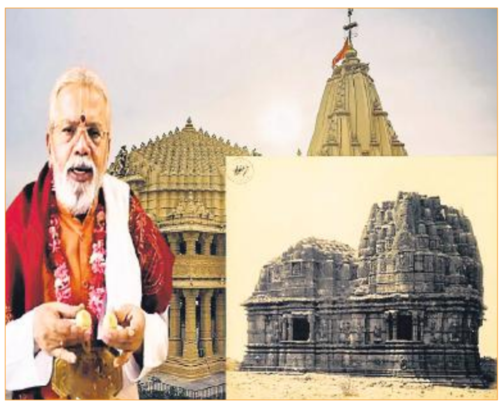

सांस्कृतिक अस्मिता की विजय

सोमनाथ की यह यात्रा केवल अतीत का स्मरण नहीं, बल्कि यह संदेश है कि भारत की आध्यात्मिक धरोहर को कोई भी शक्ति समाप्त नहीं कर सकती। 1000 वर्षों का संरक्षण, 100 वर्षों की प्रतीक्षा और आज का पुनरुत्थान यह कथा श्रद्धा, धैर्य और सांस्कृतिक चेतना की विजय है। 10 अप्रैल 2026 को बरेली में होने वाला यह आयोजन इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों में दर्ज होगा। अब झुमका नहीं, सोमनाथ की ज्योति यहां दमकेगी।

बरेली क्यों बनेगा ऐतिहासिक पड़ाव?

उत्तर प्रदेश में 30 मार्च को प्रवेश के बाद यह यात्रा 10 अप्रैल 2026 को बरेली पहुंचेगी। नाथ नगरी बरेली, जो अपने सात प्राचीन शिव मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। इस ऐतिहासिक अवसर की साक्षी बनेगी। वर्षों तक बरेली झुमके के लिए पहचानी जाती थी, परंतु अब यह नगरी सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के पावन अवशेषों के स्वागत के लिए जानी जाएगी। यह आयोजन बरेली के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देगा।

पौराणिक कथा

निष्काम प्रेम व अटूट निष्ठा की शक्ति

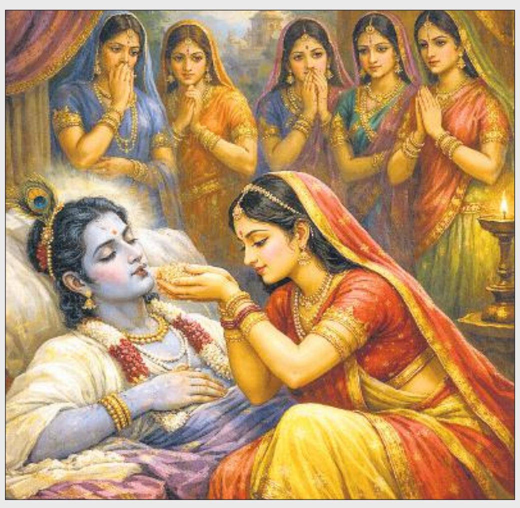

एक बार वृंदावन में ऐसा समय आया जब नंदलाल अचानक गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। उनकी बीमारी देखकर पूरे ब्रज में चिंता का वातावरण फैल गया। अनेक प्रकार की दवाएं और जड़ी-बूटियां आजमाई गईं, लेकिन किसी भी उपाय से कृष्ण की तबीयत में सुधार नहीं हो रहा था। सभी लोग असहाय होकर किसी चमत्कार की प्रतीक्षा कर रहे थे। तभी श्रीकृष्ण ने स्वयं एक अनोखा उपाय बताया। उन्होंने गोपियों से कहा कि यदि कोई ऐसा व्यक्ति, जो उनसे अत्यंत प्रेम करता हो और उनकी सच्ची चिंता करता हो, अपने पैरों को धोकर उस जल को उन्हें पिला दे, तो वे अवश्य स्वस्थ हो जाएंगे।

यह सुनते ही वहां उपस्थित सभी गोपियां गहरी दुविधा में पड़ गईं। वे सभी कृष्ण से अपार प्रेम करती थीं और उनकी भक्ति में पूरी तरह समर्पित थीं, लेकिन इस उपाय को अपनाने का साहस कोई नहीं जुटा पा रही थी। गोपियों के मन में एक भय था कि यदि किसी ने अपने पैरों का जल कृष्ण को पिला दिया और किसी कारणवश वे स्वस्थ न हुए, तो यह बहुत बड़ा अपराध माना जाएगा। ऐसी स्थिति में नर्क का दंड भी भोगना पड़ सकता था। वे कृष्ण के लिए चिंतित तो थीं, लेकिन संभावित परिणामों के विचार से उनके कदम ठिठक रहे थे। इसी बीच वहां राधा पहुंचीं। जैसे ही उन्होंने अपने प्रिय कृष्ण को उस अवस्था में देखा, उनका हृदय व्याकुल हो उठा। गोपियों ने उन्हें कृष्ण द्वारा बताया गया उपाय समझाया। राधा ने बिना एक पल गंवाए अपने पैरों को धोकर उसी जल से चरणामृत तैयार किया और उसे कृष्ण को पिलाने के लिए आगे बढ़ गईं। राधा को यह भली-भांति ज्ञात था कि वह क्या कर रही हैं। उनके मन में भी वही भय था, जो अन्य गोपियों के मन में था, लेकिन उनके लिए कृष्ण का जीवन और स्वास्थ्य सबसे अधिक महत्वपूर्ण था।

यदि उनके इस कार्य के कारण उन्हें नर्क भी जाना पड़े, तो भी वे इसके लिए तैयार थीं। उनके प्रेम और समर्पण के सामने अपने भविष्य की चिंता नगण्य थी। जैसे ही कृष्ण ने वह चरणामृत ग्रहण किया, उनकी अवस्था तुरंत सुधरने लगी और थोड़ी ही देर में वे पूर्णतः स्वस्थ हो गए। यह राधा के निष्काम प्रेम और अटूट निष्ठा की शक्ति थी, जिसने इस चमत्कार को संभव बना दिया। इस घटना ने यह सिद्ध कर दिया कि सच्चा प्रेम वही है, जिसमें प्रियजन की भलाई के लिए स्वयं के सुख-दुख की चिंता भी त्याग दी जाए।

बोधकथा

कालदेव और समय का वरदान

प्राचीन काल की बात है। हिमालय की तराई में एक छोटा-सा नगर था, जहां सत्यपाल नाम का एक साधारण किंतु परिश्रमी व्यक्ति रहता था। वह अत्यंत धर्मपरायण था, पर उसके मन में एक दुर्बलता थी। वह दूसरों की उन्नति देखकर भीतर-ही-भीतर ईर्ष्या से भर उठता था। यद्यपि वह किसी का प्रत्यक्ष अहित नहीं करता था, पर उसके विचार सदैव नकारात्मक रहते थे। एक दिन सत्यपाल वन मार्ग से गुजर रहा था। मार्ग में उसने एक वृद्ध ब्राह्मण को प्यास से व्याकुल देखा। बिना कुछ पूछे उसने अपने कमंडल से जल निकालकर उसे पिला दिया। जल पीते ही उस वृद्ध का स्वरूप दिव्य हो गया। वे स्वयं कालदेव थे- समय और कर्म के अधिष्ठाता देव। कालदेव बोले, "वत्स, तुम्हारे इस निः स्वार्थ कर्म से प्रसन्न होकर मैं तुम्हें एक अद्भुत वरदान देता हूं। तुम्हें एक घंटे का ऐसा समय दिया जाता है, जिसमें तुम जो भी काम करोगे, उसका फल तुरंत मिलेगा। पर ध्यान रहे- यह समय फिर कभी लौटकर नहीं आएगा।"

यह कहकर कालदेव अंतर्धान हो गए। सत्यपाल का मन उत्साह से भर उठा। उसने सोचा- अब तो मैं अपने भाग्य को बदल दूंगा। वह नगर लौटा और सबसे पहले अपने धनी पड़ोसी के घर गया। मन में आया कि यदि उसका धन नष्ट हो जाए, तो मेरा सम्मान बढ़ेगा। जैसे ही उसने यह विचार किया, पड़ोसी का धन हानि में बदल गया। यह देखकर सत्यपाल के मन में अजीब-सी तृप्ति हुई। फिर वह अपने प्रतिद्वंद्वी के पास गया और उसके पतन की कामना की। वह भी पूरी हो गई। एक के बाद एक, वह दूसरों के अहित की योजनाएं बनाता रहा और समय बीतता गया। उसे लगा जैसे शक्ति उसके हाथ में है और वही सब कुछ है। अचानक सूर्य अस्त होने लगा। सत्यपाल चौंका। उसे याद आया कि उसने

अपने लिए कुछ भी नहीं मांगा। वह दौड़ता हुआ अपने घर पहुंचा और मन ही मन दीर्घायु, सुख और शांति की कामना करने लगा। तभी आकाश में कालदेव की वाणी गूंजी- "वत्स, समय समाप्त हो चुका है। तुमने जो शक्ति पाई थी, उसका उपयोग दूसरों को गिराने में किया, जो मनुष्य समय को द्वेष में गंवाता है, समय उसे ही लील लेता है।" क्षणभर में सत्यपाल का शरीर दुर्बल हो गया। उसे अपनी भूल का बोध हुआ, पर अब बहुत देर हो चुकी थी। यह कथा सिखाती है कि ईश्वर द्वारा दिया गया समय और सामर्थ्य अमूल्य होता है, जो उसका उपयोग दूसरों के कल्याण में करता है, वही वास्तव में धन्य होता है। द्वेष और ईर्ष्या में किया गया प्रत्येक कर्म अंततः स्वयं के पतन का कारण बनता है।

महत्वपूर्ण त्योहार

शीतला अष्टमी

तिथि : 11 मार्च, बुधवार 2026

- चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को शीतला अष्टमी के रूप में मनाया जाता है। कई स्थानों पर इस पर्व को बसोड़ा या बसोड़ा अष्टमी भी कहा जाता है। यह त्योहार विशेष रूप से उत्तर भारत के राज्यों जैसे गुजरात, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। मान्यता है कि यह पर्व रोग और संक्रमण से रक्षा की कामना के साथ मनाया जाता है। इस दिन परंपरा के अनुसार अंतिम बार बासी भोजन ग्रहण किया जाता है।

- शीतला अष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और पूजा की तैयारी करें। एक थाली में पुआ, दही, रोटी, बाजरा और सप्तमी के दिन गुड़ से बनाए गए मीठे चावल रख लें। दूसरी थाली में आटे से बना दीपक रखें और उसके साथ रोली, वस्त्र, अक्षत, हल्दी, मेहंदी और कुछ सिक्के रखें। दोनों थालियों के साथ ठंडे पानी से भरा एक लोटा भी रखें। इसके बाद माता शीतला की पूजा करें और उन्हें बारी-बारी सभी सामग्रियां अर्पित करें।

शक्ति उपासना का केंद्र शक्तिपीठ मां देवीपाटन मंदिर

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जनपद के तुलसीपुर तहसील के पाटन गांव में स्थित मां देवीपाटन मंदिर हिंदू धर्म के प्रसिद्ध 51 शक्तिपीठों में से एक है, जहां माता सती के शरीर का पवित्र भाग गिरा था और यही कारण है कि यह स्थल शक्ति का धाम, आस्था का केंद्र और तीर्थस्थल के रूप में अत्यंत प्रतिष्ठित है। शक्ति पीठों का पौराणिक चरित्र देवी भागवत पुराण, स्कंद पुराण, कलिका पुराण और शिव पुराण में वर्णित है।

देवीपाटन शक्तिपीठ के संदर्भ में माना जाता है कि यहीं पर माता सती का बायां स्कंध (कंधा) वस्त्र सहित गिरा था और इसी कारण से इसे शक्तिपीठ का स्थान प्राप्त हुआ। यहां माता को "पाटेश्वरी" के नाम से पूजा जाता है अर्थात वह देवी, जिसका संबंध उस पाट वस्त्र से स्थापित है। यह स्थल केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, अपितु सांस्कृतिक आस्था, शक्ति, भक्ति और दैवीय शक्ति का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि देवी के गिरने वाले भाग के कारण यहां शक्ति की ऊर्जा सदियों से जीवित है। श्रद्धालु पवित्र सूर्यकुंड में स्नान कर मंदिर के भीतर स्नानादि अनुष्ठान के माध्यम से स्वयं को दिव्य शक्ति से जोड़ते हैं।

नमिता वैश्य
प्रधानाध्यापक

महारथी कर्ण ने यहां ली थी दिव्यास्त्रों का दीक्षा: एक लोक विश्वास के अनुसार द्वापर युग में यहां सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्यकुंड में स्नान करने के बाद परशुराम से दिव्यास्त्रों की दीक्षा प्राप्त की थी। इसी कारण से इस स्थान की महिमा और भी बढ़ जाती है। यहां पर शिव-दुर्गा की शक्ति की अनुभूति अलग-सी होती है। गर्भगृह से नीचे पाताल तक प्राचीन सुरंग की कथा कही जाती है और आज भी माना जाता है कि त्रेतायुग से जलती हुई अखंड ज्योति देवी की शक्तिमत्ता का प्रमाण है। देवीपाटन शक्ति पीठ ऐतिहासिक रूप से उत्तर भारत में शक्ति की उपासना का मुख्य केंद्र रहा है। इस पीठ की स्थापना नाथ संप्रदाय के आदिगुरु गोरखनाथ ने की थी। यहां के आसपास ऋषि-मुनियों के तप और साधना की कहानियां प्रचलित हैं, जिनमें गुरु गोरखनाथ और सिद्ध रत्ननाथ (नेपाल) जैसे संतों का नाम उल्लेखनीय है, जिन्हें यहीं सिद्धि प्राप्त हुई थी, जिससे इस स्थान की आध्यात्मिक महत्ता और भी स्पष्ट होती है।

भारत-नेपाल का सांस्कृतिक सेतु: यह शक्तिपीठ दो देशों भारत और नेपाल के सांस्कृतिक सेतु के रूप में भी प्रसिद्ध है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इसे भारत-नेपाल के बीच एक सांस्कृतिक सेतु बताया है, जो देवी के सान्निध्य में सामाजिक एवं आध्यात्मिक जुड़ाव को मजबूती प्रदान करता है। देवीपाटन मंदिर को श्रद्धालु केवल पूजा-स्थल के रूप में नहीं देखते, अपितु यह एक ऐसा स्थान है, जहां देवी की कृपा से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, ऐसी मान्यता प्रचलित है। भक्त मानते हैं कि मां पाटेश्वरी के दर्शन तथा पूजा से जीवन की इच्छाएं, स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

मुख्य आकर्षण: शक्ति पीठ के मुख्य आकर्षणों में सूर्यकुंड, अखंड धूनी (जहां निरंतर धूना जलाई जाती है) तथा गोपनीय पूजा-अर्चना शामिल हैं। चैत्र और शारदीय नवरात्र के समय

यहां विशेष रूप से भक्तों का भारी आस्था-ज्वार उमड़ता है। नवरात्रि पर करीब 15 दिनों तक राजकीय मेला लगता है, जिसमें देश के विभिन्न प्रांतों समेत नेपाल के श्रद्धालु आराधना के लिए आते हैं। मंदिर परिसर में नौ दुर्गा रूपों की प्रतिमाएं, विधि-विधान से पूजा-पाठ, दीप प्रज्ज्वलन, हवन-पूजन और लाल चुनरी, सिंदूर, फूलों सहित अनेक भेंट-वस्तुओं का समर्पण इस पूजा परंपरा को और भी समृद्ध बनाते हैं। मां की पूजा अलौकिक एवं अद्वितीय है। अर्द्धरात्रि के दूसरे पहर एक से चार बजे तक पूजा का समय निश्चित है, इसका समय कभी नहीं बदलता। समय के साथ इस मंदिर की महत्ता मात्र धार्मिक ही नहीं रह गई, अपितु यह देश का एक आध्यात्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र भी बन गया है। मुख्यमंत्री का दूसरा घर कहे जाने वाले शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर को और भव्य बनाने के प्रयास प्रारंभ हो चुके हैं। अयोध्या धाम में आने वाले धार्मिक पर्यटक शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर की ओर उन्मुख हों, इसके लिए सरकार ने 42 करोड़ 50 लाख रुपये दिए हैं। बलरामपुर प्रशासन और उत्तर प्रदेश सरकार ने मंदिर के आसपास 50 एकड़ क्षेत्र का विकास करने की योजना बनाई है, जिससे यहां धार्मिक पर्यटन को और भी बढ़ावा मिले।

इस तरह जा सकते हैं मंदिर: मंदिर तक पहुंचने के लिए सबसे सरल रेल मार्ग सेवा है। लखनऊ तथा गोरखपुर ट्रेन के द्वारा आने पर तुलसीपुर रेलवे स्टेशन पर उतरना होगा। यहां से लगभग डेढ़ किलोमीटर मंदिर तक पहुंचने के लिए रिक्शा आदि की सुविधा है। बस से भी तुलसीपुर पहुंचा जा सकता है। लखनऊ से गोरखपुर की दूरी लगभग 300 किलोमीटर है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	77,566.16	24,028.05
बढ़त	1352.74	422.50
प्रतिशत में	1.71	1.73

सोना 1,64,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,68,300 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, मंगलवार, 10 मार्च 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन–तुलसी 2475, राज श्री 1950, फ़ॉर्चून कि. 2550, रविन्द्रा 2440, फॉर्चुन 13kg 2260, जय जवान 2095, सचिन 2200, सूरज 2095, अवसर 2040, उजाला 2090, गृहणी 13 kg 2025, क्लासिक (kg) 2350, मोर 2300, चक्र टिन 2445, ब्लू 2275, आशीर्वाद मस्टर्ड 2430, स्वास्तिक 2430

किराना–निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 12000–13000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 900–1050

चावल – (प्रति कु0)डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन –मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 13100

चीनी – पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4200

बरेली सर्राफा

(दाम प्रति 10 ग्राम) सोना–पक्के आभूषण 162000, सोना–गिन्नी 158000, चांदी (पक्की) 2650 (अनुमानित)

हल्द्वानी मंडी

दाम प्रति क्विंटल में

चावल :शरबती– 3400 मसूरी– 1000 बासमती– 7000–8200 परमल– 1150–3200

दाल दलहन–काला चना– 2200–2600 साबुत चना दाल– 1200 मूंग साबुत– 5400 राजमा– 8200–11000 दाल उड़द– 6000 साबुत मसूर दाल– 3000 मसूर दाल– 1500 उड़द साबुत– 10200 काबुली चना– 6400–10000 अरहर दाल– 10200 –12400 लोबिया/करमानी– 1800–3000

बिजनेस ब्रीफ

मीशो को 1,500 करोड़ की आयकर मांग का नोटिस

नयी दिल्ली। ई–कॉमर्स कंपनी मीशो को आयकर विभाग से लगभग 1,500 करोड़ रुपये की कर मांग का नोटिस मिला है। कंपनी ने इस नोटिस को चुनौती देने का निर्णय लिया है। मीशो ने शेयर बाजार को दी एक सूचना में कहा कि उसे छह मार्च को आकलन वर्ष 2023–24 के लिए आयकर विभाग से यह नोटिस मिला। इसमें विभाग की आकलन इकाई ने ब्याज सहित कुल 1,499.73 करोड़ रुपये की कर मांग रखी है। नियामकीय सूचना के मुताबिक, यह कर मांग कंपनी द्वारा घोषित आय में कुछ बढ़ोतरी और समायोजन को आधार बनाते हुए जारी किया गया है। मीशो ने कहा कि वह इस आकलन आदेश की समीक्षा कर रही है और उसमें की गई टिप्पणियों और समायोजनों से सहमत नहीं है।

30 साल बेमिसाल

मुंबई में सोमवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया के हेडक्वार्टर में निफ्टी 50 इंडेक्स के 30 साल पूरे होने पर एक यादगार बुकलेट का विमोचन किया गया। पत्रिका के साथ दायें से सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे, रिजर्व बैंक इंडिपेंडेंट डायरेक्टर स्वामीनाथन गुरुमूर्ति और एनएसई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार चौहान। ● फोटो : एजेंसी

गिरते मार्केट में एसआईपी जारी रखना क्यों है समझदारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: शेयर बाजार में सोमवार, 9 मार्च को भारी गिरावट देखने को मिली। दिन की शुरुआत से ही बाजार में दबाव बना रहा और निवेशकों के बीच घबराहट का माहौल दिखाई दिया। बीएसई सेंसेक्स करीब 2300 अंक तक टूट गया, वहीं एनएसई का निफ्टी-50 भी लाल निशान में कारोबार करता नजर आया। हालांकि बाद में गिरावट थोड़ी कम हुई, लेकिन बाजार की तेज कमजोरी ने निवेशकों को चिंता में डाल दिया।

ऐसे समय में म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले कई लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या बाजार गिरने पर अपनी एसआईपी (सिस्टेमेटिक इंवेस्टमेंट प्लान) को रोक देना चाहिए।

गिरावट में एसआईपी बंद करना सही नहीं : बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में गिरावट के दौरान एसआईपी बंद करना समझदारी नहीं है। दरअसल म्यूचुअल फंड का रिटर्न और उसका नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) सीधे तौर पर बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। जब बाजार गिरता है तो फंड का एनएवी भी कम हो जाता है।

एनएवी कम होने का मतलब यह है कि उसी रकम में निवेशक को ज्यादा यूनिट्स मिल जाती हैं। यानी गिरावट के समय निवेश करने से निवेशक कम कीमत पर अधिक यूनिट खरीद पाते हैं।

तेजी आने पर मिलता है ज्यादा फायदा: मान लीजिए कि बाजार में गिरावट के दौरान किसी म्यूचुअल फंड की 50 यूनिट आपने 1000 रुपये में खरीदीं। इस हिसाब से एक यूनिट की कीमत 20 रुपये हुई। बाद में जब बाजार में तेजी आती है और वही यूनिट 22 रुपये की हो जाती है, तो सिर्फ कीमत बढ़ने से ही आपकी 50 यूनिट पर 100 रुपये का फायदा हो सकता है।

यही कारण है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए एसआईपी को बेहतर विकल्प माना जाता है। यह बाजार के उतार-चढ़ाव को संतुलित करते हुए निवेशकों को औसत लागत का फायदा ही देता है।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अवसर

सीए शरद मिश्रा बताते हैं कि बाजार में गिरावट भले ही आपदा लगती हो लेकिन अक्सर लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अवसर बनकर आती है। एसआईपी एक लॉंग टर्म इंवेस्टमेंट प्लान होती है। बाजार में गिरावट के समय किया गया निवेश अधिक यूनिट दिलवाता है। इसी तरह चढ़ता बाजार उन यूनिट्स पर अधिक लाभ दिलवाता है। नियमित निवेश जारी रखने से भविष्य में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए मार्केट में गिरावट हो या उछाल दोनों ही स्थितियों में एसआईपी को चलते रहने देना चाहिए।

अमेरिका ने किया अनुरोध-रूसी तेल खरीद रिफाइनरियों में भेजे भारत

अमेरिकी ऊर्जा मंत्री ने इंटरव्यू में किया खुलासा, जिससे नियंत्रण में रहें कीमतें

न्यूयॉर्क/ वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने भारत से अनुरोध किया है कि वह समुद्री परिवहन में पहले से मौजूद रूसी कच्चे तेल को खरीदकर उसे भारतीय रिफाइनरियों की ओर मोड़ दे, ताकि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच आपूर्ति में संभावित कमी और कीमतों में उछाल की आशंकाओं को कम किया जा सके।

अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने कहा कि यह कदम बाजार को स्थिर रखने के लिए एक अल्पकालिक और व्यावहारिक प्रयास है। इसके साथ ही राइट ने स्पष्ट किया कि इस पहल का मतलब रूसी तेल को लेकर अमेरिका की नीति में किसी बदलाव का संकेत नहीं है।

उन्होंने रविवार को 'सीएनएन' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री स्कॉट

बेसेंट के साथ मिलकर भारतीय अधिकारियों से बात की थी ताकि चीनी रिफाइनरियों में उतारे जाने की प्रतीक्षा कर रहे रूसी कच्चे तेल के कार्गो को भारत खरीद सके। राइट ने कहा कि भारत इस मामले में एक अच्छा सहयोगी रहा है।

मैंने और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारतीय अधिकारियों से फोन पर बात की और कहा कि अभी बहुत सारा तेल चीन की रिफाइनरियों में उतारा जाना है।" वहां तेल को उतारने के लिए छह सप्ताह तक इंतजार कराने के बजाय, इसे पहले ही भारत खरीदकर अपनी रिफाइनरियों में भेजे ताकि तेल की कमी की आशंका, कीमतों में अचानक बढ़ोतरी और बाजार में व्याप्त चिंताओं को कम किया जा सके।" इसके साथ ही उन्होंने दोहराया कि रूस के प्रति अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है और "भारत इस बात को लेकर पूरी तरह स्पष्ट है।"

जब उनसे पूछा गया कि क्या रूसी तेल खरीद के लिए भारत को दी गई 30 दिनों की छूट से ट्रंप प्रशासन का रूस को अलग-थलग करने का लक्ष्य कमजोर होता है, उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है। यह केवल एक व्यावहारिक कदम है और इसका असर केवल अल्पकालिक है। रूस के प्रति नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ।

वित्त मंत्रालय की तरफ से पिछले हफ्ते दी गई छूट के तहत भारत 30 दिनों तक रूस से कच्चा तेल खरीद सकता है। इसके पहले ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल खरीदने पर भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगा दिया था। लेकिन पिछले महीने अंतरिम व्यापार समझौते पर बनी सहमति के तहत इस शुल्क को हटाने की बात कही गई थी।

राइट ने यह भी कहा कि भारत ने रूसी तेल आयात को पूरी तरह बंद कर दिया है और अमेरिका, वेनेजुएला और अन्य देशों से अपने आयात बढ़ा रहा है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने भी इस निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि यह एक अस्थायी और व्यावहारिक उपाय है।

लौटते जहाजों को उसी बंदरगाह पर लंगर की अनुमति जहां से गये थे

नयी दिल्ली, एजेंसी। सीमा शुल्क विभाग ने पश्चिम एशिया संकट के कारण समुद्री मार्गों में आए व्यवधान और हॉर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के बीच भारतीय बंदरगाहों पर लौटने वाली निर्यात खेप के प्रबंधन के लिए नियम जारी किए हैं। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) द्वारा आठ मार्च को जारी किए गए और 15 दिन के लिए वैध ये नियम यह निर्धारित करते हैं कि माल के पारगमन के अलावा ऐसे सभी मामलों में जहाज को केवल उसी भारतीय बंदरगाह पर लंगर डालने की अनुमति दी जाएगी जहां से उसने प्रस्थान किया था। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के परिपत्र के अनुसार, बोर्ड के अधीन क्षेत्रीय कार्यालय ऐसी खेप पर दिए गए 'एकीकृत माल एवं सेवा कर' 'शुल्क वापसी' आदि सहित सभी निर्यात प्रोत्साहनों की स्वयं वसूली करेंगे यदि उनका भुगतान पहले ही किया जा चुका है।

● **बंदरगाहों पर लौटने वाली निर्यात खेप के लिए सीमा शुल्क विभाग ने जारी किए नए नियम**

ईरान युद्ध में कानपुर के 6,000 करोड़ रुपये स्वाहा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच छिड़ी जंग से तेल की कीमतों में भारी उछाल के बीच दुनिया भर के शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में तेजी से सोमवार को सेंसेक्स करीब 2500 अंकों तक गिर गया था। हालांकि क्रूड ऑयल की कीमतों में नरमी की ख़बरों के बाद थोड़ी रिकवरी आई और कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1353 अंक वहीं निफ़्टी 422 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। युद्ध शुरू हुए 10 दिन हो गए हैं, इस बीच 5 दिन शेयर बाजार खुला है। गुरुवार 5 मार्च को छोड़कर बाकी 4 कारोबारी दिनों में शेयर बाजार में अच्छी खासी गिरावट हुई है। शेयर बाजार में हो रही भारी गिरावट से शहर के निवेशकों को जोर का झटका लगा है। सीधे तौर पर शेयरों में निवेश के साथ ही म्यूचुअल फण्ड तथा यूलिप (यूनिट लिंक्ड इन्शयोंरन्स प्लान) के पोर्टफोलियो में बाजार भाव में खासी गिरावट आई है। युद्ध के दौरान पिछले 5 कारोबारी सत्रों में शहर के निवेशकों का शेयर बाजार तथा इसपर आधारित योजनाओं में निवेशित पूंजी में करीब 6,000 करोड़ रुपये की कमी का अनुमान लगाया जा रहा है।

लंबी अवधि के निवेशक फिलहाल धैर्य रखें

आर्थिक विशेषज्ञ राजीव सिंह का कहना है कि ब्रेंट क्रूड में तेजी के कारण बाजार और अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लगा है। अगर अमेरिका–ईरान संघर्ष लंबा चलता है तो भारत जैसे बड़े तेल खरीदार देशों पर असर पड़ेगा। महंगाई बढ़ सकती है। हालांकि भू–राजनीतिक घटनाओं का बाजार पर असर आमतौर पर लंबे समय तक नहीं रहता है। इसलिए लंबी अवधि के निवेशकों को धैर्य रखना चाहिए। मजबूत सेक्टर वाले शेयरों में किश्तों में निवेश किया जा सकता है। अगर बाजार की दिशा समझ में नहीं आ रही हो, या उतार–चढ़ाव से असहज महसूस हो रहा हो, तो बेहतर होगा कि अनुभवी एक्सपर्ट की सलाह लें। अफवाहों से दूर रहें, सोशल मीडिया की अपुष्ट खबरों पर निर्णय न लें।

बड़े निर्यात अवसर पैदा करेंगे एफटीए : गोयल

नयी दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि पिछले चार वर्षों में भारत द्वारा अंतिम रूप दिए गए नौ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) घरेलू फार्मा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों के लिए बड़े व्यावसायिक अवसर प्रदान करेंगे।

भारत ने ब्रिटेन, मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ, चार देशों के समूह यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए), ओमान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और न्यूजीलैंड के साथ एफटीए को अंतिम रूप दे दिया है। जबकि मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और ईएफटीए के साथ समझौते लागू हो गए हैं, शेष जल्द ही लागू होने की संभावना है। बजट पर आयोजित एक वेबिनार में गोयल ने कहा कि ये समझौते फार्मा, स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा पर्यटन क्षेत्रों के लिए नए अवसर खोलते हैं।

उन्होंने उद्योग जगत को सुझाव दिया कि वे इन समझौतों का पूरा लाभ उठाएं और मजबूत स्वास्थ्य परिवेश विकसित करें।

उन्होंने यह भी कहा कि हमें एक समग्र, एकीकृत और व्यापक स्वास्थ्य प्रणाली विकसित करने की जरूरत है। मंत्री ने बताया कि खाड़ी सहयोग परिषद और यूरेशिया के साथ एफटीए वार्ता अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है।

रुपया 53 पैसे टूटकर सबसे निचले स्तर 92.35 प्रति डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया के बिगड़ते हालात के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और डॉलर के मजबूत होने से सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 53 पैसे टूटकर 92.35 प्रति डॉलर (अस्थायी) के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया।विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली के बीच विदेशी पूंजी की निकासी जारी रहने से रुपये पर खासा दबाव देखा गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 92.22 पर खुला और थोड़ी देर के लिए मजबूत होकर 92.15 तक पहुंच गया। लेकिन बाद में लगातार गिरावट के बीच यह अंत में 92.35 के अपने रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ।

ऑडिट आदेशों को सार्वजनिक रखें प्राधिकरण

वित्तीय रिपोर्टिंग में भरोसा बढ़ाने के लिए केंद्रीय सूचना आयोग की सलाह

नयी दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) को लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं और मानकों को प्रभावित करने वाले आदेशों, निर्देशों, परिपत्रों और नीतिगत निर्णयों को सार्वजनिक करने की सलाह दी है। यह टिप्पणी सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत दायर दूसरी अपील के निपटान के दौरान की गई। अपील में एनएफआरए द्वारा लेखापरीक्षकों या लेखापरीक्षा कंपनियों को मौखिक सुनवाई के दौरान कानूनी सलाहकारों के जरिये प्रतिनिधित्व की अनुमति देने से संबंधित दस्तावेजों की मांग की गई थी।

एनएफआरए की स्थापना सरकार ने 2018 में कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत की है। यह लेखापरीक्षकों को विनियमित करता है और कंपनियों द्वारा लेखांकन और लेखापरीक्षा मानकों के अनुपालन की निगरानी करता है। यह वित्तीय रिपोर्टिंग में विश्वसनीयता के लिए लेखापरीक्षा सेवाओं की गुणवत्ता की भी देखरेख करता है।

सूचना आयुक्त पी आर रमेश ने आदेश में कहा-'एनएफआरए वित्तीय विवरणों की विश्वसनीयता की रक्षा करता है, जिन पर निवेशक, कर्ज देने वाले और आम जनता भरोसा करते हैं।'आयोग ने प्राधिकरण को सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत उसके दायित्वों

की भी याद दिलाई। आदेश में कहा गया कि इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सूचना के अधिकार अधिनियम की धारा 4 के प्रावधानों के तहत प्रतिवादी का यह कर्तव्य है कि वह धारा 4(1)(ख) और 4(1)(ग) में उल्लेखित जानकारी को अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करे ताकि जनता को जानकारी प्राप्त करने के लिए सूचना के अधिकार अधिनियम का सहारा कम-से-कम लेना पड़े।

इसी के अनुरूप, सीआईसी ने प्राधिकरण को सलाह दी कि वह जनहित में सूचना के अधिकार अधिनियम की धारा चार के प्रावधानों के अनुसार अपने विभाग द्वारा जारी विभिन्न परिपत्रों/नीतिगत निर्णयों/आदेशों से संबंधित जानकारी अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराए। सुनवाई के दौरान, एनएफआरए ने कहा कि अपीलकर्ता द्वारा मांगा गया दस्तावेज कोई आदेश नहीं था, बल्कि व्यक्तिगत मामलों में लेखा परीक्षकों या लेखापरीक्षा फर्मों को कार्यवाही का सामना करने के लिए जारी कारण बताओ नोटिस के साथ एक आंतरिक नोट था।

काम की बात | जागरूकता की कमी से बिना बीमा चल रहे 50 फीसदी वाहन स्वामी

जरूरी है थर्ड पार्टी इंश्योरेंस, जानिए! नियम और सजा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: सड़क पर वाहन चलाने के लिए थर्ड पार्टी मोटर इंश्योरेंस बहुत जरूरी है। यह केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि कानूनन अनिवार्य सुरक्षा कवच है। इसके बावजूद बहुत बड़े अनुपात में वाहन स्वामी अभी भी इसके बिना वाहन चला रहे हैं। यदि आप भी उनमें से एक हैं तो एक छोटी सी लापरवाही भी आपको बड़े कानूनी और आर्थिक संकट में डाल सकती है।

दरअसल, मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 के तहत हर वाहन मालिक के लिए थर्ड पार्टी इंश्योरेंस जरूरी है। इसका मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित तीसरे पक्ष को आर्थिक सुरक्षा देना है। कई बार दुर्घटना में ऐसे लोग प्रभावित होते हैं जिनकी कोई गलती नहीं होती। ऐसे मामलों में यह बीमा उनके इलाज, नुकसान या मुआवजे की भरपाई करने में सहायक होता है।

इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (आईआरडीए) के जनवरी 2026 में जारी एक पत्र के अनुसार, देश में 50 प्रतिशत से अधिक वाहन मालिकों के

● **अन्य व्यक्ति की मौत, चोट और सामने वाले के वाहन को हुआ नुकसान होता है कवर**

● **बहुत कम होती है प्रीमियम, लेकिन बीमा न होने पर हो सकता है चालान और भारी जुर्माना भी**

पास थर्ड पार्टी इंश्योरेंस नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार जागरूकता की कमी से कई लोग इसे गैरजरूरी समझते हैं, जबकि यह कानूनी रूप से अनिवार्य है।

क्या होता है कवर: थर्ड पार्टी इंश्योरेंस में मुख्य रूप से किसी अन्य व्यक्ति की चोट या मृत्यु, सामने वाले वाहन को हुआ नुकसान और सार्वजनिक संपत्ति को हुई क्षति कवर होती है। हालांकि इसमें आपकी अपनी गाड़ी को हुआ नुकसान, चोरी या मेडिकल खर्च शामिल नहीं होते। यानी यह बीमा केवल तीसरे पक्ष को हुए नुकसान की जिम्मेदारी को कवर करता है।

क्या है सजा या जुर्माना : अगर कोई व्यक्ति बिना वैध थर्ड पार्टी इंश्योरेंस के वाहन चलाते हुए पकड़ा जाता है तो उसे कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। पहली बार पकड़े जाने पर लगभग 2,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। दोबारा गलती करने पर जुर्माना बढ़ सकता है, साथ ही जेल की सजा, ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन या रद्द होने का खतरा भी रहता है। इसके अलावा अगर ऐसी स्थिति में दुर्घटना हो जाती है तो पीड़ित को मुआवजा चालक को अपनी जेब से देना पड़ सकता है, जो कई बार लाखों रुपये तक पहुंच जाता है।

कितना होता है प्रीमियम: थर्ड पार्टी इंश्योरेंस का प्रीमियम सरकार तय करती है और यह वाहन के प्रकार के आधार पर अलग-अलग होता है। मोटरसाइकिल के थर्ड पार्टी प्रीमियम लगभग 550 से 900 रुपये और कार का थर्ड पार्टी बीमा करीब 2100 रुपये से 4000 रुपये तक होता है। बीमा प्रीमियम में ये अंतर वाहन के इंजन की क्षमता पर निर्भर करता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि कानूनी जरूरत पूरी करने के लिए थर्ड पार्टी इंश्योरेंस पर्याप्त है, लेकिन बेहतर सुरक्षा के लिए कम्प्रिहेंसिव इंश्योरेंस (फर्स्ट पार्टी) लेना ज्यादा फायदेमंद रहता है। इसमें दूसरे के साथ ही अपने वाहन को हुए नुकसान, चोरी, आग, बाढ़ जैसी स्थितियों के साथ-साथ जीरो डेप्रिसिएशन और रोडसाइड असिस्टेंस जैसे अतिरिक्त लाभ भी मिल सकते हैं।

सरकार ने अदला-बदली नीलामी में वापस खरीदे 6,309 करोड़ के बॉन्ड

मुंबई, एजेंसी

सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से आयोजित अदला-बदली नीलामी के तहत 6,309 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां (जी-सेक) वापस खरीद ली हैं और उनके बदले 6,431.79 करोड़ रुपये के नए बॉन्ड जारी किए हैं। सरकारी प्रतिभूति कम जोखिम वाले ऋण साधन होते हैं जिन्हें सरकार जारी करती है। सरकारी गारंटी वाली इन प्रतिभूतियों पर निश्चित प्रतिफल मिलता है।

सरकार की तरफ से दोबारा खरीदी गई प्रतिभूतियां अगले वित्त वर्ष में परिपक्व होने वाले निर्धारित बॉन्ड का हिस्सा थीं। इनमें 1,684 करोड़ रुपये मूल्य के 7.33 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड, 1,035 करोड़ रुपये मूल्य के 5.74 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड, 590 करोड़ रुपये मूल्य के 8.15 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड और 3,000 करोड़ रुपये के

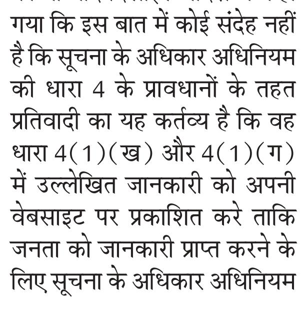

8.24 प्रतिशत जीएस 2027 बॉन्ड शामिल हैं।

इन बॉन्ड के बदले सरकार ने 1,719.23 करोड़ रुपये मूल्य के 6.57 प्रतिशत जीएस 2033 बॉन्ड, 986.52 करोड़ रुपये मूल्य के 7.62 प्रतिशत जीएस 2039 बॉन्ड, 605.60 करोड़ रुपये मूल्य के 6.57 प्रतिशत जीएस 2033 बॉन्ड और 3,120.42 करोड़ रुपये के 7.40 प्रतिशत जीएस 2062 के बॉन्ड जारी किए। यह फरवरी के बाद से आरबीआई द्वारा आयोजित बॉन्ड अदला-बदली की चौथी नीलामी है। इस नीलामी के तहत सरकार निकट अवधि में परिपक्व होने वाले बॉन्ड की जगह लंबी अवधि के बॉन्ड जारी करती है।

रिजर्व बैंक ने खरीदी 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग तंत्र में नकदी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सोमवार को खुले बाजार से 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद की। केंद्रीय बैंक ने पिछले सप्ताह खुले बाजार से दो किस्तों में एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद की घोषणा की थी। पहली किस्त के तहत आज खरीद की गयी है जबकि दूसरे किस्त की खरीद 13 मार्च को की जायेगी। आज खरीदी गयी सरकारी प्रतिभूतियों में चार साल, पांच साल, सात साल, आठ साल, नौ साल, 13 साल और 27 साल की मियाद वाली प्रतिभूतियां शामिल हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

ताइवान की आजादी की मांग करने वालों को चीन में कड़ी सजा

बीजिंग। चीन ने 2025 में ताइवान की स्वतंत्रता की मांग करने वाले कट्टर अलगाववादियों को कड़ी सजा दी है। सुप्रीम पीपुल्स कोर्ट ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में जानकारी दी कि चीन में अलगाव रोधी कानून को सख्ती से लागू किया गया है। सुप्रीम पीपुल्स प्रोक्यूरेटोरेट ने उसी दिन समीक्षा के लिए जमा की गई अपनी वर्क रिपोर्ट में कहा कि राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए अलगाववाद को भड़काने के अपराधों के लिए अलगाववादियों को कानून के अनुसार सजा दी गई है।

बेंगलुरु के पास से अपहृत व्यक्ति का शव तमिलनाडु में मिला

बेंगलुरु। शहर के पास से अपहृत किए गए एक रियल एस्टेट कारोबारी का शव सोमवार को पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में मिला जिस पर गंभीर चोटों के निशान थे। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान 30 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी गोपाल उर्फ गोपी के रूप में हुई है, जो बेंगलुरु शहर के बाहरी इलाके में आनेकल तालुक के होन्नाकलासापुरा गांव के निवासी थे। पुलिस ने मोहन बाबू नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसे मुख्य साजिशकर्ता माना जा रहा है। उसके दो साथियों को पकड़ने के प्रयास भी जारी हैं।

ओडिशा : आइसक्रीम फैक्ट्री में विस्फोट, एक की मौत, तीन घायल

ब्रह्मपुर। ओडिशा के गंजाम जिले में सोमवार को आइसक्रीम बनाने वाली एक इकाई में हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना धारकोट थाना क्षेत्र के अंतर्गत तलपटना गांव में हुई। मृतक की पहचान जगन्नाथ प्रसाद थाना अंतर्गत कुशापल्ली निवासी बिदेशी प्रधान (56) के रूप में हुई है। घायलों में इकाई का मालिक, उसका बेटा और पत्नी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि उन्हें यहां एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पाकिस्तानी निर्माता टैगोर की लघु कथा 'शास्ति' पर फिल्म बनाएंगे

• मशहूर बांग्लादेशी फिल्मकार लीसा गाजी करेंगी निर्देशन

कराची। पाकिस्तानी निर्माता आबिद मर्चेंट ने नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की 1893 की लघुकथा 'शास्ति' (सजा) पर आधारित एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म की शुरुआत करने की घोषणा की है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में पाकिस्तान, बांग्लादेश, अमेरिका, ब्रिटेन, हांगकांग और ऑस्ट्रेलिया के फिल्म पेशेवर शामिल होंगे।

फिल्म का निर्देशन बांग्लादेशी फिल्मकार लीसा गाजी करेंगी, जिन्हें उनकी 2025 की फिल्म 'ए हाउस नेम्ड शाहाना' के लिए जाना जाता है। मर्चेंट ने बताया कि वह अपनी संस्था 'सनात इनिशिएटिव' के बैनर तले इस फिल्म का निर्माण करेंगे। फिल्म में बांग्लादेश की दो प्रमुख अभिनेत्रियां पोरी मोनी और चंचल चौधरी मुख्य भूमिका में हैं। सहलेखिका आनन सिद्दीका और ऑस्ट्रेलियाई-बंगाली अभिनेता अर्का दास भी इसमें शामिल हैं। मर्चेंट ने कहा कि यह फिल्म दो भाई और उनकी पत्नियों के इर्द-गिर्द घूमती है और इसमें हत्या और अदालत का कथानक भी है। हालांकि यह एक व्यावसायिक फिल्म है जिसे हम कई भाषाओं में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिलीज करना चाहते हैं।

उनसे जब फिल्म में पाकिस्तानी कलाकारों की अनुपस्थिति के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, यह फिल्म बांग्लादेश की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है, इसलिए प्रामाणिकता महत्वपूर्ण है।

इजराइल का डिफेंस सिस्टम इतना भी अभेद्य नहीं

ईरान के खिलाफ 28 फरवरी से शुरू हुए ताजा युद्ध में इजराइल को भीषण जवाबी हमलों का सामना करना पड़ा है और इन हमलों ने एक बार फिर इस बहुप्रचारित दावे पर सवाल उठाए हैं कि इजराइल का एयर डिफेंस सिस्टम अभेद्य है। दरअसल, ईरानी मिसाइलों ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव के साथ मध्य इजराइल के घनी आबादी वाले इलाकों को निशाना बनाया है जिनकी वजह से न सिर्फ तमाम लोगों की मौत हुई है बल्कि सैकड़ों लोग घायल भी हुए हैं। ईरान के हमलों से बचने के लिए इजराइल की बड़ी आबादी को बंकरों में शरण लेनी पड़ी है। तेल अवीव समेत प्रमुख शहरों में बार-बार लोगों को अलर्ट करने के लिए साइरन बज रहे हैं, जो यह बताने के लिए काफी है कि खुद इजराइल को भी यह एहसास है कि उसका एयर डिफेंस सिस्टम शत-प्रतिशत तौर पर दुश्मन की मिसाइलों को रोकने में सक्षम नहीं है।

ईरान के हमलों के आगे यह है बड़ी चुनौती

- ईरान एक साथ बड़ी संख्या में मिसाइलें और ड्रोन दागकर इजराइल के रडार और इंटरसेप्टर की क्षमता को ओवरलोड करने की कोशिश कर रहा है।
- ईरान ने हाइपरसोनिक मिसाइलों का उपयोग किया है, जो अत्यधिक गति और दिशा बदलने की क्षमता के कारण डिफेंस सिस्टम को चकमा दे देती हैं।
- इजराइल के आयरन डोम की तामीर मिसाइल जैसी इंटरसेप्टर मिसाइलों की संख्या सीमित है। लगातार हमलों से इनका स्टॉक खत्म हो सकता है।
- एक आयरन डोम इंटरसेप्टर की लागत 40,000 से 50,000 डॉलर है, जबकि ईरान के ड्रोन बहुत सस्ते हैं। यह इजराइल के लिए महंगा पड़ रहा है।
- 9 मार्च को तेल अवीव में इजराइली नेताओं का अत्यंत गुप्त बंकर ईरानी मिसाइल ने तबाह कर दिया।

इजराइल पर हमलों का असर

- मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 28 फरवरी से 4 मार्च के बीच ईरान ने 90 से ज्यादा हमले किए। 9 मार्च को 12 घंटे से भी कम समय में बैलिस्टिक मिसाइलों की 5 बड़ी लहरें दागीं।
- तेल अवीव और मध्य इजराइल के घनी आबादी वाले इलाकों में ईरान की मिसाइलें गिरने से अब तक 24 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इसके साथ सैकड़ों घायल हुए हैं।
- रामत गन और तेल अवीव के आवासीय भवनों और नागरिक संरचनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। ईरान ने इजराइल की हाइफा रिफाइनरी को भी निशाना बनाया गया है।
- तीन मार्च की रिपोर्टों के अनुसार ईरान की लगभग 20 मिसाइलें सीधे नागरिक क्षेत्रों में गिरीं जो साबित करता है कि कुछ मिसाइलें उसके रक्षा कवच को भेदने में सफल रहीं हैं।
- ईरान के मिसाइल हमले में जॉर्डन में तैनात एक अमेरिकी थाड सिस्टम का रडार (एएन/टीपीवाई-2) भी नष्ट होने की खबर है, इस रडार की कीमत लगभग 300 मिलियन डॉलर थी।

अभेद्य नहीं

- ईरान के शक्तिशाली हमलों ने यह साबित किया है कि कोई भी सिस्टम 100 प्रतिशत अभेद्य और अचूक नहीं है। बस इतना ही कहा जा सकता है कि इजराइल की वायु रक्षा प्रणाली आयरन डोम, डेविड्स स्लिंग और एरो दुनिया में सबसे उन्नत है।

बंकरों के भरोसे लोग

- पूरे देश में 12,000 सार्वजनिक बंकर हैं। ये बड़े भूमिगत हॉल होते हैं जिनमें एक साथ सैकड़ों लोग शरण ले सकते हैं।
- 1992 के बाद बने हर घर या अपार्टमेंट में एक सेफ रूम होना अनिवार्य है। ये मिसाइल हमलों के प्रति सुरक्षित माने जाते हैं।
- कई शॉपिंग मॉल, अस्पताल और होटलों के नीचे गहरे बंकर बने हैं, जिनमें जिम, डाइनिंग एरिया और वाशरूम भी होते हैं।

नेपाल: सबसे युवा और पहले मधेसी पीएम होंगे बालेंद्र

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने अब तक 165 में से 124 सीटों पर हासिल की जीत, एक पर और आगे, चार सीटों की गिनती बाकी

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में हुए आम चुनाव में युवा नेता बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने 165 में से 124 सीट पर जीत हासिल कर ली है और एक सीट पर आगे चल रही है। संसद की कुल 275 सीटों में से बाकी बची 110 समानुपातिक (पीआर) सीटों के लिए भी मतगणना अंतिम चरण में है। प्रारंभिक रुझानों में आरएसपी को कुल मतों का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा मिलता दिख रहा है। यदि यही रुझान अंतिम परिणामों में तब्दील होता है, तो आरएसपी अकेले 185-186 सीट तक पहुंच सकती है, जो दो-तिहाई बहुमत (184 सीट) के जादुई आंकड़े से अधिक होगा।

चुनाव आयोग ने 165 में से 162 सीट के परिणाम घोषित कर दिए हैं। नेपाली कांग्रेस 18 सीट जीतकर दूसरे स्थान पर है, जबकि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) ने आठ सीट जीती हैं और एक पर आगे चल रही है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को सात सीट हासिल हुई हैं। इन प्रमुख दलों के अलावा श्रम संस्कृति पार्टी के तीन, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी का एक प्रत्याशी और एक स्वतंत्र उम्मीदवार भी इन चुनावों में सफल रहा है। इस चुनाव का सबसे बड़ा और चौंकाने वाला परिणाम झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र से आया है। यहां आरएसपी के प्रधानमंत्री पद के चेहरे बालेंद्र शाह ने नेपाल के कद्दावर नेता और चार बार प्रधानमंत्री रहे केपी शर्मा ओली को करीब 50,000 वोटों के भारी अंतर से शिकस्त दी है।

पुराने चेहरों के युग का अंतः ओली की हार के साथ ही नेपाल की राजनीति में दशकों से दबदबा रखने वाले पुराने चेहरों के युग का अंत माना जा रहा है। बालेंद्र शाह अब नेपाल के इतिहास के सबसे युवा और पहले 'मधेसी' प्रधानमंत्री बनने की दहलीज पर खड़े हैं।

165 सीटों में से 161 सीट के परिणाम अब तक घोषित

काठमांडू। अब तक प्रत्यक्ष मतदान के तहत 165 सीटों में से 161 सीट के परिणाम घोषित किए जा चुके हैं। शेष चार सीट के परिणाम दोपहर तक आने की संभावना है। आनुपातिक मतदान में आरएसपी को 40,49,604, एनसी को 13,60,281, सीपीएन-यूएमएल को 11,50,679, एनसीपी को 5,91,940, श्रम संस्कृति पार्टी को 2,91,965, जनता समाजवादी पार्टी को 1,16,463 और राष्ट्रीय परिवर्तन पार्टी को 2, 76,931 वोट मिले हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 40 लाख से अधिक वोट हासिल करने के साथ ही आरएसपी को कम से कम 40 अतिरिक्त सीटें मिल सकती हैं, जिससे 275-सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में उसकी कुल संख्या लगभग 164 हो जाएगी। यह बहुमत के लिए आवश्यक 138 सीट से काफी अधिक है।

नेपाल : ऊपरी सदन के नवनिर्वाचित 17 सदस्यों ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

काठमांडू। नेपाल में निचले सदन प्रतिनिधि सभा के चुनाव की गहमागहमी के बीच संघीय संसद के ऊपरी सदन राष्ट्रीय सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों ने सोमवार को पद और गोपनीयता की शपथ ली। काठमांडू के सिंह दरबार में आयोजित समारोह के दौरान राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष नारायण प्रसाद दहल ने 18 में से 17 सदस्यों को शपथ दिलाई। इन सदस्यों का निर्वाचन इसी वर्ष 25 जनवरी को हुआ था। नेपाल के संविधान के अनुसार, 59 सदस्यीय राष्ट्रीय सभा के सदस्यों का कार्यकाल छह वर्ष का होता है। सदन की निरंतरता बनाए रखने के लिए इसके एक-तिहाई सदस्यों का कार्यकाल प्रत्येक दो वर्ष में समाप्त हो जाता है और उनकी जगह नए चुनाव कराए जाते हैं। इस बार 19 सदस्यों का कार्यकाल 4 मार्च 2026 को समाप्त हुआ था।

मोदी ने रबी लामिछाने और बालेंद्र शाह से बात की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के नेता रबी लामिछाने तथा बालेंद्र शाह से बात की और उन्हें चुनाव में जीत के लिए बधाई दी। उन्होंने दोनों देशों की पारस्परिक समृद्धि, प्रगति और खुशहाली के लिए उनके साथ मिलकर काम करने की भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त की। नेपाल के दोनों नेताओं के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि संयुक्त प्रयासों से भारत-नेपाल संबंध आने वाले वर्षों में नयी ऊंचाइयों को छुएंगे। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रबी लामिछाने और आरएसपी के वरिष्ठ नेता बालेंद्र शाह के साथ फोन पर सौहार्दपूर्ण बातचीत हुई।

राज्यसभा चुनाव में तमिलनाडु के सभी छह उम्मीदवारों निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा

• सत्तारूढ़ द्रमुक और विपक्षी अन्नाद्रमुक के प्रत्याशियों ने ही कराया था नामांकन

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा से राज्यसभा की छह सीटों के लिए सत्तारूढ़ द्रमुक गठबंधन के चार और विपक्षी अन्नाद्रमुक-राजग के दो उम्मीदवारों को सोमवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। नामांकन वापसी की अंतिम तिथि तक केवल इन्हीं छह उम्मीदवारों के नामांकन मान्य होने के कारण निर्वाचन अधिकारियों ने उन्हें विजयी घोषित किया और निर्वाचन प्रमाणपत्र भी सौंप दिए।

चुनाव के लिए 16 मार्च को मतदान होना है लेकिन तमिलनाडु के लिए इसकी जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के अलावा किसी अन्य दल के उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ सके। राज्य विधानसभा में उम्मीदवार बनने के लिए कम से कम 34 विधायकों का समर्थन और 10 विधायकों की ओर से प्रस्तावित नामांकन आवश्यक था। निर्विरोध चुने गए उम्मीदवारों में तिरुचि एन शिवा (द्रमुक) शामिल हैं, जो लगातार छठी बार निर्वाचित हुए हैं। द्रमुक के प्रो. जे कॉन्स्टैंटाइन रविंद्रन, कांग्रेस के क्रिस्टोफर तिलक, डीएमडीके के कोषाध्यक्ष एलके सुदीश, अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता एम थंबीदुरई और पीएमके के एक धड़े के नेता तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. अंबुमणि रामदास भी निर्विरोध निर्वाचित हुए। कुल 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में दलों की संख्या के आधार पर द्रमुक और अन्नाद्रमुक उम्मीदवारों की जीत पहले से ही तय मानी जा रही थी।

कोलकाता में मुख्य निर्वाचन आयुक्त को दिखाए काले झंडे, नारेबाजी की

• कालीघाट मंदिर पहुंचे थे ज्ञानेश कुमार, वापस जाओ के लगे नारे

कोलकाता, एजेंसी

दक्षिण कोलकाता के प्रतिष्ठित कालीघाट मंदिर में सोमवार सुबह दर्शन करने पहुंचे मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को वापस जाओ के नारों और काले झंडों के साथ विरोध का सामना करना पड़ा। यहां मौजूद पुलिसकर्मियों को स्थिति को नियंत्रित करना पड़ा, जिसके बाद ज्ञानेश कुमार मंदिर में दर्शन के लिए आगे बढ़ पाए।

रविवार रात को भी ज्ञानेश कुमार के पहुंचने पर भी हवाई अड्डे के पास इसी तरह का विरोध किया गया था। जब उनका काफिला हवाई अड्डे से बाहर निकल रहा था, तब तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एसआईआर को लेकर विरोध करते हुए वापस जाओ के नारे लगाए और काले झंडे दिखाए। हवाई अड्डे के बाहर वाम दल कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन किया, जिससे इलाके में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले ज्ञानेश कुमार की तीन दिवसीय यात्रा के मद्देनजर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

सीईसी ज्ञानेश कुमार को काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन करतीं महिलाएं।

नाम विचाराधीन श्रेणी में देख महिला ने की आत्महत्या

कोलकाता। उत्तर 24 परगना जिले में 50 वर्षीय रीना रानी कुंदू एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूची में अपना नाम विचाराधीन श्रेणी में देखकर इतना व्यथित हुई कि सोमवार को आत्महत्या कर ली। उसके दो बेटों के नाम भी सूची से गायब थे। पुलिस के मुताबिक घटना बदुरिया उपमंडल के पश्चिम चांदीपुर गांव में हुई। निर्वाचन आयोग ने 28 फरवरी को जारी मतदाता सूची में 60 लाख से अधिक मतदाताओं को विचाराधीन श्रेणी में रखा था। आयोग की ओर से नियुक्त न्यायिक अधिकारी वर्तमान में गणना प्रपत्रों की 'तार्किक विसंगतियों' को लेकर जांच कर रहे हैं।

अफसरों को धमका रहे सीईसी, ये दुस्साहस है: ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर एक बैठक के दौरान राज्य के अधिकारियों को धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पद पर आसीन अधिकारियों का दुस्साहस दिखाना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ की बैठक के बाद यह टिप्पणी की है, जिसमें राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने अप्रैल में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा की। कोलकाता में एसआईआर के विरोध में धरनास्थल पर पत्रकारों से बात करते हुए ममता बनर्जी ने ये आरोप लगाए।

राजौरी में नदी पार करने के अभ्यास के दौरान सैनिक लापता

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर में सोमवार को नदी पार करने के अभ्यास के दौरान सेना का एक जवान लापता हो गया। जवान का पता लगाने के लिए संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया गया है।

अधिकारियों ने कहा कि यह घटना खौर इलाके में मनावर नदी में हुई और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम जवान का पता लगाने के लिए सेना और पुलिस के साथ अभियान में शामिल है। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "सुंदरबनी में नदी पार करने के प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान, सिपाही अक्षित शर्मा के आज (सोमवार) दोपहर करीब 12 बजे लापता होने की सूचना मिली। सैनिक का पता लगाने के लिए व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

हादी के हत्यारोपियों के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू

ढाका। बांग्लादेश ने सोमवार को कहा कि उसने छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के आरोपी दो संदिग्ध हमलावरों को वापस लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एक दिन पहले पश्चिम बंगाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वाले संदिग्धों को भारतीय पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने सोमवार को उत्तर-पश्चिमी कॉक्स बाजार में पत्रकारों से कहा, दोनों आरोपियों को प्रत्यर्पित करने की पहल की गई है। ढाका में एक अलग संवाददाता सम्मेलन में बांग्लादेश के पुलिस प्रमुख मोहम्मद अली हुसैन फाकिर ने कहा कि संदिग्धों फैसल करीम मसूद और आलमगीर हुसैन को वापस लाने के लिए राजनयिक प्रयास जारी हैं। इंकलाब मंच के प्रवक्ता और भारत के कट्टर आलोचक रहे हादी जुलाई-अगस्त 2024 के जनांदोलन के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हुए थे। इन आंदोलनों के कारण शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार गिर गई थी।

पूर्वी प्रशांत महासागर में नाव पर अमेरिकी हमले में छह की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने रविवार को कहा कि पूर्वी प्रशांत महासागर में कथित मादक पदार्थ तस्करी में शामिल एक नाव पर किए गए हमले में छह लोगों की मौत हो गई। यह कार्रवाई मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ अमेरिकी प्रशासन के अभियान का हिस्सा बताई गई है।

रविवार के इस हमले के साथ ही सितंबर की शुरुआत से छोटे जहाजों को निशाना बनाने के अभियान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 157 हो गई है। ट्रंप प्रशासन इन लोगों को नार्को-आतंकवादी बताता रहा है। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कहा कि पूर्वी प्रशांत महासागर और कैरेबियाई सागर में किए गए 40 से अधिक हमलों की तरह इस कार्रवाई में भी मादक पदार्थ तस्करों को उनके तस्करी मार्गों पर निशाना बनाया गया। हालांकि सेना ने यह सबूत नहीं दिया कि संबंधित नाव में मादक पदार्थ ले जाए जा रहे थे।

राष्ट्रपति प्रोटोकॉल मामले में केंद्र को भेजी रिपोर्ट

• मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति का कारण बताया, दस्तावेज भी भेजे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सिलीगुड़ी दौरे के दौरान कथित प्रोटोकॉल के उल्लंघन के संदर्भ में परिस्थितियों को स्पष्ट करते हुए सोमवार को केंद्र सरकार को रिपोर्ट सौंपी। राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती की ओर से केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन को भेजी गई रिपोर्ट में घटनाक्रम का विवरण देने के लिए सहायक दस्तावेज भी शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी देने वाली रिपोर्ट संबंधित दस्तावेजों के साथ केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेज दी गई है। उन्होंने कहा, हमने हर चरण में किए गए प्रशासनिक निर्णयों को रिकॉर्ड में रखा है। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कार्यक्रम में क्यों उपस्थित नहीं हुईं। इसके अलावा, राज्य सरकार ने केंद्र सरकार को राष्ट्रपति मुर्मू के दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय आदिवासी और संथाल सम्मेलन का स्थल बदलने संबंधी निर्णय से जुड़े कारणों के बारे में जानकारी दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सात मार्च को राष्ट्रपति के राज्य दौरे के दौरान प्रोटोकॉल उल्लंघन के आरोपों के बाद पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी थी। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को भेजे गए पत्र में राष्ट्रपति के आगमन के दौरान राज्य मेंमुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक की अनुपस्थिति पर प्रतिक्रिया मांगी गई थी, और इसे ब्लू बुक नियमों का गंभीर उल्लंघन बताया गया था।

एसआईआर : नाम हटाने की याचिका पर विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उन मतदाताओं की नई याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमति जताई जिनके नाम पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान निर्वाचन आयोग ने हटा दिए थे। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमल्य बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी के तर्क पर गौर किया कि यह याचिका मतदाता सूचियों से पूर्ववर्ती मतदाताओं के नाम हटाए जाने से संबंधित है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, ये मतदाता हैं, इन्होंने पहले मतदान किया था, लेकिन अब उनके दस्तावेज स्वीकार नहीं किए गए। सीजेआई ने कहा हम न्यायिक अधिकारियों के निर्णयों के खिलाफ अपील को रोक नहीं सकते। एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि अपील विचारयोग्य है। इस पर पीठ ने कहा कि याचिका पर मंगलवार को सुनवाई होगी।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज मित्रों के साथ अनबन हो सकती है। व्यर्थ के खर्चों में बढ़ोतरी होगी। आर्थिक मामलों को लेकर थोड़े लापरवाह हो सकते हैं।

वृष — आज सफलता मिलने के योग हैं। मन में नए और रचनात्मक विचार आते रहेंगे। नए लोगों के साथ संपर्क विकसित होंगे।

मिथुन — आज आप कार्यक्षेत्र में काफी मेहनत करेंगे। व्यवसाय में सुधार करने की आवश्यकता है। बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

कर्क — आज आप छोटी-छोटी बातों को महत्व न दें। बुरे लोगों की संगत से बचें। कमीशन संबंधी कार्यों में धन हानि हो सकती है।

सिंह — आज नए कार्यों की शुरुआत करना उचित नहीं है। वाणी पर नियंत्रण रखें। वाहन चलाते समय सावधानी रखनी चाहिए।

कन्या — आज राजनीतिक संबंधों के लिए दिन अच्छा है। आप कठिन काम को सूझबूझ से सुलझा लेंगे। व्यवसाय में बड़ी उपलब्धि मिल सकती है।

तुला — आज अपनी कमियों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। विरोधियों के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ने वाला है। किसी से अधिक अपेक्षा न रखें।

वृश्चिक — आज नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। साझेदारी से जुड़े हुए कार्यों में सफलता मिलेगी। अपने काम पर विश्वास बनाए रखें।

धनु — आज आपको यात्रा करनी पड़ सकती हैं। स्वास्थ्य बिगड़ने की संभावना है। बाजार के भोजन से आपको बचना चाहिए।

मकर — आज शेयर मार्केट में धन निवेश लाभकारी होगा। परिजनों पर धन खर्च करेंगे। गैरकानूनी कार्यों में रुचि ले सकते हैं।

कुंभ — आज प्रबंधन संबंधी कार्यों के लिए दिन विशेष है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। कारोबार में योजनाएं बदलनी पड़ सकती हैं।

मीन — आज किसी को उधार में धन न दें। कार्यशैली में सुधार कर सकते हैं। आपको इच्छित परिणाम मिलने में कठिनाई होगी।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 10 मार्च, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, सप्तमी 11 मार्च 01.54 तक तत्पश्चात अष्टमी।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अनुराधा 19 .05 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

सुडोकू - 83 का हल

2	9	3	6	5	8	7	1	4
4	6	7	9	1	2	3	5	8
8	5	1	3	4	7	9	6	2
9	1	6	5	2	4	8	3	7
3	8	4	7	6	9	5	2	1
5	7	2	8	3	1	4	9	6
6	4	9	1	8	3	2	7	5
1	3	8	2	7	5	6	4	9
7	2	5	4	9	6	1	8	3

सुडोकू -84

	9		7		5			8
	8		2		1			
2				6				1
		3			2	5	4	
	2	6	1			8		
5				7				2
4			9		3		6	
				1	8		9	

तनातनी — दोनों सदनों में जानकारी दे चुके हैं जयशंकर, विपक्ष की मांग मानने के मूड में नहीं सरकार

पश्चिम एशिया पर संसद में चर्चा होने की संभावना नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट पर संसद में चर्चा कराने संबंधी विपक्ष की मांग को सरकार की ओर से स्वीकार किए जाने की संभावना नहीं है क्योंकि विदेश मंत्री एस जयशंकर दोनों सदनों को इस मुद्दे पर जानकारी दे चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक सरकार लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा करना चाहती है, जिस पर मंगलवार को चर्चा होने की संभावना है क्योंकि पश्चिम एशिया पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के प्रदर्शन के कारण कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

सूत्रों के अनुसार, पश्चिम एशिया में स्थिति पर संसद में कोई चर्चा नहीं होगी क्योंकि विदेश मंत्री दोनों सदनों को इस बारे में जानकारी दे चुके हैं। पश्चिम एशिया में स्थिति पर चर्चा की मांग को लेकर सोमवार को लोकसभा में हुए हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद तीसरी बार दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। सरकार ने विपक्ष पर सदन के नियमों का पालन न करने का आरोप लगाया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर पश्चिम एशिया में स्थिति पर बयान देने के लिए जैसे ही खड़े हुए, विपक्षी सदस्यों ने सरकार के खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए और पश्चिम एशिया में जारी संकट पर विस्तृत चर्चा की मांग की। पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने विपक्षी सदस्यों से सदन चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा, आप लोग सदन में तख्तियां लेकर आए हैं, आप यह पहले से तय करके आएं है कि सदन नहीं चलने देना है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कांग्रेस पर गैरजिम्मेदार विपक्षी दल होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लगता है कि विपक्ष असमंजस में है क्योंकि पहले वह खुद लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अनावश्यक प्रस्ताव लेकर आया और अब दूसरा विषय लेकर आ गया। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम एशिया में संघर्ष और इसकी वजह से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों पर सोमवार को उच्च सदन में संक्षिप्त चर्चा कराने की मांग की।

असलियत सामने न आ जाए इसलिए डर रहे हैं मोदी : राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार संसद में पश्चिम एशिया मामले पर चर्चा नहीं करना चाहती क्योंकि यह बात सामने आएगी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ब्लैकमेल किया जा रहा है और वह कम्प्रोमाइज्ड हो चुके हैं। राहुल गांधी ने यह दावा भी किया, आपने देखा कि प्रधानमंत्री संसद से भाग गए हैं। अब वह सदन के अंदर नहीं आ पाएंगे। राहुल ने कहा, पश्चिम एशिया में आमूलचूल परिवर्तन की लड़ाई चल रही है, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान होने वाला है। पश्चिम एशिया एक जरूरी मुद्दा है, क्योंकि उसका असर ईंधन की कीमत और भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। वहीं, नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका से व्यापार समझौता कर लिया है और हमने स्टॉक बाजार का हाल देख लिया है।

विश्व कप खिताब का बचाव करने के लिए जज्बा चाहिए और सूर्यकुमार की अगुआई वाली इस टीम ने सबसे बड़े मंच पर असली जज्बे के साथ खेला। संजू ने मौके मिलने पर फिर से दिखाया कि वह मैच विजेता क्यों हैं। अभिषेक शर्मा फाइनल में शानदार थे।

–युवराज सिंह

हाईलाइट

जीत की हकदार है पूरी टीम : सचिन

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारत को 'पूरी तरह से जीत का हकदार' बताया जबकि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने उन्हें 'सीमित ओवरों की सर्वश्रेष्ठ टीम' का तमगा दिया। क्रिकेट जगत ने इस तरह से भारतीय टीम की ऐतिहासिक तीसरी टी20 विश्व कप खिताबी जीत को सराहा। तेंदुलकर ने टीम के प्रदर्शन की सराहना की और मुंबई में अपने घर के बाहर जश्न की एक झलक साझा की। तेंदुलकर ने लिखा लगातार दो बार विश्व कप जीतना, पहली बार किसी टीम ने टी–20 प्रारूप में ऐसा किया है। ट्रॉफी के पूरी तरह से हकदार।

यह जीत हमारी ताकत दिखाती है : गांगुली

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि यह जीत हर स्तर पर भारतीय क्रिकेट की ताकत दिखाती है। गांगुली ने पोस्ट किया टी20 विश्व कप जीतने के लिए भारत को बधाई... बहुत मजबूत टीम... बड़े मुकाबलों में बेहतर हुई... भारतीय क्रिकेट शानदार जगह पर है। महिला चैंपियन, अंडर–19 चैंपियन और अब पुरुष टी20 चैंपियन।

आपकी मुस्कान अच्छी लगती है : धोनी

अहमदाबाद। भारत की इतिहास रचने वाली टी20 विश्व कप जीत ने लगभग दो साल बाद महान क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को सोशल मीडिया पर फिर से सक्रिय कर दिया और उन्होंने इस मौके का फायदा उठाते हुए मुख्य कोच गौतम गंभीर को बताया कि उनके गंभीर चेहरे पर मुस्कान कितनी अच्छी लगती है। धोनी ने इंस्टाग्राम पर पिछला पोस्ट 2024 में किया था। उन्होंने यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल देखने के बाद पोस्ट किया अहमदाबाद में इतिहास बना, टीम और सहयोगी स्टाफ तथा दुनिया भर में भारतीय क्रिकेट टीम के सभी प्रशंसकों को बहुत–बहुत बधाई। आप सभी को खेलते हुए देखकर बहुत खुशी हुई।

सूर्यकुमार का विश्व कप ट्रॉफी के साथ अडालज बावड़ी में हुआ फोटोशूट

अहमदाबाद, एजेंसी

- ऐतिहासिक स्मारक परिसर और आसपास की सड़कों पर बड़ी संख्या में प्रशंसकों की उमड़ी भीड़
- अष्टकोणीय आकार की इस मध्यकालीन बावड़ी को देखने आते हैं देश-विदेश के पर्यटक

भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के सोमवार को अडालज बावड़ी में विशेष फोटोशूट के लिए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप ट्रॉफी के साथ पहुंचते ही उत्सव जैसा माहौल बन गया।

इस ऐतिहासिक स्मारक परिसर और आसपास की सड़कों पर बड़ी संख्या में प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। कई प्रशंसक सूर्यकुमार की एक झलक पाने के लिए आसपास की दीवारों और छतों पर भी चढ़ गए। जैसे ही कप्तान ट्रॉफी के साथ पहुंचे, प्रशंसकों ने 'इंडिया इंडिया'' के नारों से माहौल को और भी जोशीला बना दिया।

भारत ने रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप खिताब को अपने नाम किया। अधिकारियों ने बताया कि अडालत बावड़ी का यह दौरा भारतीय कप्तान और विश्व कप ट्रॉफी के साथ आयोजित एक प्रमोशनल फोटोशूट का हिस्सा था। इससे पहले भी इस ऐतिहासिक स्मारक पर इसी तरह के फोटोशूट आयोजित किए जा चुके हैं। बड़ी भीड़ को देखते हुए बावड़ी परिसर और आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। अडालज नी वाव के नाम से प्रसिद्ध यह बावड़ी गुजरात के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों में से एक है और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करती है। अहमदाबाद से लगभग 18 किलोमीटर दूर स्थित इस बावड़ी का निर्माण वर्ष 1499 में वाघेला शासक राणा वीर सिंह की पत्नी रानी रुदाबाई ने करवाया था। पांच मंजिला यह संरचना अपनी बारीक नक्काशी और विशिष्ट भारतीय-इस्लामिक वास्तुकला शैली के लिए प्रसिद्ध है। अष्टकोणीय आकार की यह बावड़ी मध्यकालीन दौर में पानी के स्रोत के साथ-साथ यात्रियों के विश्राम स्थल के रूप में भी उपयोग में लाई जाती थी। खूबसूरती से तराशी गई दीवारें गुजरात के सबसे आकर्षक विरासत में एक है।

बारबाडोस से अहमदाबाद तक : क्रिकेट में भारत के दबदबे की अभूतपूर्व दास्तान

टी-20 में भारतीय टीम को अब हरा पाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन भी

नई दिल्ली, एजेंसी

टी–20 विश्व कप जीतने के बाद देर रात तक जश्न मनाती रही भारतीय टीम। एजेंसी

वेस्टइंडीज के बारबाडोस में मिली जीत ने जहां बरसों की नाकामी का कलंक मिटाया तो अहमदाबाद में नई बादशाहत कायम हुई। वाकई क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में इस भारतीय टीम को हरा पाना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन सा लगने लगा है। न्यूजीलैंड को फाइनल में 96 रन से हराकर भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार चैम्पियन बनने का रिकॉर्ड ही नहीं बनाया बल्कि ताबड़तोड़ क्रिकेट में भारत की बादशाहत की तस्दीक भी कर दी। मैदान पर भारत का प्रदर्शन इस कदर शानदार रहा कि टूर्नामेंट से पहले सुरक्षा कारणों से बांग्लादेश के बाहर होने और भारत के खिलाफ मैच को लेकर पाकिस्तान की बहिष्कार की धमकी को लोग भूल ही गए।

भारत तीन टी20 विश्व कप (2007, 2024 और 2026) जीतने और लगातार दो बार खिताब अपने नाम करने वाली पहली टीम बन गई है। क्रिकेट की आर्थिक धुरी तो बीसीसीआई पहले ही से है। भारतीय क्रिकेट की प्रतिभा ने मिलकर सत्ता और प्रतिभा का बेहतरीन कॉकटेल बना दिया है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि दो दशक पहले शुरू हुए खेल के इस प्रारूप में मौजूदा भारतीय टीम अब तक की सर्वश्रेष्ठ टीम है।

भारत का वर्चस्व कुछ उसी तरह का है जैसे 70 या 80 के दशक में वेस्टइंडीज का और मिलेनियम के पहले दशक में आस्ट्रेलिया का हुआ करता था। भारत की जीत के अंदाज और अंतर ने इस प्रारूप में टीम की श्रेष्ठता तो साबित की है लेकिन जिन खिलाड़ियों को टीम में जगह बनाने का मौका नहीं मिल सका, उन पर दृष्टिपात करें तो भारतीय क्रिकेट में प्रतिभा की गहराई का पता चलता है। संजू सैमसन, ईशान किशन, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे सभी ने जीत में योगदान दिया। लेकिन यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर, शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी जो बाहर रहे, वे दुनिया की किसी भी टीम में जगह पाने के हकदार थे। चौदह वर्ष के वैभव सूर्यवंशी को कैसे भुलाया जा सकता है। क्रिकेट पंडितों का मानना है कि भारत अपनी 'ए' टीम खड़ी करके भी विश्व कप जीत सकता है। भारत की सफलता के पीछे टीम प्रबंधन के साहसिक फैसले, विकेट बचाने की बजाय तेजी से खेलने की रणनीति, मैदान पर उस पर सटीक अमल शामिल है।

दूसरी तरफ एक बार फिर आईसीसी के सफेद गेंद के टूर्नामेंट के नॉकआउट में आसानी से घुटने टेककर लगता है कि न्यूजीलैंड ने 'चोकर्स' का ठप्पा दक्षिण अफ्रीका से ले लिया है। कीवी टीम 2015 से 13 आईसीसी टूर्नामेंटों में से छह के फाइनल में पहुंची लेकिन सिर्फ एक 2021 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीती।

इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान क्रिकेट का लंबे समय से चला आ रहा खराब दौर जारी रहा। बार बार कप्तान बदलना, टीम में एकता का अभाव और खिलाड़ी विकास कार्यक्रम की कमी साफ नजर आई।

वहीं एसोसिएट टीमों ने अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी हालांकि उन्हें अभी लंबा सफर तय करना है। अमेरिका ने भारत को कड़ी चुनौती दी जबकि इंग्लैंड टीम नेपाल के खिलाफ उलटफेर का शिकार होने से बची। कनाडा के युवराज सामरा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जमाया और जिम्बाब्वे ने आस्ट्रेलिया को ग्रुप चरण में हराकर बाहर किया।

निजी उपलब्धियों का नहीं मनाया जाएगा जश्न : गंभीर

अहमदाबाद, एजेंसी

- आईसीसी के फाइनल में दो बार अपनी टीम के लिए शीर्ष स्कोरर रहे गौतम गंभीर का छलका दर्द

गौतम गंभीर इस एक बात को कहते हुए कभी नहीं थकते। असल में वह इसे हर मौके पर उन लोगों के लिए दोहराते हैं जिन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया है और वह यह है कि मुख्य कोच के तौर पर उनके कार्यकाल में निजी उपलब्धियों का जश्न नहीं मनाया जाएगा। इस सिद्धांत की सबसे नवीनतम झलक तब दिखी जब भारत ने रविवार को यहां फाइनल में बेजोड़ प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर अपना तीसरा टी20 विश्व कप खिताब जीता।

आईसीसी के वैश्विक फाइनल में दो बार अपनी टीम के लिए शीर्ष स्कोरर रहे गंभीर ने जोर देते हुए कहा मुझे लगता है कि सूर्या (भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव) के साथ मेरा सामान्य सा फलसफा हमेशा से यही रहा है कि उपलब्धियां मायने नहीं रखती। ट्रॉफी मायने रखती हैं। भारतीय क्रिकेट में बहुत लंबे समय से हम उपलब्धियों के बारे में बात करते आ रहे हैं। और मुझे उम्मीद है कि जब तक मैं हूं हम उपलब्धियों के बारे में बात नहीं करेंगे। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद ने क्रिकेट मीडिया से 'उपलब्धियों' नहीं बल्कि 'ट्रॉफी' का जश्न बनाने की अपील की। उन्होंने दोहराया उपलब्धियों का जश्न मनाना बंद करो, ट्रॉफी का जश्न मनाओ। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि टीम खेल का बड़ा उद्देश्य ट्रॉफी जीतना है, ना कि व्यक्तिगत रन बनाना। यह मेरे लिए कभी मायने नहीं रखता था और ना ही कभी रखेगा। गंभीर ने कहा मैं बहुत खुशकिस्मत रहा हूं कि सूर्या और मेरी राय एक ही है, विशेषकर इस मामले में। किसी का नाम नहीं लिया गया लेकिन यह समझना अधिक मुश्किल नहीं है कि वह किन 'उपलब्धियां हासिल करने वालों' की बात कर रहे थे। गंभीर ने संजू सैमसन की पारियों का जिक्र करते हुए कहा कि टीम खेल कैसे खेला जाता है ये पारियां इसका सबसे अच्छा उदाहरण है।

नहीं मिला श्रेय

भारतीय क्रिकेट में यह एक खुला राज है कि गंभीर को हमेशा से लगता रहा है कि 2011 विश्व कप फाइनल में मैच का रुख बदलने वाली उनकी 97 रन की पारी या 2007 टी20 विश्व कप फाइनल में उनकी 75 रन की पारी को कमतर आंका गया। दोनों ही मामलों में महेंद्र सिंह धोनी का मैच जिताने वाला छक्का (2011) और जोगिंदर शर्मा को आखिरी ओवर देने का उनका मास्टरस्ट्रोक (2007) भारतीय क्रिकेट की लोककथाओं का हिस्सा बन गया।

आईपीएल में पहली बार उतरेंगे लखनऊ के नमन व अमेठी के प्रशांत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

नमन तिवारी व प्रशांत वीर।

- आईपीएल में यूपी का जलवा, 12 खिलाड़ी अलग-अलग टीमों में
- धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करेंगे प्रशांत वीर
- एलएसजी में नमन तिवारी को मौका मिलने की उम्मीद

अमृत विचार। 28 मार्च से शुरू होने जा रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें संस्करण में इस बार यूपी के खिलाड़ियों का जलवा देखने को मिलेगा। खास तौर पर लखनऊ के बाएं हाथ के मीडियम पेसर नमन तिवारी और अमेठी के प्रशांत वीर पर सभी की निगाहें रहेंगी।

दोनों खिलाड़ी पहली बार आईपीएल में पदार्पण कर रहे हैं और अपने प्रदर्शन से पहचान बनाने को तैयार हैं। नमन तिवारी पहले भारतीय अंडर-19 टीम का हिस्सा रह चुके हैं और उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने अपनी टीम में शामिल किया है। टीम में पहले से मौजूद मोहसिन खान के साथ नमन को भी इस सीजन में अपनी धारदार गेंदबाजी दिखाने का मौका मिल सकता है। वहीं अमेठी के प्रशांत वीर ने यूपी लीग में शानदार प्रदर्शन कर सुर्खियां बटोरी थीं। मिनी ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने उन्हें खरीदा, जिसके बाद वे पहली बार आईपीएल का हिस्सा बनेंगे। इस दौरान उन्हें टीम के कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करने का मौका मिलेगा, जो उनके लिए बड़े अनुभव की तरह होगा।

यूपी के एक दर्जन खिलाड़ी अलग-अलग टीमों में : इस सीजन में उत्तर प्रदेश के करीब एक दर्जन खिलाड़ी विभिन्न फ्रेंचाइजी टीमों का हिस्सा बनकर मैदान में उतरेंगे। खेल प्रेमियों को उम्मीद है कि ये खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से न सिर्फ टीमों को मजबूती देंगे बल्कि खिताब की दौड़ में भी अहम भूमिका निभाएंगे। रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु की गेंदबाजी की जिम्मेदारी मेरठ के भुवनेश्वर कुमार और प्रयागराज के यश दयाल के कंधों पर होगी। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए अलीगढ़ के रिंकू सिंह और हापुड़ के कार्तिक त्यागी मैदान में उतरेंगे। दिल्ली कैपिटल्स में कानपुर के कुलदीप यादव, मेरठ के समीर रिजवी और बाराबंकी के विप्रज निगम को जगह मिली है। इसके अलावा सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ के जीशान अंसारी और नोएडा के शिवम मावी पर भरोसा जताया है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ : पूर्व भारतीय खिलाड़ी ज्ञानेंद्र पाण्डेय का कहना है कि आईपीएल ऐसा मंच है जहां दुनिया भर के खिलाड़ी एक साथ खेलते हैं। यहां अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भारतीय टीम के दरवाजे तक पहुंच सकते हैं। इकाना स्टेडियम के सीनियर एमडी उदय सिन्हा के मुताबिक प्रदेश के खिलाड़ियों की बढ़ती मांग यूपी क्रिकेट के लिए सकारात्मक संकेत है और इससे नई प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिलेगा। वहीं उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की जूनियर चयन समिति के चेयरमैन और पूर्व रणजी खिलाड़ी कमलकांत कनौजिया का कहना है कि यूपी के खिलाड़ियों की मौजूदगी से युवा क्रिकेटरों को प्रेरणा मिलेगी और भविष्य में प्रदेश से और भी खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिखाई देंगे।

किन टीमों में यूपी के कौन-कौन खिलाड़ी

- **दिल्ली कैपिटल्स :** विप्रज निगम (बाराबंकी), कुलदीप यादव (कानपुर), समीर रिजवी (मेरठ)
- **कोलकाता नाइट राइडर्स :** रिंकू सिंह (अलीगढ़), कार्तिक त्यागी (हापुड़)
  लखनऊ सुपर जायंट्स – मोहसिन खान (संभल), नमन तिवारी (लखनऊ)
- **रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु :** भुवनेश्वर कुमार (मेरठ), यश दयाल (प्रयागराज)
  सनराइजर्स हैदराबाद – जीशान अंसारी (लखनऊ), शिवम मावी (नोएडा)
- **चेन्नई सुपर किंग्स :** प्रशांत वीर (अमेठी)

अब नजरें ओलंपिक स्वर्ण पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- 14-30 जुलाई 2028 तक ग्रीष्मकालीन ओलंपिक होगा लॉस एंजिलिस में

टी-20 विश्व कप जीतने वाली टीम की औसत उम्र तीस के करीब है लिहाजा आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2028 में होने वाले अगले टी20 विश्व कप में भी उनके खेलने की पूरी संभावना है। लेकिन इससे पहले खिलाड़ियों के पास लॉस एंजिलिस में ओलंपिक स्वर्ण जीतने का भी मौका होगा चूंकि क्रिकेट की 128 साल बाद ओलंपिक में वापसी हो रही है।

भारत की विश्व कप विजेता इस टीम में सिर्फ कप्तान सूर्यकुमार यादव ही 35 साल के हैं लेकिन उनका इरादा 2028 में ये दोनों टूर्नामेंट खेलने का है। अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में मिली जीत के बाद प्रेस कांफ्रेंस में सूर्यकुमार ने कहा एक टीम के रूप में हमने जो कुछ हासिल किया है, वह काफी खास है। अगला लक्ष्य ओलंपिक है। ओलंपिक स्वर्ण और उसी साल टी20 विश्व कप भी है। उन्होंने कहा 2024 के बाद से जिस तरह से सफर तय किया गया है, हम काफी रोमांचित हैं। हमने तीन आईसीसी ट्रॉफी (वनडे चैम्पियंस ट्रॉफी समेत) लगातार जीती। 2024 में लंबे समय बाद आईसीसी खिताब जीता। हमें पता है कि हम किस तरह से खेलना चाहते थे। 2024 के बाद सब कुछ बदल गया। सूर्यकुमार ने कहा हमने 2025 में चैम्पियंस ट्रॉफी (रोहित शर्मा की कप्तानी में) जीती और बिल्कुल अलग तरह की क्रिकेट खेली।

चर्चा में आई जोड़ी

टी–20 विश्व कप का फाइनल जीतने के बाद पार्टनर माहिका शर्मा के साथ जश्न मनाते हार्दिक पंड्या। ● एजेंसी

प्रेरणा | सैमसन के रूप में नए खेल आइकन के सामने आने से केरल में खुशी की लहर

पिता ने कहा था– संजू अपनी जड़ों से कभी दूर मत जाना

बेंगलुरु, एजेंसी

संजू सैमसन को शाबाशी देते मुख्य कोच गौतम गंभीर। एजेंसी

एक छोटी सी कहानी है जो सैमसन विश्वनाथ के अपने बेटे संजू पर गहरे असर के बारे में बहुत कुछ बताती है। केरल का यह क्रिकेटर राजस्थान रॉयल्स के लिए अपने पहले आईपीएल सत्र के बाद एक स्टार की तरह अपने गृहनगर विझिंजम लौटा था।

कभी संजू के साथ सड़कों पर खेलने वाले गांव के युवा क्रिकेटर अब उसके पास जाने से हिचकिचा रहे थे। उनकी हिचकिचाहट को भांपते हुए दिल्ली पुलिस के पूर्व अधिकारी विश्वनाथ ने संजू को कुछ समय के लिए अपने पुराने दोस्तों के साथ खेलने के लिए कहा। उस समय संजू को अपने पिता से सलाह मिली अपनी जड़ों से कभी दूर मत जाना। ये शब्द संजू के साथ तब भी रहे जब उन्होंने खेल के उतार-चढ़ाव का सामना किया।

हाल में संपन्न टी20 विश्व कप में सैमसन 321 रन बनाकर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने। सैमसन के शुरुआती कोच बीजू जॉर्ज ने बताया मुझे लगता है कि उसके शुरुआती मुकाबलों की तुलना में मुख्य अंतर यह है कि उसके पैरों में स्थिरता लौट आई है, एक मजबूत आधार हमेशा से उसकी ताकत रही है। जब वह क्रीज में पीछे की ओर जाने लगा तो इससे उसका संतुलन बिगड़ गया। उन्होंने कहा लेकिन अब ऐसा लगता है कि उसने वह स्थिर आधार वापस पा लिया है और यह उसकी बल्लेबाजी में दिखता है। मुंबई में सेमीफाइनल में इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर के खिलाफ बेसिक्स पर लौटने से मिली मदद साफ नजर आ रही थी।

यह जानते हुए कि सैमसन अपने शरीर की तरफ आने वाली गेंदों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं आर्चर ने शॉर्ट गेंद फेंकी लेकिन दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने घूमकर उसे स्क्वायर लेग के पीछे छक्के के लिए पुल कर दिया। अपने अगले ओवर में आर्चर ने फिर से एक शॉर्ट पिच गेंद के खिलाफ संजू की काबिलियत को परखने की कोशिश की और इस बार इस सलामी बल्लेबाज ने गेंद को वानखेड़े स्टेडियम में मिडविकेट के पीछे दूसरे टीयर के स्टैंड पर भेजा दिया। इन दो शॉट में संजू ने आर्चर और बाउंसर के खिलाफ अपनी कमजोरी से सफलतापूर्वक निपटा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी सुपर आठ मुकाबले से पहले तक संजू का करियर खतरे में था। हालांकि उन्होंने आखिरी तीन महत्वपूर्ण मुकाबलों में नाबाद 97, 89 और 89 रन की पारियां खेलकर भारत को अपना तीसरा टी20 विश्व कप जिताने में मदद की। इसके साथ ही भारत लगातार दूसरा और कुल तीसरा टी20 विश्व खिताब जीतने वाली पहली टीम बना। मुख्य कोच गौतम गंभीर भी सैमसन की कोशिश से बहुत खुश थे और उन्होंने उन्हें एक विशेष प्रतिभा कहा।

जो भी मौके मिलें उन्हें जाने मत दो

विश्वनाथ ने कहा मैंने उसे (जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच के बाद) एक मैसेज भेजा। अपने देश के लिए अच्छा करो, तुम पहले से ही 31 साल के हो और जो भी मौके तुम्हें मिलें उन्हें जाने मत दो। उन्होंने कहा मुझे पता है कि उसमें सभी तरह का कौशल है क्योंकि वह 13 साल की उम्र से गंभीर क्रिकेट खेल रहा है और यह सब उसकी सोच को सही करने के बारे में था। बल्लेबाजी क्रम या ऐसी किसी भी चीज की चिंता मत करो बस खुले दिमाग से खेलो। ऐसा लगता कि सैमसन ने इस सलाह को दिल से मान लिया और लगातार तीन अर्धशतक लगाए। विश्वनाथ ने भावनात्मक होते हुए कहा, मैं अपने पोडियन (बेटे) को जानता हूं। मैं उसे छोटी उम्र से देख रहा हूं। मुझे पता था, हम सब जानते थे कि वह वापसी करेगा।